छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा A++ ग्रेड, यू.जी.सी. श्रेणी-I प्राप्त विश्वविद्यालय

सफर शिखर तक

एक झलक

प्रो0 विनय कुमार पाठक

कुलपति

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

शानदार पाँच साल

2021-2026

WWW.CSJMU.AC.IN

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. कुलाधिपति /राज्यपाल

माननीय राज्यपाल महोदया की दूरदर्शी सोच और निरंतर प्रयासों के कारण उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उनकी प्रगतिशील दृष्टि के तहत नई नीतियों और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से चुनौतियों का समाधान किया जा रहा है, जिससे हमारे राज्य में शिक्षा का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन रहा है।

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	पिछले पाँच वर्ष: ऐतिहासिक उपलब्धियों के नाम	1
2	रैंकिंग और मान्यताएँ	2
3	शैक्षणिक उपलब्धियाँ	3
4	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित पहलें	6
5	शोध कार्य एवं परियोजनाएं	8
6	प्रोजेक्ट्स एंड रिसोर्स जनरेशन	11
7	CSJMU में समर्थ (Samarth) पोर्टल	13
8	डिजिटल विश्वविद्यालय की तरफ लंबी छलांग	15
9	शैक्षणिक सहभागिता एवं एमओयू में अभूतपूर्व वृद्धि	17
10	अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग	20
11	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	22
12	संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन	25
13	छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन (CSJMIF)	30
14	प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	33
15	स्वास्थ्य सेवाएं	36
16	समृद्ध पुस्तकालय : ऑफलाइन से ऑनलाइन तक	40
17	शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ खेल गतिविधियों में अभूतपूर्व इजाफा	43
18	सीएसजेएम विश्वविद्यालय परिसर एलुमनाई	49
19	NSS उपलब्धियां	51
20	NCC उपलब्धियां	53
21	स्वामी हरिदास संगीत एवं नाट्य अकादमी	54
22	सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट	55
23	अत्याधुनिक मीडिया सेंटर से मिली ई-लर्निंग को ऊंची उड़ान	56

पिछले पाँच वर्ष: ऐतिहासिक उपलब्धियों के नाम

सीएसजेएम विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2021 से अब 2026 तक पूरे पांच वर्ष की अवधि एक ऐतिहासिक विकास की गाथा को प्रदर्शित करने वाले रहे हैं। वर्ष 2021 में शुरू इसके शैक्षणिक, प्रशासनिक, तकनीकी, डिजिटल प्रौद्योगिकी वाला सफर विश्वविद्यालय की दशा और दिशा में आमूल चूल परिवर्तनकारी साबित हुआ है। विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता तय करने वाली महत्वपूर्ण संस्था नैक द्वारा ए प्लस प्लस, उसके बाद यूजीसी से प्रथम श्रेणी के विश्वविद्यालय का खिताब हासिल करने के साथ QS वर्ल्ड, एनआईआरएफ, एडु रैंकिंग आदि में विशिष्ट स्थान हासिल करने की उपलब्धि कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के 2021 से 2026 के बीच में दिये करिश्माई नेतृत्व से ही संभव हो सका। यही नहीं अब विश्वविद्यालय शीघ्रता से एआई और डिजिटल युनिवर्सिटी की तरफ भी बढ़ने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते इसके कदम से मिलती पहचान ने विदेशी छात्रों को पहली बार आकर्षित करने में सफल हो रहा है। इसमें कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की विदेशी यात्राओं में सीएसजेएम विश्वविद्यालय को नई पहचान देने से ही संभव हो सका है।

सीएसजेएम विश्वविद्यालय के सफलता की कहानी 1966 में पार्वती बगला रोड पर एक छोटे से कमरे में इसकी शुरूआत से लेकर एक प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान के रूप में इसके वर्तमान कद तक के उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाती है। कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से और कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के दूरदर्शी नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने निरंतर विकास और प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहल की हैं।

फेसलेस सिस्टम का कार्यान्वयन एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में सामने आया है, जो डिग्री जारी करने और सत्यापन जैसी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, जिससे छात्रों को व्यक्तिगत रूप से विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इस पहल ने, प्रो. विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में विभिन्न छात्र-हितैषी नीतियों की स्थापना के साथ-साथ छात्र परिषदों, एंटी-रैगिंग समितियों और शिकायत निवारण प्रकोष्ठों की स्थापना ने छात्र कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और बढ़ाया है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने शोध संस्कृति में तेजी से प्रगति देखी है, जिसमें शोध अध्ययनों का विस्तार, गीता शोध पीठ की स्थापना और अनुकूल शोध वातावरण का निर्माण शामिल है। संस्थान ने सभी विभागों में डिजिटलीकरण में भी प्रगति की है और प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व में नए पाठ्यक्रम और नवाचार पेश किए हैं।

ए प्लस प्लस मान्यता के साथ अन्य रैंकिंग समस्याओं में बेहतर होती रैंकिंग में विश्वविद्यालय की सफलता इसके संकाय और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है, जिन्होंने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए हार्दिक बधाई दी है। विश्वविद्यालय में पिछले पांच वर्षों में दर्ज की गयी उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद यहां छात्रों और शिक्षकों के लिए विश्वस्तरीय वातावरण का माहौल बना है। इन उपलब्धियों के लिए कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी को बहुत बहुत बधाई!

रैंकिंग और मान्यताएँ

ACCREDITED WITH GRADE
A++
NAAC
ACCREDITED WITH A++
GRADE BY NAAC
Our Inspiration
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor & Governor
Uttar Pradesh

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
RECOGNIZED AS CATEGORY 1
UNIVERSITY BY UGC
Our Inspiration
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor & Governor
Uttar Pradesh

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
(Accredited with Grade A++ by NAAC & UGC Category-I University)
QS SUSTAINABILITY
RANKINGS 2026
Surpassing 43.9% of institutions in Asia
Band: 1251–1300 Globally
Rank: 464 in Asia
Rank: 56 among Indian Universities
Highest among UP State Universities
OUR INSPIRATION
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor and Governor
Uttar Pradesh

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
Accredited A++ by NAAC, I Category-I University Graded by UGC
QS WORLD UNIVERSITY
RANKINGS 2026
QS ASIA UNIVERSITY RANKINGS 2026:
RANK BAND: 901–950 IN ASIA
QS SOUTH ASIA UNIVERSITY RANKINGS 2026:
RANK: 297TH IN SOUTH ASIA
INDIA RANKING:
156TH AMONG INDIAN UNIVERSITIES
UTTAR PRADESH STANDING:
3RD AMONG UNIVERSITIES IN UTTAR PRADESH
PERFORMANCE HIGHLIGHT
SURPASSED 37.9% OF INSTITUTIONS IN ASIA (VS. 14% LAST YEAR)
OUR INSPIRATION
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor and Governor of Uttar Pradesh

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
(Accredited with Grade A++ by NAAC & UGC Category-I University)
SCIMAGO INSTITUTIONS RANKINGS 2026
#174 Improved from #244 among Indian Universites
#106 Improved from #298 Innovation Rank
#59 Improved from #69 Societal Rank
#462 Research Rank in India with subject-specific outstanding performance:
#9 in Agricultural and Biological Sciences
#232 in Biochemistry, Genetics and Molecular Biology
OUR INSPIRATION
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor and Governor
Uttar Pradesh

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
(Accredited with Grade A++ by NAAC & UGC Category-I University)
Times Higher Education (THE)
Interdisciplinary Science Rankings 2026
2nd Place Among the UP State Universities
Times Higher Education
Ranked 501–600 Global Band
OUR INSPIRATION
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor and Governor
Uttar Pradesh

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR
(Accredited with Grade A++ by NAAC & UGC Category-I University)
Nature Index Ranking 2026
Ranked Among Top Universities
» India Rank: 316
Position by Research Output
Category | India Rank
Overall | 316
Academic | 233
Subject | India Rank
Chemistry | 144
Physical Sciences | 134
OUR INSPIRATION
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor and Governor
Uttar Pradesh

SCHOOL OF PHARMACEUTICA
SCIENCES LISTED IN
NIRF RANKING (101-125)
Our Inspiration
Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Chancellor & Governor
Uttar Pradesh

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की पिछले पांच वर्ष की शैक्षणिक उपलब्धियाँ उच्च शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों में गुणवत्ता, प्रासंगिकता और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम संरचना, शिक्षण विधियों और शैक्षणिक प्रशासन में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

- वर्तमान में विश्वविद्यालय में 144 शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 53 स्नातक, 64 स्नातकोत्तर, 11 डिप्लोमा, 4 पीजी डिप्लोमा, 3 इंटीग्रेटेड और 9 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं, साथ ही विश्वविद्यालय में 54 विषयों में पीएचडी उपाधि प्रदान की जाती है । विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 20 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, , जिनमें 7 स्नातक, 6 स्नातकोत्तर, 3 डिप्लोमा, 1 पीजी डिप्लोमा, 2 इंटीग्रेटेड तथा 1 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं।

- वर्तमान में, सीएसजेएम विश्वविद्यालय में कुल 5,04,531 एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी बनाए जा चुके हैं। यह विशिष्ट आई डी छात्रों को विभिन्न संस्थानों में अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहीत, स्थानांतरित और उनके प्रयोग करने में सक्षम बनाएंगे।

छात्र संख्या में वृद्धि

- विश्वविद्यालय में पिछले पाँच वर्षों में छात्र नामांकन में उल्लेखनीय और निरंतर वृद्धि देखी गई है। यह निरंतर वृद्धि दर विश्वविद्यालय की बढ़ती शैक्षणिक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता, प्रासंगिक और नवीन पाठ्यक्रमों की उपलब्धता, विस्तारित अवसंरचना, सुदृण शोध गतिविधियों और विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगतिशील पहलों का प्रमाण है।

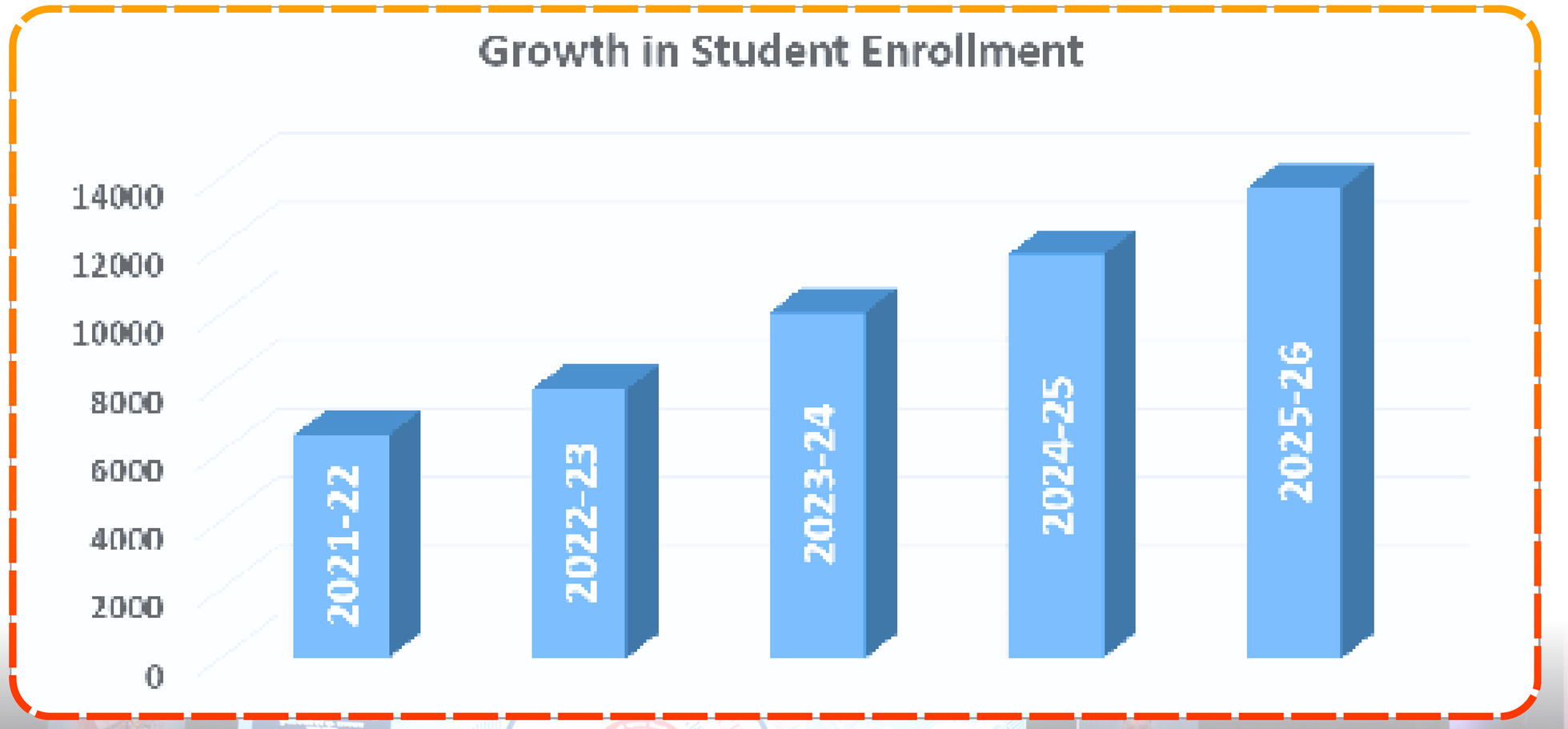

NEP 2020 के अनुसार FYUP कार्यक्रम का प्रारंभ

- विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के अनुरूप और यूजीसी तथा उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) शुरू किया है। यह विश्वविद्यालय की स्नातक शिक्षा को एनईपी 2020 के तहत प्रस्तावित नए 5+3+3+4 ढांचे के अनुरूप बनाता है और इसे वैश्विक उच्च शिक्षा ढाँचों के अनुरूप लाता है। इस पाठ्यक्रम में बहु-प्रवेश और निकास विकल्प, बहु-विषयक वैकल्पिक, मूल्य-वर्धित और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, साथ ही सह-पाठ्यचर्या विषय शामिल हैं। चतुर्थ वर्ष में शोध और प्रोजेक्ट कार्य पर विशेष जोर दिया गया है ताकि छात्र व्यावहारिक अनुभव और विस्तृत ज्ञान अर्जित कर सकें। संशोधित एफवाईयूपी-आधारित पाठ्यक्रम को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से 33 से अधिक विषयों में अपनाया गया है।

नए उभरते क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम

- विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनके अकादमिक शिक्षण के पूरक व्यावहारिक कौशल से युक्त करने के लिए एआई फॉर ऑल, साइबर सुरक्षा, कला, वाणिज्य और विज्ञान के लिए एआई, एआई आधारित रचनात्मक लेखन, वित्तीय साक्षरता, और द फ्यूचर ऑफ वर्क जैसे उभरते क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। ये पाठ्यक्रम आईआईटी कानपुर जैसे राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों और मैक्सप्रो एआई और कलाम एसपीएस रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड जैसे अन्य उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार किए गए हैं।

- सीएसजेएमयू ने छात्रों को SWAYAM प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करके MOOC आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू किया है। जनवरी 2025 के सत्र में, परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के 9,400 छात्रों ने और जुलाई 2025 के सत्र में 6,971 छात्रों ने नामांकन किया हैं। अब तक वर्ष 2026 में विश्वविद्यालय ने SWAYAM प्लेटफॉर्म पर कुल 7,377 नामांकन दर्ज किए हैं।

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री पाठ्यक्रम (AEDP) का संचालन

- सीएसजेएम विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में चार अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री पाठ्यक्रम (AEDP) संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनिवार्य औद्योगिक इंटर्नशिप शामिल है। यह पाठ्यक्रम अर्थात् बीबीए रिटेल, बीबीए लॉजिस्टिक्स, बीबीए इवेंट मैनेजमेंट और बी.कॉम. ई-कॉमर्स, एनईपी 2020 के परिणाम-आधारित, कौशल-संचालित शिक्षा के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण

- विश्वविद्यालय ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहुंच को मजबूत करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शैक्षणिक सहयोग और संयुक्त अनुसंधान के लिए अमेरिका, ताइवान, मलेशिया, रूस, ओमान, थाईलैंड, आयरलैंड, कजाकिस्तान, नेपाल के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ 20 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने नेपाल, बांग्लादेश, सऊदी अरब, नाइजीरिया और नामीबिया सहित 35 से अधिक विदेशी छात्रों का स्वागत किया, जो इसके बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सराहनीय प्रदर्शन

- शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सराहनीय प्रदर्शन किया। कुल 51 छात्रों ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की, 52 छात्रों ने यूजीसी-नेट/सीएसआईआर-नेट, 7 छात्रों ने जीपैट और 14 छात्रों ने आईआईटी जैम उत्तीर्ण कर प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किए। विश्वविद्यालय को 7 छात्रों द्वारा एम्स (AIIMS) परीक्षा उत्तीर्ण करने और 6 छात्रों द्वारा जीएसटी-बी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर भी गर्व है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में, 67 विद्यार्थियों ने UGC-NET परीक्षा, 44 ने GATE परीक्षा, 19 विद्यार्थियों ने IIT-JAM परीक्षा, 2 ने GPAT तथा 25 विद्यार्थियों ने CTET परीक्षा उत्तीर्ण की।

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम का प्रारम्भ

- द्रोणाचार्य ऑनलाइन शिक्षा केंद्र एवं विश्वविद्यालय को यूजीसी के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से 4 ऑनलाइन और 11 दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की स्वीकृति मिली है। छात्रों के पहले बैच का प्रवेश अक्टूबर 2024 में हुआ था और वर्तमान में, 200 से अधिक छात्र ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा मोड में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे हैं।

इंजीनियरिंग में माइनर डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत

- सीएसजेएमयू ने एनईपी- 2020 और एआईसीटीई दिशानिर्देशों के तहत इंजीनियरिंग में माइनर डिग्री प्रोग्राम शुरू किए

हैं, जिससे छात्रों को बहुविषयक विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिलेगी। यह निर्णय शैक्षणिक अनुभव को व्यापक बनाती है और साथ ही रोज़गार क्षमता और उद्योग के लिए तैयारी को बढ़ाती है।

यंग टीचर्स स्कीम के अंतर्गत शिक्षकों की नियुक्ति

- शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और छात्र-शिक्षक अनुपात को राष्ट्रीय रैंकिंग एजेंसियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए, विश्वविद्यालय ने यंग टीचर्स स्कीम शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत नियुक्त किए गए शिक्षकों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा तथा नियुक्ति के लिए पात्रता मानदंड यूजीसी/एआईसीटीई के नियमों के अनुरूप होंगे। शिक्षकों की अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष होगी (एससी/एसटी/ओबीसी शिक्षकों के लिए 40 वर्ष तक छूट प्रदान की जाएगी), इस स्कीम के तहत, विश्वविद्यालय परिसर में 80 से अधिक शिक्षकों की भर्ती की जा चुकी है।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति

- विश्वविद्यालय ने उद्योग, अनुसंधान तथा अन्य क्षेत्रों के 40 विशेषज्ञों को विभिन्न विभागों में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' के रूप में नियुक्त किया है, ताकि शैक्षणिक अध्ययन और वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों के बीच की दूरी कम की जा सके। ये नियुक्तियाँ अनुभवात्मक शिक्षा को सुदृढ़ करेंगी और छात्र छात्राओं की रोजगार अवसर को बढ़ाएगी ।

हरीश चंद्र अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन

- हरीश चंद्र अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन 18 अक्टूबर 2024 को बेसिक साइंसेज स्कूल में किया गया। इसका उद्देश्य गणित और सैद्धांतिक भौतिकी में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना है। यह केंद्र बीजगणित, संख्या सिद्धांत (Number Theory), स्ट्रिंग थ्योरी (String Theory), क्वांटम फील्ड थ्योरी (Quantum Field Theory) और ब्रह्मांड विज्ञान (Cosmology) जैसे क्षेत्रों में मूलभूत अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। भौतिकी और गणित के छात्रों द्वारा हरिश चंद्र व्याख्यान श्रृंखला के तहत प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के व्याख्यान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

एआईसीटीई आइडिया लैब, ड्रोन इनोवेशन लैब, रोबोटिक्स इनोवेशन लैब की स्थापना

- सीएसजेएम विश्वविद्यालय में ₹90 लाख की परियोजना लागत से एआईसीटीई आइडिया (Idea Development, Evaluation, and Application) लैब को 10 फरवरी 2025 को मंजूरी दी गई है और एआईसीटीई आईडिया लैब का उद्घाटन 28 मार्च 2026 को किया गया।। नवाचार के केंद्र के रूप में परिकल्पित यह लैब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) क्षेत्रों में व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करेगी और छात्रों को उनके विचारों को वास्तविक दुनिया के समाधानों में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगी। केंद्रीय कार्यशाला भवन में स्थित यह लैब न केवल विश्वविद्यालय के छात्रों, बल्कि आस-पास के स्कूलों और संस्थानों को भी सेवाएँ प्रदान करेगी, जिससे क्षेत्रीय नवाचार और सहयोग को सशक्त रूप से बढ़ावा मिलेगा।

- वर्ष 2026 में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में IDEA लैब के साथ-साथ रूस के सहयोग से ड्रोन इनोवेशन लैब (Drone Innovation Lab) तथा रोबोटिक्स इनोवेशन लैब (Robotics Innovation Lab) की स्थापना की गई।

विश्वविद्यालय परिसर में शोध पीठ की स्थापना

- पिछले पाँच वर्षों में विश्वविद्यालय परिसर में आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ, श्रीमद् भगवद् गीता एवं वैदिक वाङ्मय शोध पीठ तथा गुरु तेग बहादुर साहिब सिख शोध पीठ जैसे विशिष्ट केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में 'सेंटर फॉर वेलनेस' का गठन

- सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर में 'सेंटर फॉर वेलनेस' की स्थापना विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है, जिसमें उनके भावनात्मक, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह केंद्र परामर्श सेवाओं, जीवन-कौशल प्रशिक्षण, तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों तथा Emotional Well-being and Life Management जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक सहायक और सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है। आत्म-जागरूकता, संतुलित जीवनशैली और मानसिक दृढ़ता को विकसित करते हुए, यह केंद्र विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुदृढ़ बनाता है तथा उन्हें शैक्षणिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित पहलें

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक तंत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के एकीकृत एवं दूरदर्शी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। AI को शिक्षा, शासन और उद्योग के भविष्य को प्रभावित करने वाली एक परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में स्वीकार करते हुए, विश्वविद्यालय ने स्वयं को एक पूर्णतः AI-सक्षम परिसर के रूप में विकसित करने के लिए संगठित प्रयास प्रारम्भ किए हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, डिजिटल इंडिया (Digital India) और स्किल इंडिया (Skill India) जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है तथा एक तकनीकी रूप से सशक्त और नवाचार-प्रधान समाज के निर्माण में योगदान देती है।

शिक्षा एवं पाठ्यक्रम में AI

विश्वविद्यालय की प्रमुख पहलों में से एक “AI for All” पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र को, उसकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि से स्वतंत्र होकर, AI का प्राथमिक ज्ञान प्रदान करना है। AI को विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक छात्रों के लिए अनिवार्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम के रूप में लागू किया गया है। पिछले दो वर्षों में बी.ए., बी.एससी. एवं बी.कॉम. के 3.8 लाख से अधिक छात्रों ने इन पाठ्यक्रमों में भाग लिया है, जो इसे विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित सबसे बड़े AI साक्षरता अभियानों में से एक बनाता है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023–24 एवं 2024-25 के दौरान 2.4 लाख से अधिक छात्रों को साइबर सुरक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम भी पढ़ाया गया है।

विश्वविद्यालय AI के क्षेत्र में कई विशेष शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है, जिनमें बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) (2022–23 से) तथा एम.एससी. (गणित) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस विशेषज्ञता (2025–26 से) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बी.टेक के सभी विद्यार्थियों के लिए मशीन लर्निंग (Machine Learning) का अनिवार्य पाठ्यक्रम भी सम्मिलित किया गया है। विभिन्न विषयों में AI के अंतःविषय उपयोग को बढ़ावा देने के लिए AI for Creative Writing, AI for Social Sciences, AI for Commerce तथा AI for Science जैसे पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किए गए हैं।

AI प्रोत्साहन प्रकोष्ठ का गठन

AI से संबंधित पहलों के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय ने एक AI प्रोत्साहन प्रकोष्ठ (AI Promotion Cell) का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ AI पहलों की योजना, समन्वय और कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है। इसके प्रमुख कार्यों में शिक्षकों की AI दक्षता का संवर्धन, AI आधारित शोध को प्रोत्साहन, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में AI टूल्स का समावेशन एवं क्रियान्वयन तथा AI आधारित डिजिटल समाधानों का विकास शामिल है। इन सभी गतिविधियों का संचालन CAM-AI (Campus Advancement Mission for Artificial Intelligence) योजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण

- CSJMU ने छात्रों एवं शिक्षकों के लिए AI में क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। पूर्व पहल के अंतर्गत 1,477 अंतिम वर्ष के छात्रों को E&ICT अकादमी, IIT कानपुर (2022–23) के सहयोग से AI, मशीन लर्निंग एवं डेटा साइंस में प्रशिक्षित एवं प्रमाणित किया गया। इसके अतिरिक्त, 151 छात्रों ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से डेटा साइंस एवं एक्सेल प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में, वर्ष 2022–23 में 426 शिक्षकों को IIT कानपुर के सहयोग से आयोजित Faculty Development Programmes (FDPs) के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। हाल ही में, वर्ष 2025–26 में 206 संकाय सदस्यों को Gignaati के सहयोग से Agentic AI में प्रशिक्षित किया गया है, जो उन्नत AI के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यशालाएँ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं, जिनमें जनवरी 2026 में NVIDIA DGX सुपरकंप्यूटिंग प्रणाली पर 15-दिवसीय FDP, फरवरी 2026 में 7-दिवसीय AI इनोवेशन कार्यशाला, मार्च 2026 में जैविक अनुसंधान में AI पर कार्यशाला, तथा अप्रैल 2026 में “Artificial Intelligence: From Vision to Working Systems” विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, AI Pragya जैसी पहल के माध्यम से विशेष रूप से छात्राओं सहित व्यापक स्तर पर AI प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सुपरकंप्यूटिंग एवं AI अवसंरचना

विश्वविद्यालय ने AI अवसंरचना के विकास में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है। वर्ष 2024–25 में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU) के सहयोग से Artificial Intelligence and Advanced Data Science Centre की स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त, पीएम-यूएसएचए (PM-USHA) योजना के अंतर्गत ₹7.5 करोड़ के अनुदान से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित शिक्षा के लिए NVIDIA समर्थित एक अत्याधुनिक सुपरकंप्यूटिंग हब की स्थापना की । यह सुविधा केवल कुछ ही भारतीय विश्वविद्यालयों में उपलबध है , इसे विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं के लिए सामूहिक संसाधन के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो जीनोम अनुक्रमण, औषधि खोज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित चिकित्सा इमेजिंग और वित्तीय पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक कार्य को सक्षम बनाता है। साथ ही, उद्योग साझेदारियों के माध्यम से छात्रों को डेटा साइंस एवं एनालिटिक्स टूल्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

नवाचार एवं उद्यमिता

CSJMU की AI पहलों में नवाचार एवं उद्यमिता एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। CSJM Innovation Foundation (CSJMIF) के माध्यम से विश्वविद्यालय स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहा है तथा छात्रों को वास्तविक समस्याओं के समाधान हेतु AI आधारित परियोजनाएँ विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। हैकाथॉन, नवाचार प्रतियोगिताएँ एवं अंतःविषय परियोजनाएँ छात्रों को रचनात्मकता एवं उद्यमिता कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

प्रशासन एवं शासन में AI

शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय अपने प्रशासनिक एवं शासन तंत्र में भी AI का उपयोग बढ़ा रहा है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में दक्षता, पारदर्शिता एवं त्वरित निर्णय-निर्माण सुनिश्चित करने के लिए AI आधारित टूल्स के उपयोग पर कार्य किया जा रहा है। प्रस्तावित पहलों में छात्र सेवाओं हेतु AI आधारित चैटबॉट, नियमित कार्यों का स्वचालन, तथा डेटा आधारित निर्णय प्रणाली शामिल हैं।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की AI पहलें उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक व्यापक एवं परिवर्तनकारी प्रयास हैं। शैक्षणिक, शोध, नवाचार एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में AI के समेकित उपयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय एक भविष्य-उन्मुख पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण, सुदृढ़ अवसंरचना एवं रणनीतिक सहयोग के माध्यम से CSJMU स्वयं को AI-आधारित उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित कर रहा है तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

शोध कार्य एवं परियोजनाएं

पिछले पाँच वर्षों में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (CSJMU) ने शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए स्वयं को एक उभरते हुए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया है। "ज्ञान से नवाचार और शोध पत्रों से उत्पाद तक" की दृष्टि के साथ विश्वविद्यालय ने एक सशक्त, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख शोध तंत्र विकसित किया है, जो अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सामाजिक एवं औद्योगिक प्रासंगिकता को भी सुनिश्चित करता है।

विश्वविद्यालय में Research & Development Cell (RDC/URD) के माध्यम से शोध प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करते हुए एक प्रभावी single-window support system विकसित किया गया है, जिससे शिक्षकों एवं शोधार्थियों को प्रशासनिक एवं अकादमिक सहयोग एकीकृत रूप में प्राप्त हो रहा है। पीएच.डी. कार्यक्रमों का नियमित एवं पारदर्शी संचालन, प्रवेश प्रक्रिया में सुधार, तथा शोधार्थियों के डेटा का डिजिटलीकरण एवं ऑनलाइन प्रबंधन प्रणाली ने शोध प्रशासन को अधिक सक्षम एवं सुगम बनाया है। वर्ष 2021 के पश्चात 1200 से अधिक शोधार्थियों का नामांकन इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय में शोध के प्रति निरंतर आकर्षण एवं विश्वास बढ़ा है।

शोध संरचना के विस्तार के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में 14 शोध केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 43 संबद्ध महाविद्यालयों को शोध केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है, जिससे शोध गतिविधियों का विकेंद्रीकरण एवं व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई है। साथ ही, विश्वविद्यालय ने शोध निर्देशन क्षमता को सुदृढ़ करते हुए वर्तमान में कुल 2063 शोध पर्यवेक्षकों (Supervisors) का एक मजबूत एवं अनुभवी आधार विकसित किया है, जो विभिन्न विषयों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

CSJMU की विशिष्टता इसकी समग्र एवं संतुलित शोध दृष्टि में निहित है। एक ओर जहाँ विश्वविद्यालय में Hindu Studies, Indian Knowledge Systems (IKS) एवं भारतीय भाषाओं जैसे पारंपरिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर गहन शोध किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर Artificial Intelligence, Quantum Technologies, Post-Quantum Cryptography एवं Cybersecurity जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्य संचालित हो रहे हैं। यह परंपरा एवं आधुनिकता का समन्वय विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान को परिभाषित करता है।

शोध प्रकाशनों के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने निरंतर प्रगति दर्ज की है। संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा प्रतिष्ठित एवं सूचीबद्ध (indexed) जर्नलों, पुस्तकों एवं सम्मेलन शोध पत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है, जिससे विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक दृश्यता सुदृढ़ हुई है। विश्वविद्यालय ने शोध की गुणवत्ता एवं नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनिवार्य plagiarism जाँच प्रणाली, मानव नैतिकता समिति का गठन, तथा Research Methodology, Academic Integrity एवं Publication Ethics पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू किया है। RDC एवं RAC जैसे तंत्रों के माध्यम से शोध कार्यों की निरंतर निगरानी एवं मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे एक उत्तरदायी एवं उच्च-स्तरीय शोध संस्कृति का निर्माण हुआ है।

शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय ने C.V. Raman Scheme एवं CAM-AI Research Projects Scheme जैसी अभिनव पहलों को प्रारंभ किया है। इन योजनाओं के माध्यम से अनुप्रयोग-आधारित, अंतर्विषयक एवं समाजोपयोगी अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो "Papers to Products" की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शोध अवसंरचना के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, Research & Development Portal का विकास तथा 10,000 से अधिक शोध प्रबंधों के डिजिटल रिपॉजिटरी का निर्माण कर शोध गतिविधियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। ICT आधारित संसाधनों, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली एवं उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी ने शोध कार्यों को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ बनाया है।

विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति के संवर्धन हेतु संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिससे शोधकर्ताओं में नवाचार, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं अंतर्विषयक दृष्टिकोण का विकास हुआ है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ स्थापित सहयोग एवं समझौते विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार को वैश्विक आयाम प्रदान कर रहे हैं।

A New Era of Academic Research: Vision & Infrastructure

The Research Ecosystem at Scale

1,200+ PhD Scholars & 2,063 Supervisors
A massive mentorship network supporting over 1,200 enrolled doctoral researchers.

57 Specialized Research Centers
Infrastructure includes 14 dedicated university centers and 43 affiliated research hubs.

Single-Window RDC/URD Support
A streamlined administrative system providing unified support for all research activities.

Innovation & Infrastructure

AI, Quantum, and Indian Heritage
Research focus spans frontier sciences and Indian Knowledge Systems (IKS).

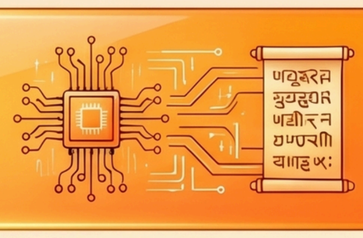

Dedicated Innovation Schemes
Featuring specialized programs like the C.V. Raman and CAM-AI research initiatives.

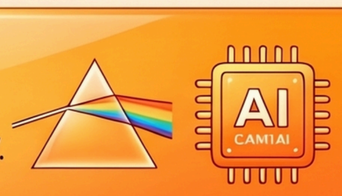

10,000+ Digital Thesis Repository
Comprehensive ICT infrastructure offering access to over 10,000 digital research documents.

शोधार्थियों में वृद्धि

इस वर्ष सीएसजेएम विश्वविद्यालय में शोध नामांकन में उत्साहजनक वृद्धि देखी गई, जिसमें 400 से अधिक नए पीएचडी शोधार्थी विश्वविद्यालय से जुड़े। इनमें से लगभग 100 छात्र परिसर में ही अपना शोध कार्य कर रहे हैं, जिससे एक गतिशील और सहयोगात्मक शोध पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो रहा है। इस वर्ष 52 जेआरएफ/एसआरएफ फेलो नियुक्त किए गए और कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन भी सफलतापूर्वक किया गया, जिससे युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य निरंतर जारी है। शोधार्थियों की संख्या में वृद्धि का सीधा प्रभाव प्रकाशनों और पेटेंट आवेदनों में भी देखने को मिला है।

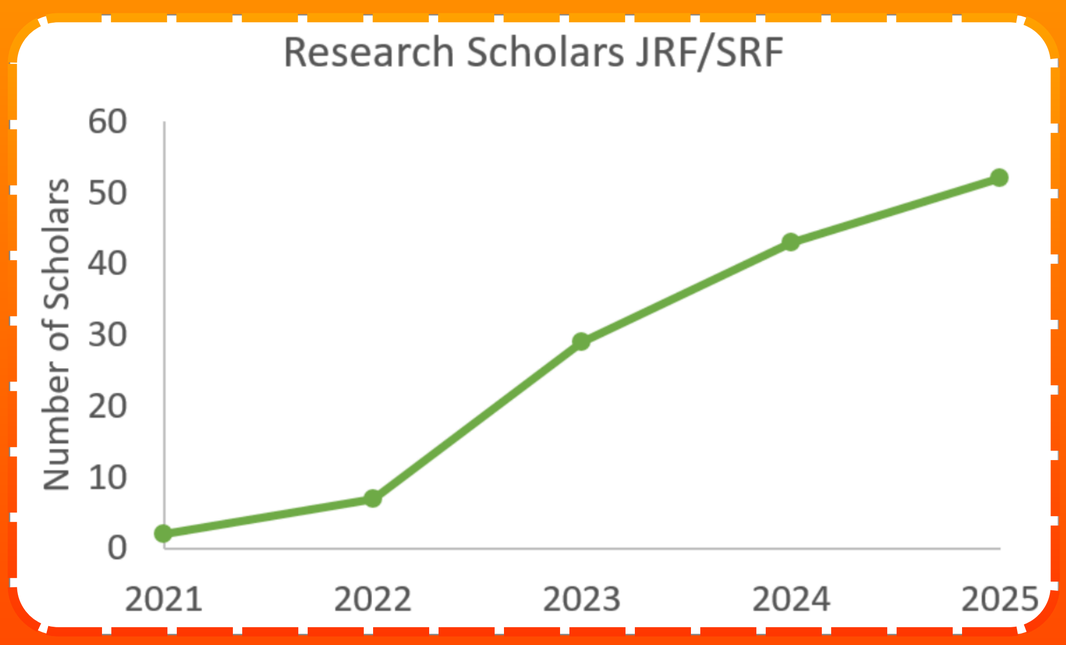

प्रकाशनों में वृद्धि

परिसर में शोध कार्यों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। जहाँ 2021 में केवल 38 शोध पत्र प्रकाशित हुए थे, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 65, 2023 में 78, 2024 में 102 और 2025 में 135 शोध पत्र तक पहुँच गई — जिससे चार वर्षों में कुल 255% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ये शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंडेक्स्ड जर्नल में प्रकाशित हुए, जो हमारे अध्यापकों और छात्रों के परिश्रम और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक हैं।

वर्ष 2024–25 के शोध प्रकाशनों के स्रोतों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि विश्वविद्यालय के शोध कार्य विविध अकादमिक माध्यमों में व्यापक रूप से प्रकाशित हुए हैं, जिनमें 368 जर्नल प्रकाशन, 153 पुस्तकें, 58 कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स तथा 36 बुक सीरीज शामिल हैं। ओपन एक्सेस श्रेणी में भी उल्लेखनीय योगदान रहा है, जिसमें 189 ऑल ओपन एक्सेस, 136 गोल्ड, 23 हाइब्रिड गोल्ड, 23 ब्रॉन्ज तथा 83 ग्रीन प्रकाशन सम्मिलित हैं।

उद्धरणों (Citations) की संख्या और एच-इंडेक्स में उल्लेखनीय वृद्धि

विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 20 से बढ़कर 28 हो गया है, जो इसके शोध कार्यों के व्यापक वैश्विक प्रभाव तथा शिक्षकों और शोधार्थियों के योगदान को मिली स्वीकृति और प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उद्धरण (Citations) की संख्या में निरंतर उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021 में 73 से बढ़कर 2022 में 406, 2023 में 934 तथा 2024 में यह संख्या 1819 तक पहुँच गई। वर्ष 2025 में उद्धरणों की संख्या बढ़कर 2773 हो गई। वर्ष 2026 में भी, अभी कई माह शेष होने के बावजूद, उद्धरणों की संख्या 990 तक पहुँच चुकी है, जो निरंतर प्रगति का संकेत है।
वर्ष 2021 से 2026 के बीच विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को प्राप्त कुल उद्धरणों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो विश्वविद्यालय के बढ़ते शोध प्रभाव एवं अकादमिक उत्कृष्टता को दर्शाती है।

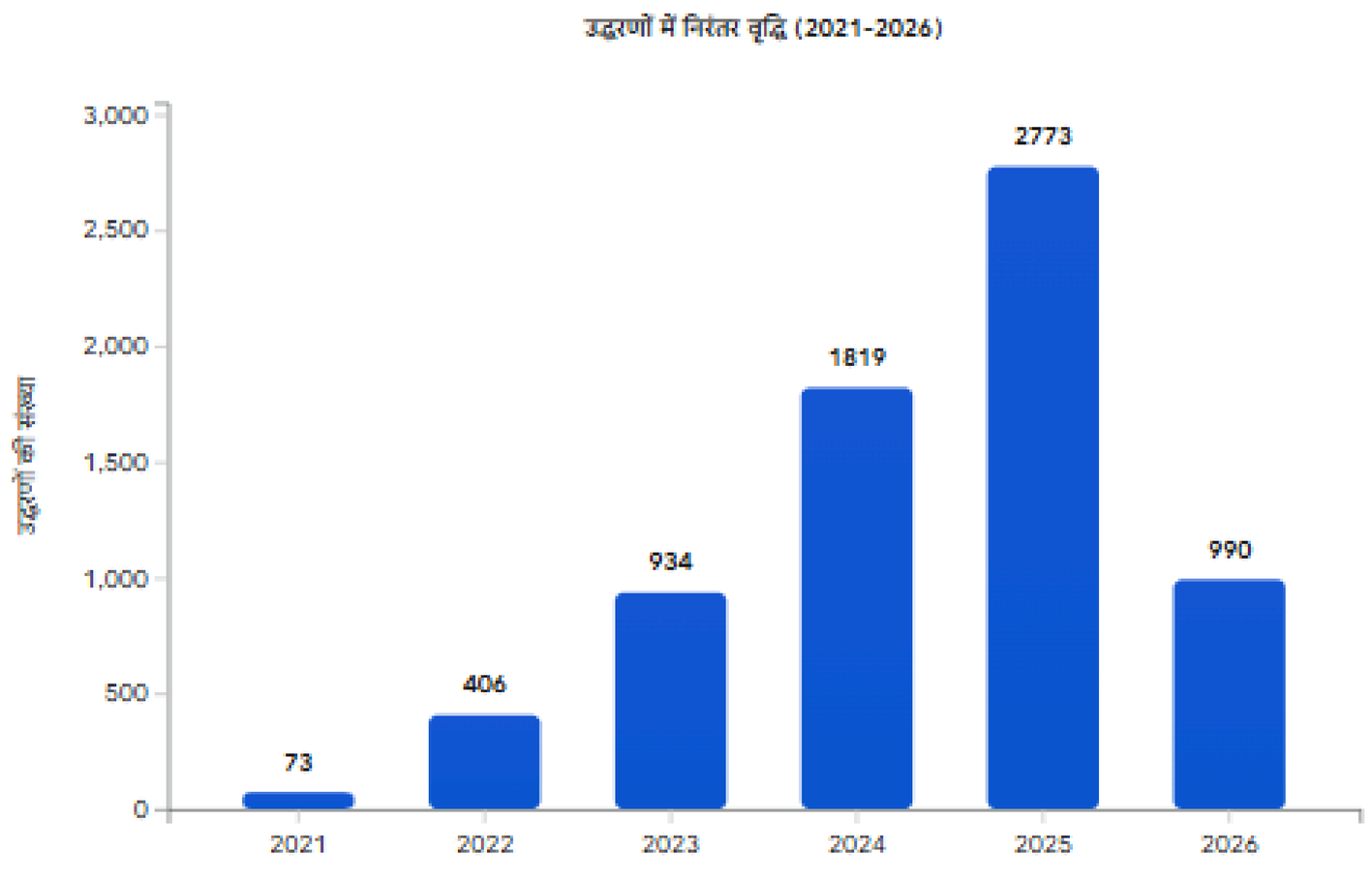

नोट: वर्ष 2026 के आँकड़े आंशिक हैं

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) के माध्यम से पहुँच का विस्तार

सरकार की महत्वाकांक्षी "वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन (ONOS)" योजना में हमारी सहभागिता ने पूरे सीएसजेएम विश्वविद्यालय को एक नई दिशा प्रदान की है। अब शिक्षक, शोधकर्ता और छात्र जर्नल, पुस्तकें और डेटाबेस सहित, डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ उठा रहे हैं। इस योजना ने सदस्यता शुल्क जैसी बाधाओं को समाप्त करते हुए गुणवत्तापूर्ण संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित की है, जिससे प्रत्येक शोधार्थी को विश्व-स्तरीय शोध गतिविधियों में संलग्न होने का सुगम अवसर प्राप्त हो रहा है।

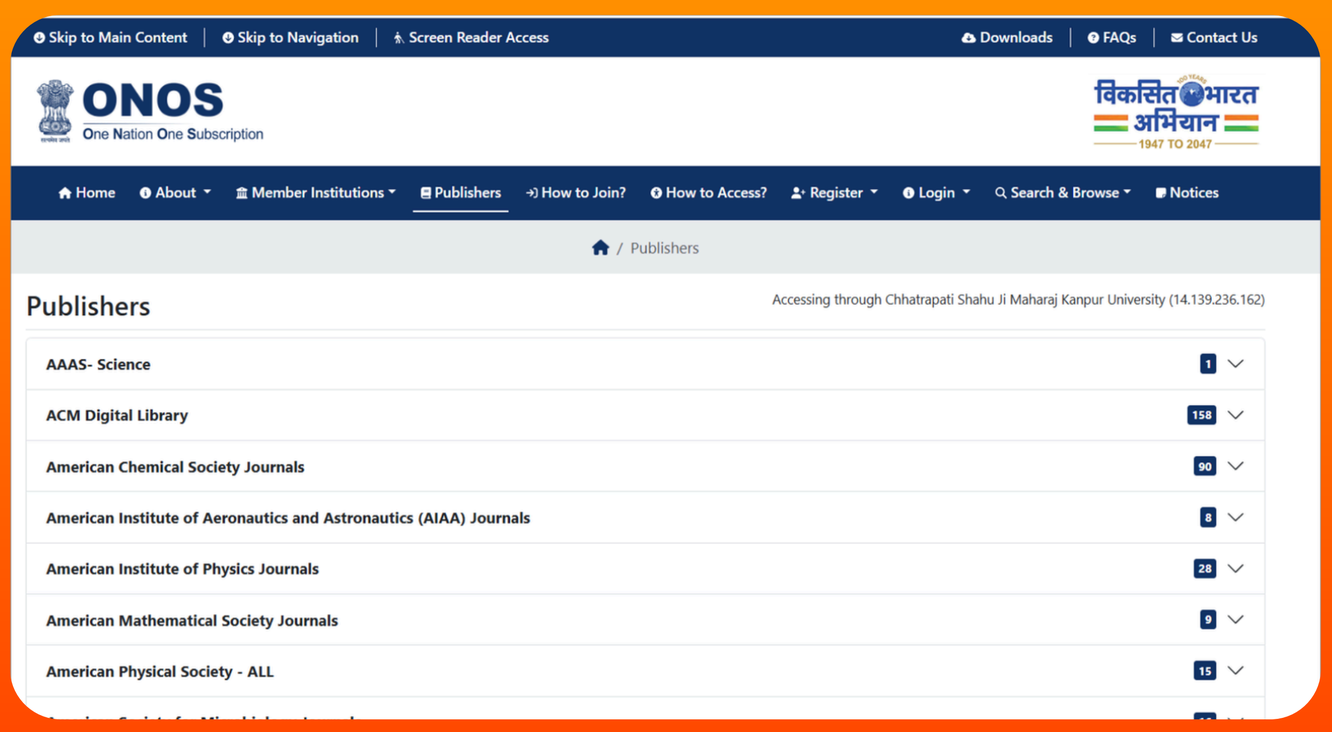

प्रोजेक्ट्स एंड रिसोर्स जनरेशन

विश्वविद्यालय ने बाह्य वित्तपोषित परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। एनआरएफ, डीएसटी, डीबीटी, यूपीसीएसटी, यूपी-सीओई एवं यूपी-आरएंडडी जैसी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संस्थाओं से प्राप्त सहयोग से संचालित ये परियोजनाएँ न केवल हमारे संकाय के शैक्षणिक एवं शोध कौशल को सशक्त करती हैं, बल्कि समाज और उद्योग द्वारा सामना की जा रही महत्वपूर्ण चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने में भी सक्षम बनाती हैं।

राष्ट्रीय मान्यता

एएनआरएफ-पीएआईआर अनुदान यह वर्ष सीएसजेएम विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया, जब विश्वविद्यालय ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से प्रतिष्ठित एएनआरएफ–पेयर (PAIR) कैटेगरी बी अनुदान प्राप्त किया। यह परियोजना एक्सोसोम बायोलॉजी और उन्नत बायोसेंसिंग प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कैंसर अनुसंधान पर केन्द्रित है। जीवन विज्ञान को सेमीकंडक्टर इंजीनियरिंग के साथ एकीकृत करते हुए, यह पहल कैंसर बायोमार्कर की शीघ्र पहचान और निगरानी हेतु नवीन डायग्नोस्टिक प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने का उद्देश्य रखती है। इस परियोजना का

नेतृत्व डॉ. अनुराधा कलानी कर रही हैं, जिनके साथ स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी के डॉ. शिल्पा डी. कैस्था, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. चन्द्रेश शर्मा तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. विशाल अवस्थी और डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव की उत्कृष्ट बहुविषयक टीम कार्यरत है।

2024-25 में प्राप्त अनुसंधान अनुदान

- वर्ष 2024-25 के दौरान, विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश अनुसंधान एवं विकास योजना के अंतर्गत सात अनुसंधान परियोजनाएँ प्राप्त हुईं, जिनकी कुल स्वीकृत राशि 23.43 लाख रुपये थी। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश-सीएसटी योजना के अंतर्गत 33.72 लाख रुपये के दो अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त हुए ।
- डॉ. दीपेश वर्मा को फोटोरिसेप्टर जीव विज्ञान और रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा पर उनके अध्ययन के लिए 60 लाख रुपये का प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान (एएनआरएफ-ईसीआरजी) प्राप्त हुआ ।
- आईसीएसएसआर से डॉ. अंकित त्रिवेदी तथा डीबीटी – सामाजिक विकास कार्यक्रम से डॉ. राजीव मिश्रा को अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ ।
- डॉ. अंशु सिंह को एआईयू (AIU) से 2 लाख रुपये के अनुदान के साथ एक शोध परियोजना प्राप्त हुई, जो उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बहु-विषयक प्रभावों पर केंद्रित है।
- डॉ. नमिता तिवारी को C3iHUB से ₹10 लाख के अनुदान सहित एक शोध परियोजना प्राप्त हुई, जो विभिन्न डिजिटल हस्ताक्षर योजनाओं के डिजाइन और विश्लेषण पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय एजेंसियों से जारी अनुसंधान अनुदान

- सीएसजेएमयू के शोधकर्ता डीएसटी, डीबीटी, यूपीसीएसटी, एसईआरबी और राज्य विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्कृष्टता (SURE) योजनाओं के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं पर सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।
- विश्वविद्यालय को डीएसटी-एफआईएसटी से प्राप्त ₹1.75 करोड़ का महत्वपूर्ण अनुदान के माध्यम से हरगोबिंद खुराना सेंटर फॉर लाइफ साइंस रिसर्च की स्थापना की गई। यह अत्याधुनिक केंद्र बायोमैटेरियल्स, नैनोटेक्नोलॉजी तथा जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में उच्च स्तरीय अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगा।
- राज्य विश्वविद्यालय अनुसंधान योजना (SURE) के अंतर्गत डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 28.92 लाख रुपये की तीन वर्षीय परियोजना (2024–2027) स्वीकृत की गई। इस परियोजना का उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर ट्रांसलेशनल रिसर्च को सशक्त बनाना तथा विश्वविद्यालय में इम्यूनोलॉजी एवं चिकित्सीय विकास में उन्नत प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराना है।

- डॉ. प्रमोद यादव को प्रतिष्ठित डीबीटी रामलिंगास्वामी री-एंट्री फेलोशिप प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत 2020–2025 की अवधि के लिए ₹1,13,60,000 का अनुदान स्वीकृत हुआ है।
- मोटर प्रोटीन डायनेमिक्स की आधार पर केंद्रित डॉ. अखिलेंद्र प्रताप भारती की शोध परियोजना (2023–2026) को भारत सरकार के डीएसटी-एसईआरबी द्वारा ₹49,17,070 का अनुदान प्रदान किया है।
- भारत सरकार के आईसीएसएसआर से प्राप्त ₹7,50,000 (2023–2025) के अनुदान के अंतर्गत डॉ. अंशु सिंह भारत की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं का डिजिटल अभिलेखन कर उन्हें व्यापक रूप से साझा करने हेतु वेब-आधारित मशीन लर्निंग पाइपलाइन तैयार कर रही हैं।
- डॉ. राचापुड़ी वेंकट श्रीहर्षा 2022–2027 की अवधि में डीएसटी-इंस्पायर फैकल्टी फेलोशिप के अंतर्गत स्वीकृत ₹37,74,755 के अनुदान से संचालित परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं।
- इसके अतिरिक्त, दो संकाय सदस्यों द्वारा बाह्य संसाधन प्राप्त किए गए, जिसमें प्रो. वर्षा गुप्ता को लैपटॉप क्रय हेतु लगभग ₹1.5 लाख तथा डॉ. राजीव मिश्रा को ₹90,000 प्राप्त हुए।

राज्य एवं विश्वविद्यालय अनुदानित शोध परियोजनाएँ

- यू.पी. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) योजना के अंतर्गत, सीएसजेएमयू ने वर्ष 2022–23 में 89.55 लाख रुपये तथा वर्ष 2024–25 में 27.45 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त की। यह अनुदान वर्ष 2022–23 में 21 परियोजनाओं को तथा वर्ष 2024–25 में 6 परियोजनाओं हेतु प्रदान किए गए।
- वर्ष 2022–25 के बीच यूपी आर एंड डी योजना के तहत कुल 16 परियोजनाओं को ₹41,07,600 के अनुदान के साथ स्वीकृत किया गया। ये परियोजनाएँ एप्लाइड साइंसेज, एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी एवं मैटेरियल्स रिसर्च के क्षेत्रों में हैं।
- सी. वी. रमन अनुसंधान अनुदान विश्वविद्यालय की एक आंतरिक अनुसंधान सहयोग योजना है, जो प्राध्यापकों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध के लिए प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। वर्ष 2022–2024 के बीच विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कुल 109 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई, जिनके लिए कुल अनुदान राशि ₹79,35,000 थी। इस प्रकार अनुदान स्वीकृत किए गए: वर्ष 2022 में 45 अनुदान (₹35,65,000), वर्ष 2023 में 38 अनुदान (₹23,15,000) और वर्ष 2024 में 26 अनुदान (₹20,55,000)।
- नवीन सी. वी. रमन अनुसंधान अनुदान का शुभारंभ (14 अगस्त, 2025): अनुसंधान को सशक्त बनाने, अंतर्विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने तथा नवाचार को रूपांतरणीय एवं उत्पाद-उन्मुख परिणामों की दिशा में अग्रसर करने हेतु, सीएसजेएमयू ने सी. वी. रमन योजना का पुनर्गठन किया है। इस नवीनीकृत योजना के तहत अब प्राध्यापकों को छोटे अनुदान (₹2 लाख तक) और बड़े अनुदान (₹5 लाख तक) प्रदान किए जाते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण शोध कर सकें और आधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित कर सकें। इससे विश्वविद्यालय को नवाचार और ज्ञान सृजन का केंद्र बनाने में सहायता मिल रही है।
- अद्यतन उपलब्धियाँ: सितम्बर 2025 के बाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को विभिन्न बाह्य एजेंसियों से भी अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुए हैं। डॉ. मानस, डॉ. तनुजा, डॉ. हिमांशु त्रिवेदी एवं डॉ. किरण झा को आईसीएसएसआर (ICSSR) से अनुदान प्राप्त हुआ। डॉ. आलोक को एएनआरएफ (ANRF) से लगभग ₹17 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ तथा डॉ. श्रीहर्षा को डीबीटी (DBT) से अनुसंधान सहायता प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट के अंतर्गत उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से लगभग ₹61 लाख का अनुदान भी प्राप्त हुआ।
- विश्वविद्यालय द्वारा अपने परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु सी. वी. रमन मेजर, माइनर एवं सीड ग्रांट्स के अंतर्गत कुल लगभग ₹1.2 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। यह पहल विश्वविद्यालय में अनुसंधान को सुदृढ़ एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

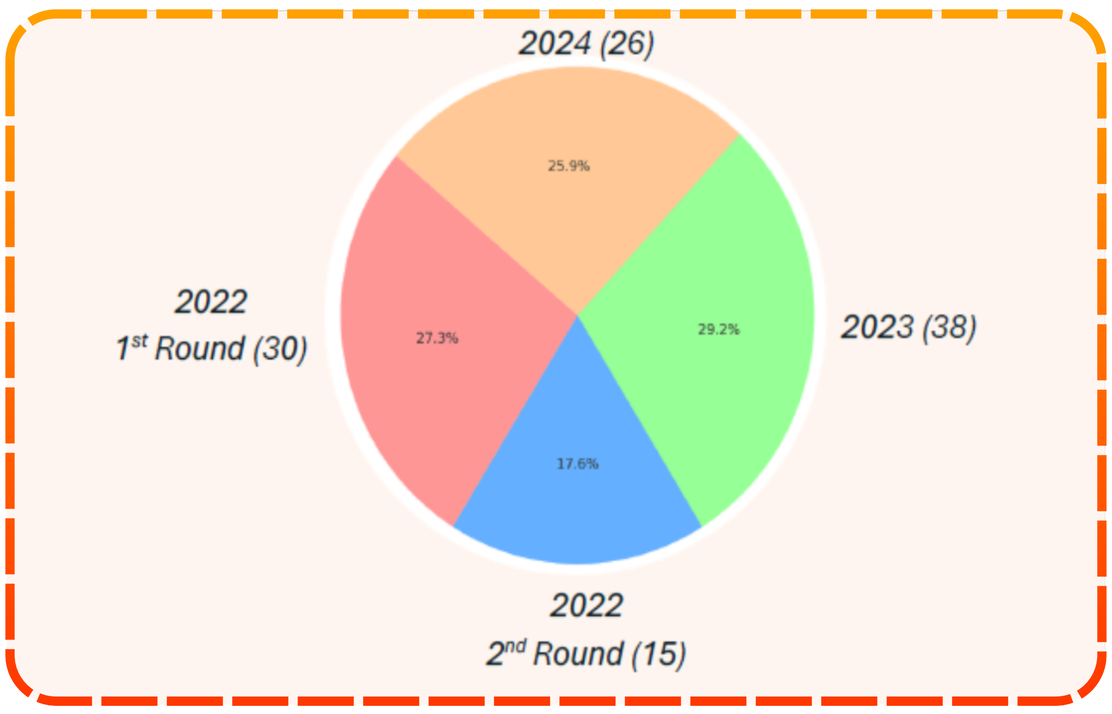

CSJMU में समर्थ (Samarth) पोर्टल

समर्थ पोर्टल भारत सरकार द्वारा विकसित एक ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों की प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाना है। Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJMU) में समर्थ पोर्टल का सफलतापूर्वक उपयोग करते हुए कई शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है।

मुख्य उपलब्धियां एवं विशेषताएं

सरल एवं पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया

शैक्षणिक सत्र 2024–25 एवं 2025–26 के प्रवेश सफलतापूर्वक समर्थ पोर्टल के माध्यम से सम्पन्न किए गए, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनी।

परीक्षा एवं परिणाम प्रणाली

सत्र 2024–25 की परीक्षाएं पोर्टल के माध्यम से आयोजित की गईं तथा परिणाम ऑनलाइन घोषित किए गए, जिससे विद्यार्थियों को त्वरित और सुविधाजनक सेवा मिली।

डिजिटल प्रमाण पत्र सेवाएं

अब छात्र आसानी से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं:

माइग्रेशन सर्टिफिकेट

प्रोविजनल सर्टिफिकेट

इससे उन्हें अनावश्यक देरी और परेशानी से मुक्ति मिली है।

उन्नत प्रिंटिंग सुविधाएं

समर्थ पोर्टल के माध्यम से अब:

मार्कशीट प्रिंटिंग

सीक्रेट चार्ट प्रिंटिंग

बल्क डिग्री प्रिंटिंग

जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे दस्तावेज़ प्रबंधन अधिक तेज और विश्वसनीय हुआ है।

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS)

LMS मॉड्यूल के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं:

- साइबर सिक्योरिटी
- AI for All (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)
- फाइनेंशियल लिटरेसी
- The Future of Work

इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र आधुनिक कौशल सीख रहे हैं, जो उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास में सहायक हैं।

उपस्थिति (Attendance) मॉनिटरिंग

समर्थ पोर्टल के जरिए कैंपस के छात्रों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जिससे अनुशासन और कक्षा में सहभागिता बढ़ी है।

इस ई-गवर्नेंस प्रणाली के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपनी प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया है, जिससे सभी हितधारकों को बेहतर सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

PMU द्वारा नई डिजिटल पहल

डुप्लीकेट मार्कशीट के लिए ऑनलाइन सुविधा

अब मेडिकल छात्र भी Student Faceless Portal के माध्यम से डुप्लीकेट मार्कशीट के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और छात्र-हितैषी बनी है।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का डिजिटलीकरण

पहले मेडिकल छात्रों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन ऑफलाइन होता था। अब इस प्रक्रिया को Document Verification Portal से जोड़ दिया गया है, जिससे दस्तावेज़ों का ऑनलाइन सत्यापन संभव हुआ है वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट सीधे पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है इस पहल ने पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल, सरल और प्रभावी बना दिया है।

SAMARTH Modules and Functionalities		
Module Group/ Category	**S.No.**	**Module**
Academics and Student Lifecycle	1	Programme Management
	2	Student
	3	Admissions
	4	Evaluation & Grading
	5	Hostel Management
	6	Convocation
	7	Alumni Portal
	8	Student feedback Management System
	9	Digital Certificates
	10	Training and Placement
	11	Managed LMS/VLE (Optional)
	12	Online Open Book Examinations (Optional)
Academics and Student Lifecycle	13	Online Proctored Examinations (Optional)
Employee Lifecycle	14	Employee Management System/HR (PIS)
	15	Recruitment
	16	Leave Management
	17	Payroll
	18	Knowledge Management System
	19	Carrer Advancement Scheme
	20	Training of Trainers (ToT) Management
Finance and Accounts	21	Inventory Management System
	22	Research Project Management System
	23	Budget and Accounts
	24	Bill Tracking System
Other Essential Services and Governance Modules	25	Core Messaging System
	26	Estate Management System
	27	Legal Case Management System
	28	RTI Management
	29	Health Facilities
	30	IT Service Desk (For University Computer Centre)
	31	Sports Facilities
	32	Minutes and Resolutions Archive and Retrieval System
	33	Fleet Management
	34	Content Federation System
	35	Essential Services
	36	Grievance Management
	37	Security Service Listing
	38	Endowment Portal
	39	Residential Accommodation Allocation & Management Optional
	40	Affiliation Management (Optional)
Base Modules	41	User Management
	42	Organizational Units
	43	Organigram

डिजिटल विश्वविद्यालय की तरफ लंबी छलांग

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने प्रौद्योगिकी केंद्रित शिक्षा, मजबूत अनुसंधान, पारिस्थितिकी तंत्र, संस्थागत विशिष्टता और सामंजस्यपूर्ण सामाजिक विविधता के वैश्विक मानकों में स्थायी उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करते हुए नए आयामों तक पहुँचने के लिए तेजी के साथ अग्रसर है।

वर्तमान तकनीकी युग में जैसे-जैसे शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हो रही है, वैसे-वैसे शिक्षा को वैज्ञानिक आधार देने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। शिक्षा की अवधारणा प्रमुखतः आधुनिकतम संकल्पना के रूप में समाज के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है। इसी क्रम में ज्ञान के संचय, प्रसार एवं विकास हेतु आधुनिक तकनीकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सभी सरकारें तथा उच्च शिक्षा विभाग अनेक बहुआयामी, चहुँमुखी व भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण से विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों को विश्वविद्यालयों के माध्यम से धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शासन के उद्देश्यों एवं कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के निर्देशन में समाज व शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन को साकार करने के लिए विश्वविद्यालयी कार्यों के शत-प्रतिशत कंप्यूटरीकरण हेतु अनेक डिजिटल पहलें की गई हैं।

डाटा डिजिटाइजेशन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने अपनी स्थापना से अब तक पंजीकृत सभी छात्रों के परीक्षा संबंधी आंकड़ों का पूर्ण डिजिटलीकरण कर लिया है।

एनईपी एवं गैर-एनईपी ईआरपी पोर्टल/समर्थ (SAMARTH) पोर्टल

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) एवं गैर-NEP से संबंधित सभी गतिविधियाँ—जैसे प्रवेश, परीक्षा प्रपत्र, परिणाम प्रक्रिया, ऑनलाइन परिणाम एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य—वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक ईआरपी पोर्टल्स के माध्यम से संचालित की गईं। वर्ष 2024-25 से, भारत सरकार के आदेशानुसार इन सभी गतिविधियों को समर्थ (SAMARTH) पोर्टल पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

स्टूडेंट फेसलेस सर्विसेज

संबद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने हेतु एक पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्र डिजिटल हस्ताक्षर युक्त अंकतालिका, उपाधि पत्र, अस्थायी प्रमाण पत्र, प्रवजन (Migration), डुप्लीकेट मार्कशीट एवं डिग्री जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज स्वयं डाउनलोड कर सकते हैं। अब तक लगभग एक लाख से अधिक छात्र इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन

एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा वेब पोर्टल प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से पूर्व छात्रों को जोड़ा जा रहा है तथा उन्हें करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। अब तक लगभग 15,000 से अधिक पूर्व छात्र इससे जुड़ चुके हैं।

ज्ञान-संचय पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक एवं ज्ञान संसाधनों के संचय हेतु "ज्ञान-संचय पोर्टल" विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर अब तक 13,500 से अधिक व्याख्यान (लेक्चर) अपलोड किए जा चुके हैं।

प्लेसमेंट पोर्टल

इस पोर्टल के माध्यम से विगत पाँच वर्षों में 11,890 से अधिक छात्र-छात्राओं को 68 से अधिक रोजगार मेलों एवं 480 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव्स के जरिए रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

नवाचार (इनोवेशन) पोर्टल

छात्रों में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु इस पोर्टल का निर्माण किया गया है। पिछले पाँच वर्षों में सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन ने 65 से अधिक स्टार्टअप्स को इन्क्यूबेट किया है तथा 25 से अधिक स्टार्टअप्स वर्तमान में प्री-इन्क्यूबेशन चरण में हैं।

ई-लाइब्रेरी

ऑनलाइन पुस्तकालय के लिए ई-पुस्तकालय एप उपलब्ध कराया गया है, जिसमें लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया गया है। छात्र इन्हें डाउनलोड कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

एनएएसी (NAAC) एप्लीकेशन

यह एप्लीकेशन NAAC SSR से संबंधित डाटा संग्रह एवं तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार करने में सहायता करता है।

बी.टेक काउंसलिंग एप्लीकेशन

यह एप्लीकेशन बी.टेक काउंसलिंग प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन संचालित करता है, जिसमें आवेदन से लेकर दस्तावेज सत्यापन एवं सीट आवंटन तक की प्रक्रिया शामिल है।

पीएच.डी. मॉड्यूल

यह मॉड्यूल पीएच.डी. प्रक्रिया को संचालित करता है, जिसमें प्रवेश, शुल्क भुगतान एवं रिपोर्ट्स ऑनलाइन उपलब्ध रहती हैं।

ऑनलाइन परीक्षाएँ

विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों को समर्थ पोर्टल के मूडल प्लेटफॉर्म लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) के माध्यम से डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई, प्रश्नपत्र अपलोड किए गए, क्विज और मिड-सेमेस्टर परीक्षाएँ सुरक्षित ब्राउज़र मोड का उपयोग कर आयोजित की गईं।

ऑनलाइन प्रैक्टिकल मॉड्यूल (एनईपी एवं गैर-एनईपी)

इस मॉड्यूल के माध्यम से प्रैक्टिकल से संबंधित सभी कार्य जैसे शिक्षक ड्यूटी, अंक प्रविष्टि एवं भुगतान ऑनलाइन किए जा रहे हैं।

डिजीलॉकर

छात्रों के अंकतालिका, प्रमाणपत्र एवं उपाधि पत्र को सुरक्षित रखने हेतु डिजीलॉकर सुविधा लागू की गई है।

डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली

उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु ऑनलाइन स्क्रीन मार्किंग (OSM) प्रणाली वर्ष 2021-22 से लागू की गई है, जिससे मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनी है।

ऑनलाइन मॉनिटरिंग

सीसीटीवी आधारित मॉनिटरिंग से नकलविहीन परीक्षा संचालन संभव हुआ है तथा परीक्षा की वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाती है।

शैक्षणिक सहभागिता एवं एमओयू में अभूतपूर्व वृद्धि

यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में सीएसजेएम विश्वविद्यालय ने शैक्षिक उपलब्धियों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। विश्वविद्यालय ने न केवल अपने परिसर में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने का कार्य किया है, बल्कि देश और प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग भी स्थापित किया है। उनकी उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता एवं शैक्षणिक दृष्टि को दृष्टिगत रखते हुए Association of Indian Universities (AIU) द्वारा उन्हें अध्यक्ष पद हेतु चयनित किया गया। वे इस महत्वपूर्ण दायित्व का अत्यंत कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं, जिससे विश्वविद्यालय को देशभर में एक विशिष्ट पहचान मिली है तथा अन्य विश्वविद्यालयों से जुड़ने के नए अवसर प्राप्त हुए हैं।

AIU के माध्यम से विश्वविद्यालयों के बीच सांस्कृतिक, अकादमिक, खेल एवं शोध जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाता है। इस प्रकार के सहयोग से छात्रों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को इंटर्नशिप, अनुसंधान भागीदारी, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के निर्माण, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा संयुक्त रूप से सेमिनार एवं सम्मेलन आयोजित करने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

- सारस एआई इंस्टीट्यूट (सारस), अमेरिका एवं स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 01.04.2026
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर एवं स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 30.03.2026
- फिनक्स एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 24.03.2026
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद एवं स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 14.03.2026
- सिंघानिया स्कूल/गणित एवं स्कूल ऑफ आफ बेसिक साइसेंज, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 17.02.2026
- ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड, कानपुर एवं स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 30.01.2026
- ओट्टोक्लिक प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 05.01.2026
- टेक्ट्रिक्ज़ इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 05.01.2026
- मेडियोटेक प्राइम सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 05.01.2026
- एनकॉमवोर्टेक्स आईओटी और तकनीकी समाधान एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 05.01.2026
- बालाजी एंटरप्राइजेज एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 30.12.2025
- ए डी इंटरप्राइजेज एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 30.12.2025
- श्री बालाजी उत्पाद एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 29.12.2025
- हाइड्रोलिक्स इंडिया एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 29.12.2025
- टेकफेस्ट आईआईटी बॉम्बे एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 22.12.2025
- जेडबीईई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 12.12.2025
- समृद्ध इम्पैक्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 06.12.2025
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर एवं स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 28.11.2025
- सिग्ना फार्मा प्राइवेट लिमिटेड एवं स्कूल आफ फार्मास्यूटिक्ल साइंसेज, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 06.10.2025

- आइडियललाइफ हेल्थ केयर लिमिटेड एवं स्कूल आफ फार्मास्यूटिक्ल साइंसेज, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर - दिनांक- 06.10.2025
- डिफेंस टेक्नोलॉजी एंड टेस्ट सेंटर (DTTC), DRDO, लखनऊ एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 12.09.2025
- महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 07.09.2025
- पल्सेस इनोवेशन हब (ICAR), कानपुर एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 05.09.2025
- डीआईईटी, कानपुर देहात एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 02.09.2025
- क्लाइम एग्रो एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 27.08.2025
- द मरक्योर (Accor Group) एवं स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट - दिनांक- 23.08.2025
- द सेंटर, लखनऊ एवं स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट - दिनांक- 13.08.2025
- होटल मर्क्योर, लखनऊ एवं स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट - दिनांक- 12.08.2025
- त्रिपाठी एयरोस्पेस एंड वेपन्स सिस्टम्स प्रा. लि. एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 05.08.2025
- HUB INHAFC फाउंडेशन एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 04.08.2025
- ALTAIR इंजीनियरिंग इंडिया प्रा. लि. एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 01.08.2025
- सीएम युवा मिशन, उत्तर प्रदेश सरकार एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 30.07.2025
- स्मार्टब्रेन्स इंजीनियर्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट प्राइवेट लिमिटेड एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 28.07.2025
- नौकरी कैंपस (Naukri.com) एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 23.07.2025
- इन्फ्लिबनेट, गांधीनगर एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 22.07.2025
- The Butcher's, कानपुर एवं स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट - दिनांक- 18.07.2025
- होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली एवं स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट - दिनांक- 15.07.2025
- फिनएक्स एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट - दिनांक- 11.07.2025
- कानपुर जिला जूडो एसोसिएशन एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 03.07.2025
- वेंचर मोजार्ट एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 28.06.2025
- नियामक प्रतिनिधि एवं प्रबंधक संघ (RRMA) एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 21.05.2025
- GIGANET (Smartians AI) एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 21.05.2025 ← (merged)
- LPSS इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 19.05.2025
- JK कैंसर इंस्टीट्यूट एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 19.05.2025
- IIT कानपुर एवं डिपार्टमेंट ऑफ फाइन आर्ट्स - दिनांक- 16.04.2025
- FFDC एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 05.04.2025
- IKIGAI School of AI एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 02.04.2025
- ज्योति बधिर विद्यालय एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 22.03.2025
- महेंद्रू अस्पताल / संकल्प स्कूल / अमृता क्लिनिक (क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग) - दिनांक- 18.03.2025
- • अमृता स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 17.03.2025
- • L&T EduTech एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 12.03.2025
- • F-Spin Nanotech एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 14.02.2025
- • CIPET एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 07.02.2025
- • अमर फार्मास्यूटिकल्स एंड लैब्स प्रा. लि. एवं सीएसजेएम विश्वविद्यालय - दिनांक- 29.01.2025
- • ई.सेल IIT कानपुर एवं सी0एस0जे0एम0, इनोवेशन फाउडेशन - दिनांक- 02.01.2025
- दिनांक 07 अगस्त 2024 को CSJMU और ISKCON के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए एम ओ यू का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में आने वाले छात्र छात्राओं को श्रीमद्भागवत गीता के संदेश के माध्यम से एक तनावमुक्त, नशामुक्त एवं सकारात्मक जीवन प्रदान करना है इस एमओयू के द्वारा विश्वविद्यालय के युवाओं हेतु नियमित रूप से श्रीमद्भागवत गीता पर आधारित विशेष सत्रों का आयोजन करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न समाज सेवी कार्य जैसे श्रीमद्भगवद्गीता वितरण, पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं विकास आदि की सकारात्मक पहल भी की जायेगी।

- 10 अगस्त 2024 को CSIMU, सी.एस.जे.एम. इनोवेशन फाउंडेशन और C3I HUB, IITK के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 19 मार्च 2023 को व्यवसाय प्रबंधन स्कूल और आईपीआर जागरूकता एवं नवाचार प्रोत्साहन मंच के मध्य आईपीआर जागरूकता एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 21 अप्रैल 2023 को अनुसंधान एवं संयुक्त जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन हेतु कानपुर प्लॉगर्स फाउंडेशन और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच समझौता हुआ।
- 21 अप्रैल 2023 को प्लास्टिक कचरे के निस्तारण एवं ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए ईपीआर रिसाइक्लर (श्री श्याम पैकेजिंग) और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- प्रशिक्षण एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से व्यवसाय प्रबंधन स्कूल द्वारा विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोगात्मक पहलें की गईं।
- 1 मई 2023 को व्यवसाय प्रबंधन स्कूल और आईपीआर जागरूकता से संबंधित संस्थानों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 31 मई 2023 को विश्वविद्यालय और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी के बीच समझौता हुआ, जिसके माध्यम से छात्रों को भारतीय भाषाओं पर शोध करने का अवसर प्राप्त होगा।
- 22 जून 2023 को जलवायु सुधारात्मक कार्यों हेतु एनर्जी स्वराज फाउंडेशन और सीएसजेएम विश्वविद्यालय (यूआईईटी) के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 26 जून 2023 को पृथ्वी विज्ञान विभाग, Indian Institute of Technology Kanpur द्वारा विश्वविद्यालय परिसर का ड्रोन सर्वेक्षण किया गया तथा दोनों संस्थानों के बीच सहयोग समझौता संपन्न हुआ।
- 18 जुलाई 2023 को विश्व की अग्रणी ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर कंपनी Red Hat Inc. और सीएसजेएम विश्वविद्यालय (यूआईईटी) के बीच समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने एवं उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना है।
- आईपी एवं टेक्नोलॉजी ट्रांसफर तथा व्यवसायीकरण गतिविधियों के लिए स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी और इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऑर्गनाइजेशन (IIT Delhi) के मध्य समझौता किया गया।
- 8 सितंबर 2023 को स्कूल ऑफ साइंसेस और प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 9 सितंबर 2023 को स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस और गायत्री परिवार के बीच समझौते के अंतर्गत संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक समन्वय स्थापित करते हुए स्वच्छ और सुंदर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग

अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं अकादमिक सहयोग प्रकोष्ठ (IRAC Cell), छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने माननीय कुलपति महोदय की प्रेरणा एवं आईआरएसी सेल के अधिष्ठाता महोदय के कुशल मार्गदर्शन में उल्लेखनीय प्रगति की है। सेल का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को आकर्षित करना तथा अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ करना है।

आईआरएसी सेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 07 विद्यार्थियों के स्थान पर 2025-26 में 36 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित हुआ। कुल 43 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 31 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में नामांकन लिया। यह वृद्धि विश्वविद्यालय की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहचान को दर्शाती है। साथ ही, आगामी सत्र 2026-27 के लिए अब तक 04 प्रवेश सुनिश्चित किए जा चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में आईआरएसी सेल ने महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए 19 अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoUs) स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, 19 एडमिशन/कंसल्टेंसी पार्टनर्स के साथ भी सहयोग स्थापित किया गया है, जिससे कुल 38 सक्रिय साझेदारियाँ विकसित हुई हैं। इन सहयोगों के माध्यम से छात्र विनिमय, संयुक्त शोध, इंटर्नशिप एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

सेल द्वारा वर्ष 2025–26 में कुल 31 शैक्षणिक, अंतरराष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इनमें अंतरराष्ट्रीय काउंसलिंग, विशेषज्ञ व्याख्यान, छात्र मीट, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वैश्विक आउटरीच गतिविधियाँ शामिल हैं। साथ ही, एम्बेसी एवं ICCR के साथ समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय की वैश्विक पहुँच को सुदृढ़ किया गया है। डिजिटल नवाचार के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रवेश पोर्टल का विकास भी प्रगति पर है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं सरल बनेगी।

समग्र रूप से, आईआरएसी सेल ने अपने सतत प्रयासों एवं सशक्त नेतृत्व के माध्यम से विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है और भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट उपलब्धियों की दिशा में अग्रसर है।

आईआरएसी सेल – प्रमुख उपलब्धियाँ

क्रम संख्या	उपलब्धि का क्षेत्र	विवरण
1	अंतरराष्ट्रीय प्रवेश (2024-25)	07 विद्यार्थी
2	अंतरराष्ट्रीय प्रवेश (2025-26)	36 विद्यार्थी
3	कुल पंजीकृत विद्यार्थी	43
4	कुल नामांकित (Reported)	31
5	2026-27 (प्रगति में प्रवेश)	4
6	अंतरराष्ट्रीय MoUs	20
7	अंतरराष्ट्रीय एडमिशन काउंसलिंग एवं गाइडेंस पार्टनर्स	19
8	कुल साझेदारियाँ	38
9	कुल आयोजित कार्यक्रम	31
10	देशवार विविधता	06 देश
11	प्रमुख गतिविधियाँ	काउंसलिंग, विशेषज्ञ व्याख्यान, छात्र मीट, सांस्कृतिक कार्यक्रम
12	अंतरराष्ट्रीय समन्वय	एम्बेसी, Study in India (SII) एवं ICCR के साथ सहयोग
13	डिजिटल पहल	अंतरराष्ट्रीय प्रवेश पोर्टल (विकासाधीन)
14	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	05 संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (भारत–रूस) 1. Russia India - 3 2. India – Kazakhstan – 1 3. India – Vietnam – 1 (To be held on 30th April 2026)
15	समिट्स में सहभागिता	07 अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा समिट्स
16	अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मेले	03 (Study in India, रॉयल भूटान एवं नेपाल के साथ)

आईआरएसी सेल ने विश्वविद्यालय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा निरंतर प्रगति के साथ अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विश्वविद्यालय ने 2024-25 और 2025-26 में विविध विषयों पर प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित करके शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक जुड़ाव की अपनी विरासत को जारी रखा। इन आयोजनों ने सामूहिक रूप से विश्वविद्यालय को ज्ञान आदान-प्रदान और वैश्विक सहयोग के केंद्र के रूप में स्थापित किया।
20 से अधिक देशों के शोधकर्ताओं, छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं सहित 3,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ, यह सम्मेलन सीएसजेएमयू की शैक्षणिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने के साथ-साथ प्रकाशनों, सहयोगात्मक परियोजनाओं और नीति-निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण निष्कर्षों के रूप में ठोस परिणाम भी सामने लाते हैं।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज़ इन लाइफ साइंसेज़ (ICALS-2026) – 12–14 मार्च, 2026 - तीन दिवसीय इस सम्मेलन का सफल आयोजन स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज़ एंड बायोटेक्नोलॉजी द्वारा किया गया। इसमें 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें CSIR, ICAR तथा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ शामिल थे। इसके प्रमुख विषयों में जीनोमिक्स, औषधि खोज, प्रिसिजन मेडिसिन तथा पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का समेकन शामिल था। सम्मेलन में भारत और विदेशों के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा मुख्य व्याख्यान और आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिनमें पादप प्रतिरक्षा, संरचनात्मक जीवविज्ञान, चयापचय मार्ग, जलवायु परिवर्तन, जैव-अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य विज्ञान जैसे विषय शामिल थे। तीन दिनों के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों, मौखिक प्रस्तुतियों और पोस्टर सत्रों (80 से अधिक पोस्टर) के माध्यम से शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को अपने कार्य प्रस्तुत करने और विचार-विमर्श करने का मंच प्राप्त हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2026: भारतीय कला में विविधता, निरंतरता और वैश्विक परिप्रेक्ष्य - 27–28 फरवरी 2026 - स्कूल ऑफ़ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फाइन आर्ट्स के संकाय सदस्यों की सक्रिय भूमिका एवं आयोजन समिति के समन्वय से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में देश-विदेश के विद्वानों, शोधार्थियों एवं कलाकारों सहित कुल 180 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में भारतीय कला की परंपरा, समकालीन परिदृश्य, सांस्कृतिक विविधता एवं वैश्विक प्रभावों पर गहन विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्रों के माध्यम से कला के विविध आयामों पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए, जिससे अकादमिक संवाद को नई दिशा मिली।

भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: 21वीं सदी में चुनौतियाँ और संभावनाएँ - 30-31 जनवरी 2026 - स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ द्वारा भारतीय भाषा समिति के सहयोग से दो-दिवसीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 12 राज्यों तथा 5 भाषाओं का प्रतिनिधित्व देखने को मिला सम्मेलन में विभिन्न सत्रों, पैनल चर्चाओं और शोध पत्र प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय भाषाओं, भाषा-विज्ञान, शिक्षा, अनुवाद एवं डिजिटल नवाचार के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने हिंदी, अंग्रेज़ी, बंगाली, उर्दू आदि भाषाओं में अपने शोध प्रस्तुत किए।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लॉ, टेक्नोलॉजी & सोसाइटी: इमर्जिंग इश्यूज़ एंड इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स - 22–23 अगस्त 2025 - अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, विधि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल गवर्नेंस जैसे विषयों पर चर्चा की गई। 128 शोधपत्रों और प्रमुख न्यायविदों द्वारा संचालित सत्रों के साथ, इस कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी की नैतिक और कानूनी दुविधाओं पर प्रकाश डाला गया।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच टू सस्टेनेबिलिटी: अ होलिस्टिक व्यू टुवर्ड द फ्यूचर - 29 अप्रैल 2025- स्कूल्स ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज और टीचर एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस एक दिवसीय सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 150 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। विषयों में सतत अर्थशास्त्र, वैश्विक नागरिकता के लिए शिक्षा, जलवायु परिवर्तन और स्वदेशी ज्ञान शामिल थे। पाँच वैश्विक विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने स्वच्छ ऊर्जा, पारिस्थितिक मॉडलिंग और सततता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपने विचार साझा किए।
इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल एनर्जी एंड एडवांस मटेरियल - 18-19 अप्रैल 2025 - केमिकल, मैकेनिकल, मटेरियल साइंस और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग तथा वोकेशनल स्टडीज विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने सतत ऊर्जा और एडवांस मटेरियल में नवाचारों पर चर्चा की। प्रख्यात मुख्य वक्ताओं ने ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रोकेमिकल मेथड्स, और हेवी मेटल निष्कासन पर व्याख्यान दिए। भारत, सऊदी अरब, तुर्की, श्रीलंका और अमेरिका के प्रतिभागियों द्वारा आठ तकनीकी सत्रों में कुल 80 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेस इन इमर्जिंग कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज (ICRAECCT–2025) - 11–12 अप्रैल 2025 - स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने विश्वविद्यालय के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें 350 सबमिशन, 200 स्वीकृतियाँ और 115 व्याख्यान शामिल थीं। अमेरिका, रूस, पुर्तगाल, जर्मनी और दक्षिण कोरिया के मुख्य वक्ता इस सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों को स्कोपस सूचकांकित संपादित संकलनों (वाइली, आईजीआई ग्लोबल, वर्ल्ड साइंटिफिक) में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

हेल्थकॉन 2025 - 1–2 मार्च 2025 - स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित, हेल्थकॉन ने 156 शोध प्रस्तुतियों के साथ 700 से अधिक प्रतिनिधियों को आकर्षित किया। इसके मुख्य आकर्षण स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , न्यूरोप्लास्टिसिटी, मायोपिया अनुसंधान और नैदानिक नवाचार थे। हेल्थटेक इनोवेशन चैलेंज ने युवा नवप्रवर्तकों को प्रेरित किया, जबकि सूचीबद्ध पत्रिकाओं के साथ हुए समझौता ज्ञापनों ने अंतर्राष्ट्रीय शोध की दृश्यता सुनिश्चित की।

एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन: नैविगेटिंग ग्लोबल चैलेंजेस - 24–25 मार्च 2025 - अस्ताना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (कज़ाकिस्तान) के सहयोग से स्कूल ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 280 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और 122 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। विषयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-संचालित व्यवसाय, सस्टेनेबल मॉडल और सामाजिक उद्यमिता शामिल थे। अमेरिका, स्पेन, क्रोएशिया और श्रीलंका के संस्थानों के साथ सहयोग को और मज़बूत किया गया।

फार्मास्यूटिकल फ्रंटियर्स: एक्सप्लोरिंग फ्यूचर ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजीज (PFEFT–2025) - 8 मार्च 2025 - स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने ड्रग डिस्कवरी, व्यक्तिगत चिकित्सा, ड्रग डिज़ाइन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और हर्बल नवाचारों पर विचार-विमर्श के लिए 320 प्रतिनिधियों को एक साथ बुलाया। देश-विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने मुख्य भाषण दिए और 15 शोधपत्र प्रकाशन के लिए चुने गए। इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य सेवा के लिए फार्मास्युटिकल नवाचार में CSJMU की भूमिका को और पुष्ट किया।

ग्लोबल इश्यूज इन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च फॉर अ ग्लोबल फ्यूचर (FAI-ICGIMRDF 2025) - 16–17 फ़रवरी 2025 - FATER अकादमी ऑफ़ इंडिया और स्कूल ऑफ़ बेसिक साइंसेज के साथ संयुक्त रूप से आयोजित इस हाइब्रिड कार्यक्रम में रोमानिया, यूक्रेन, थाईलैंड और भारत के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। गणित और कंप्यूटर विज्ञान से लेकर वित्त, आपदा प्रबंधन और सततता जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। संगोष्ठी में डिजिटल परिवर्तन और ESG ढाँचों के लिए अंतर्विषयक समाधानों पर ज़ोर दिया गया।

इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसेज इन लाइफ साइंसेज ICALS–2025) - 9–11 जनवरी 2025 स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित, ICALS में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 74 शोध पत्र प्रस्तुत किये गए। विषयों में कैंसर जीव विज्ञान, पादप विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान और नवीकरणीय ऊर्जा सम्मिलित किये गए थे। स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिका में 25 शोधपत्रों के स्वीकृत होने के साथ, इस आयोजन ने जीवन विज्ञान अनुसंधान में किये गए विशिष्ट योगदान को बढ़ावा दिया।

इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन फ्रंटियर्स ऑफ़ रिसर्च इन स्पीच एंड म्यूजिक (FRSM–2024) - 15–16 नवंबर 2024 वाणी एवं संगीत में अनुसंधान की सीमाओं पर 28वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एफआरएसएम-2024) का आयोजन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा सर सी.वी. रमन सेंटर फॉर फिजिक्स एंड म्यूजिक, जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से 15-16 नवंबर 2024 को किया गया था। संगोष्ठी का मुख्य विषय "भाषण, संगीत और दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोग" था। इस कार्यक्रम में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों ने चार प्रमुख क्षेत्रों - वाणी एवं श्रवण, संगीत (स्वर एवं वाद्य), भाषा एवं भाषा विज्ञान, और अंतःविषय अनुप्रयोगों - में अपने काम को प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए दो दिनों में लगभग दस तकनीकी सत्रों का आयोजन किया। एफआरएसएम की समृद्ध विरासत को जारी रखते हुए, जिसे 1990 से भारत के विभिन्न शहरों में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है, एफआरएसएम-2024 से चयनित और समकक्ष-समीक्षित शोधपत्र स्प्रिंगर द्वारा एक संपादित संग्रह में प्रकाशित किए गए हैं, जो भाषण, भाषा और संगीत प्रौद्योगिकी में समकालीन शोध को प्रदर्शित करते हैं।

परंपरागत शिक्षण के साथ संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं के आयोजन की रही लंबी श्रृंखला

माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की अगुवाई में विभिन्न संस्थानों के साथ अनेक सहयोग एवं समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी ने विश्वविद्यालय में सेमिनार, कॉन्फ्रेंस आदि के आयोजन हेतु विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। उनके प्रोत्साहन से विभिन्न विभागों में अनेक संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं में हुए गंभीर चिंतन ने शिक्षकों को चिंतनशील, नवाचारी एवं अपने-अपने विषयों में दक्ष बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये संगोष्ठियां एवं कार्यशालाएं पारंपरिक शिक्षण के अतिरिक्त छात्रों को विशेष एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने का सशक्त माध्यम बन रही हैं। इन्हीं कार्यक्रमों की श्रृंखला का विवरण निम्नवत हैः

- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (CSJMU), कानपुर में 26 फरवरी 2026 को “महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु NIRF एवं NAAC मूल्यांकन” विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं महाविद्यालय विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी, निदेशक IQAC प्रो. संदीप कुमार सिंह, वित्त अधिकारी श्री अशोक कुमार त्रिपाठी तथा कुलसचिव श्री राकेश कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।
- 29 जुलाई 2025 को विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "एनईपी सप्ताह" का आयोजन किया गया, जिसमें पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
- जुलाई–अगस्त 2025 के दौरान संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों हेतु 335 शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की गई।
- जुलाई 2025 में स्ववित्तपोषित संस्थानों हेतु स्वतंत्र शिक्षक भर्ती अभियान के संचालन में विश्वविद्यालय ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।
- विश्वविद्यालय ने 4 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता (NSPC–2025) का सफलतापूर्वक समन्वय किया, जिससे छात्रों में पर्यावरणीय जागरूकता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहन मिला।
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संबद्ध कॉलेजों में बड़े पैमाने पर सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- क्राइस्ट चर्च कॉलेज, कानपुर में 11–20 जून 2025 के बीच यूपी सरकार के पर्यवेक्षण में फैकल्टी भर्ती साक्षात्कार आयोजित किए गए।
- NEP सेल द्वारा मई–जून 2025 की परीक्षाओं के निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित किया गया।
- छात्र परिषद द्वारा 14–17 अप्रैल को विविधोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों की व्यापक भागीदारी रही।
- 14 अप्रैल 2025 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती के अवसर पर अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें प्रारंभिक चरण कॉलेजों में और अंतिम चरण विश्वविद्यालय परिसर में हुए।
- 12 अप्रैल 2025 को अमर उजाला के सहयोग से विद्यालय छात्रों के लिए “वर्मा सर की पाठशाला” कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- मार्च–अप्रैल 2025 में विश्वविद्यालय चयन प्रक्रिया के माध्यम से स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए 142 शिक्षकों की नियुक्ति की गई।

- 22–23 मार्च 2025 को आईआईटी कानपुर में डीआईएसटी द्वारा आयोजित दस्तावेजीकरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्नातकोत्तर छात्र एवं शिक्षक दस्तावेजीकरण उत्सव में शामिल हुए।
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ नशामुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लिया गया।
- 28 फरवरी 2025 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2025 पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- गणतंत्र दिवस (25–26 जनवरी 2025) पर सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं (चित्रकला, रंगोली) और महाकुंभ परेड का भव्य आयोजन किया गया।
- 2025–26 से एनईपी 2020 के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (FYUP) लागू करने हेतु एक समिति गठित की गई और विशेषज्ञों से नियमित परामर्श किया गया।
- विश्वविद्यालय ने प्रवेश पुस्तिका 2025–26 के निर्माण में सक्रिय योगदान दिया।
- दिसंबर 2024 और फरवरी 2025 में सात जिलों में विशेष सहायक परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए निरीक्षण दल भेजे गए।
- छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के साथ 16–22 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया।
- 25 अक्टूबर 2024 को आईआईटी कानपुर के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श बैठक आयोजित किया गया।
- आईआईटी कानपुर के सहयोग से 1 से 5 अक्टूबर 2024 तक रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस पर पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (24 सितंबर 2024) के अवसर पर कार्यक्रम अधिकारियों को गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार, स्वयंसेवकों को कर्मवीर पुरस्कार, तथा उत्कृष्ट एन.एस.एस. इकाइयों को स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 21 सितंबर 2024 - हिंदी दिवस: हिंदी दिवस के उपलक्ष में स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा एक-दिवसीय (भाषा उत्सव) का आयोजन किया गय। इस कार्यक्रम से पूर्व भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किये गए।
- सितंबर 2024 - Namaste Vietnam Festival-2024: AIU और Vietnam University Association द्वारा आयोजित Indo-Vietnam Higher Education Summit और Education Fair में CSJM विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक और अन्य प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए।
- सितंबर 2024 में, विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों के स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रियाएँ आयोजित कीं, जिसके परिणामस्वरूप प्राचार्य, विभागाध्यक्षों और शिक्षकों की 327 नियुक्तियाँ हुईं।
- 2 सितंबर 2024 - छह दिवसीय कार्यशाला: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस द्वारा आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला। उद्घाटन कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक और प्रति-कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला का पहला चरण 02 से 03 सितंबर तक चला, जिसमें डा0 विवेक गुप्ता, फैकल्टी किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
- जुलाई 2024 - CSJM विश्वविद्यालय की प्रचारक घटनाएँ काठमांडू में: नेपाल में मार्केटिंग सहयोगी KIEA द्वारा आयोजित प्रचार और ब्रांडिंग गतिविधियाँ। CSJM विश्वविद्यालय के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने इसमें भाग लिया।
- 5 जून से 21 जून 2024 - योगोत्सव पखवाड़ा : विश्वविद्यालय ने योगोत्सव पखवाड़ा का, जो एक अद्भुत अवसर है सभी को योग के लाभों को समझने और अपनाने का, आयोजन करके समाज कल्याण की ओर एक कदम आगे बढ़ाया।
- 16 मार्च 2024 - योग विषय पर कार्यशाला: छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग और स्कूल आफ हेल्थ साइंस द्वारा आयोजित कार्यशाला। उद्घाटन वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्या डॉ. वंदना पाठक ने किया। इस सत्र में लगभग 100 बच्चों ने एक साथ 108 सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया।

- 12 मार्च 2024 - भारतीय भाषा सम्मेलन: स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा आयोजित सम्मेलन, जिसमें भारतीय भाषाओं और उनके विकास पर चर्चा की गई।
- 11-15 मार्च 2024 - "Introduction to Public Health" कार्यशाला: आई. क्यू. ए. सी., स्कूल आफ आर्ट्स ह्यूमेनिटी एण्ड सोशल साइंसेस और ए.आई.यू.-सी.एस.जे.एम.यू. ए.ए.डी.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला। इसमें पब्लिक हेल्थ पर कौशल, नेतृत्व और शासन विधि के बारे में बताया गया। अतिथि प्रो0 विनय कुमार पाठक और विशिष्ट अतिथि डा0 आशुतोष मिश्रा और डा0 उमा अग्रवाल थे।
- 29 फरवरी 2024 - "Capacity Building Workshop on NIRF & NEP-2020": आई.क्यू.ए.सी. और क्रिस्प संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला, जिसमें उच्च शिक्षा अनुभाग-3 उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चिन्हित 78 संस्थानों और महाविद्यालयों के लिए NIRF और NEP-2020 पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि श्री बलराज चौहान जी थे।
- 26-28 फरवरी 2024 - “International Workshop on National Science”: विभाग of Physics, School of Basic Sciences द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- 23 फरवरी 2024 - वक्तव्य: आधुनिक प्रौद्योगिकी और हिंदी: स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा आयोजित वक्तव्य, जिसमें आधुनिक प्रौद्योगिकी और हिंदी के संबंध पर चर्चा की गई।
- 09 फरवरी 2024 - स्वैच्छिक रक्तदान शिविर: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस और एच.डी.एफ.सी. बैंक के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर।
- 08 फरवरी 2024 - निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र रोग परीक्षण शिविर: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस और पालीवाल डॉयग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण शिविर।
- 6 फरवरी 2024 - "CSJMU में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम की अंतर्दृष्टि": कंप्यूटर एप्लिकेशन विभाग और CSJM इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित सेमिनार, जिसमें स्टार्ट-अप इकोसिस्टम पर चर्चा की गई।
- फरवरी 2024 - इंडो-नेपाल उच्च शिक्षा समिट: AIU और काठमांडू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, जिसमें CSJM विश्वविद्यालय ने नेपाल के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के समक्ष प्रतिनिधित्व किया।
- 18 से 25 जनवरी 2024 - "Coordinators' Corner: IPR Unveiled" कार्यशाला: आई.क्यू.ए.सी. और सी.एस.जे.एम.यू. फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यशाला, जिसमें बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य वक्ता श्री तुषार कुमार श्रीवास्तव, फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर, जे.टी. अटार्नी एलायंस थे।
- 10-11 जनवरी 2024 - भाषा उत्सव: स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा आयोजित भाषा उत्सव, जिसमें विभिन्न भाषाओं की सांस्कृतिक गतिविधियाँ और प्रदर्शन किए गए।
- 24 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 - 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: विवरण: अंडरस्टैंडिंग रिसर्च मेथाडोलॉजी: पैराडाइज प्रैक्टिस एंड प्रोसेस, स्कूल ऑफ टीचर ट्रेनिंग विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला।
- 21 नवंबर 2023 - संगोष्ठी: भारतीय भाषाओं और प्रौद्योगिकी का एकीकरण: NEP 2020: स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा आयोजित संगोष्ठी, जिसमें NEP 2020 के तहत भारतीय भाषाओं और प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर चर्चा की गई।
- 8 नवंबर 2023 - व्याख्यान: लोकतंत्र और संविधान: कला एवं मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विद्यालय और राष्ट्रीय युवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित व्याख्यान। प्रो. रीता बहुगुणा जोशी और श्री अशोक कुमार रावत अतिथि वक्ता थे।
- 3 से 4 नवंबर 2023 - विशिष्ट वैज्ञानिक व्याख्यान श्रृंखला: स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज द्वारा आयोजित, जिसमें प्रोफेसर सलभ और प्रोफेसर मनोज हरबोला ने व्याख्यान दिए।
- 28 अक्टूबर 2023 - राष्ट्रीय कांफ्रेंस: अंडरस्टैंडिंग लर्निंग डिसेबिलिटीः स्ट्रैटेजिक रिव्यू, प्रैक्टिस एंड प्रोसेस, स्कूल ऑफ टीचर ट्रेनिंग विभाग द्वारा आयोजित कांफ्रेंस।
- 29 सितंबर 2023 - संगोष्ठी: गांधी और आज का भारत: कला और मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल द्वारा आयोजित संगोष्ठी, जिसमें प्रो. के.पी. सिंह और श्री देवमणि द्विवेदी ने विचार साझा किए।
- सितंबर 2023 - IRKS-2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: Indian Russian Knowledge System (IRKS-2023), का आयोजन CSJM विश्वविद्यालय और पेंज़ा स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया। सम्मेलन में भारत और रूस दोनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- 14 सितंबर 2023 - हिंदी दिवस पखवाड़ा: स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा आयोजित हिंदी दिवस पखवाड़ा। इस दौरान हिंदी भाषा और साहित्य पर विभिन्न गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 05 सितंबर, 2023 – शिक्षक दिवस पर व्याख्यान।
- 05 सितंबर, 2023 – कला प्रदर्शनी एवं चर्चा।
- 02–03 सितंबर, 2023 – फिजियोथेरेपी कार्यशाला।
- 28 अगस्त, 2023 – मेपल-2023 कार्यशाला।
- 27 अगस्त, 2023 – टीवी9 चौपाल कार्यक्रम में सहभागिता।
- 21 अगस्त, 2023 – कैंपस टू कॉर्पोरेट सेमिनार।
- 19 अगस्त, 2023 – रचनात्मक लेखन व्याख्यान।
- 18 अगस्त, 2023 – आईपी एवं टेक ट्रांसफर कार्यशाला।
- 18 अगस्त, 2023 – गीता श्लोक गायन प्रतियोगिता।
- 28 जुलाई, 2023 – टीवी पत्रकारिता विषय पर व्याख्यान।
- 25 जुलाई, 2023 – डिजिटल फैक्ट वेरिफिकेशन कार्यशाला।
- 21 जुलाई, 2023 – यूएचवी कार्यक्रम में व्याख्यान।
- 30 मई, 2023 – हिंदी पत्रकारिता दिवस पर व्याख्यान।
- 15 मई–13 जून, 2023 – प्रिसिजन एग्रीकल्चर पर प्रशिक्षण।
- 04 मई, 2023 – कृषि विज्ञान में विशेषज्ञ व्याख्यान।
- 26 अप्रैल, 2023 – रेड हैट सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला।
- 24 अप्रैल, 2023 – सिविल सेवा तैयारी पर सेमिनार।
- 10 अप्रैल, 2023 – शिक्षा विभाग में धर्म विषयक संगोष्ठी।
- 05 अप्रैल, 2023 – इंजीनियरिंग स्कूल द्वारा करियर अवसर विषय पर कार्यक्रम।
- 01 अप्रैल, 2023 – शिक्षा विभाग में शिक्षण कौशल व्याख्यान।
- 31 मार्च, 2023 – समाज विज्ञान संस्थान में व्याख्यान माला।
- 29 मार्च, 2023 – फाइन आर्ट विभाग में राष्ट्रीय कार्यशाला।
- 28 मार्च, 2023 – पत्रकारिता विभाग में रेडियो स्क्रिप्ट लेखन कार्यशाला।
- 21 मार्च, 2023 – विश्व कविता दिवस पर अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान।
- 20 मार्च, 2023 – शिक्षा विभाग द्वारा सूक्ष्म शिक्षण विषय पर अतिथि व्याख्यान।
- 24 जून, 2022 – स्टार्टअप एवं नवाचार विषय पर कार्यशाला।
- 14 जून, 2022 – पेंटिंग एवं कला विषयक वैल्यू एडेड प्रोग्राम।
- 13 जून, 2022 – अनुप्रयुक्त कला (ग्राफिक डिजाइन, फोटोग्राफी) कोर्स।
- 10–30 जून, 2022 – स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एवं लीगल स्टडीज द्वारा वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स।
- 10 जून, 2022 – भौतिकी विभाग द्वारा “ग्राफीन एवं आयामी सामग्रियां” विषय पर संगोष्ठी।
- 06–11 जून, 2022 – समाज कार्य विभाग द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य पर वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स।
- 06 जून, 2022 – व्यक्तिगत विकास कार्यशाला (स्कूल ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स)।
- 04 जून, 2022 – पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स का आयोजन।
- 04 जून, 2022 – स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी।
- 01–30 जून, 2022 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा 15 वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स।
- 05–06 मई, 2022 – डिजिटल मूर्तिकला एवं डिजिटल पेंटिंग कार्यशाला (स्कूल ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स एवं माया एकेडमी, कानपुर)।
- 04 मई, 2022 – होटल प्रबंधन विभाग द्वारा सॉफ्ट स्किल्स (आतिथ्य उद्योग में रोजगार) पर कार्यशाला।
- 29 अप्रैल, 2022 – पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा ‘विज्ञान एवं कृषि पत्रकारिता’ विषय पर संगोष्ठी।
- 25–31 मार्च, 2022 – कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में हिंदी एवं संस्कृत में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला।

- 08 मार्च, 2022 – स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एण्ड सोशल साइंस द्वारा 'महिला उद्यमिता और विकास' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी।
- 21–26 फरवरी, 2022 – केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी एवं आईआईसीएचई कानपुर क्षेत्रीय केंद्र द्वारा CHEMCAD, DWSIM, SIMULINK, ANSYS आदि सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला का आयोजन।
- 19–24 फरवरी, 2022 – स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं स्टेट ललित कला अकादमी, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से 6 दिवसीय राष्ट्रीय ढोकरा कार्यशाला का आयोजन।
- 18–24 फरवरी, 2022 – सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, यूआईईटी द्वारा एआईसीटीई–आईएसटीई प्रायोजित 'मशीन लर्निंग' कार्यशाला का आयोजन।
- 14–21 फरवरी, 2022 – संगीत विभाग द्वारा "ठुमरी एवं दादरा" (हाइब्रिड मोड) कार्यशाला का आयोजन।
- 07 फरवरी, 2022 – स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा भारत रत्न स्वर्गीय लता मंगेशकर जी को श्रद्धांजलि स्वरूप स्मृति चित्रकला कार्यशाला का आयोजन।
- इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा छात्रों और शिक्षकों में उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- संबद्ध महाविद्यालयों में प्राध्यापकों की शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित किया गया।
- एनएएसी मान्यता के लिए निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप डीएवी, डीजी, पीपीएन और जागरण जैसे महाविद्यालयों ने सफलतापूर्वक मूल्यांकन पूरा किया।
- विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों को ओडीएल (दूरस्थ शिक्षा) अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता दिलाने में सहयोग किया।
- विश्वविद्यालय ने बी.ए., बी.एससी. और बी.कॉम. के लिए "एआई फॉर ऑल" पाठ्यक्रम के निर्माण में योगदान दिया।
- संबद्ध महाविद्यालयों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गईं, ताकि समग्र पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान समय पर हो सके।
- विश्वविद्यालय द्वारा स्वयं (SWAYAM) पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय ने युवा कार्य मंत्रालय की इस प्रमुख योजना एक भारत श्रेष्ठ भारत में सक्रिय योगदान दिया।
- पहले-यूपी परियोजना के अंतर्गत संबद्ध कॉलेजों में पाठ्यक्रमों को AEDP के अनुरूप किया गया, जिससे उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए।
- औरैया एवं फर्रुखाबाद जिलों में संबद्धता विस्तार के लिए ऑनलाइन निरीक्षण किए गए।
- कुलपति के पर्यवेक्षण में प्राध्यापकों के CAS प्रोमोशन से संबंधित आवेदनों का नियमित रूप से निस्तारण किया गया।
- NEP के अंतर्गत लर्निंग असेसमेंट परीक्षाओं में छात्रों की मदद हेतु प्रश्न बैंक समिति गठित की गई।
- नामांकन बढ़ाने और कौशल-आधारित कार्यक्रमों का विस्तार करने के लिए विभिन्न जिलों में प्राचार्यों के साथ बैठकों की गईं।
- संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों को समर्थ पोर्टल पर डेटा फीडिंग एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन (CSJMIF)

छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन (CSJMIF) विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है, जिसे Section-8 कंपनी के रूप में स्थापित किया गया है। यह फाउंडेशन छात्रों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जहाँ वे अपने विचारों को वास्तविक रूप दे सकें और उन्हें स्टार्टअप के रूप में विकसित कर सकें। CSJMIF के माध्यम से विश्वविद्यालय में एक मजबूत Innovation Entrepreneurship Ecosystem तैयार किया गया है, जो AI/ML, AgriTech, Health Care, EdTech, SaaS, CleanTech, Cybersecurity और Drone Technology जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

फाउंडेशन की उपलब्धियों की बात करें तो अब तक 350 से अधिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा चुका है और 10 विभिन्न सेक्टर्स में सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही CSJMIF से जुड़े स्टार्टअप्स ने लगभग 90 करोड़ रुपये का टर्नओवर प्राप्त किया है और 150 से अधिक लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। वर्तमान में 22 से अधिक प्री-इन्क्यूबेटेड और 65 से अधिक इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप्स इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं, जो इसकी सफलता और प्रभाव को दर्शाते हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान CSJMIF द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें MIC driven, celebration, IIC calendar और self-driven activities शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों में उद्यमिता की भावना को विकसित करना और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे वे भविष्य में सफल उद्यमी बन सकें।

फाउंडेशन को CSR फंड्स, डोनेशन, Startup UP, बिजनेस डेवलपमेंट सपोर्ट और अन्य स्रोतों से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जिससे यह निरंतर अपने कार्यों का विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही CSJMIF ने कई प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी स्थापित की है, जो स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, संसाधन और अवसर प्रदान करते हैं।

इस प्रकार, CSJM Innovation Foundation न केवल विश्वविद्यालय में नवाचार की संस्कृति को मजबूत कर रहा है, बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजित करने के लिए भी प्रेरित कर रहा है। यह फाउंडेशन आने वाले समय में नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

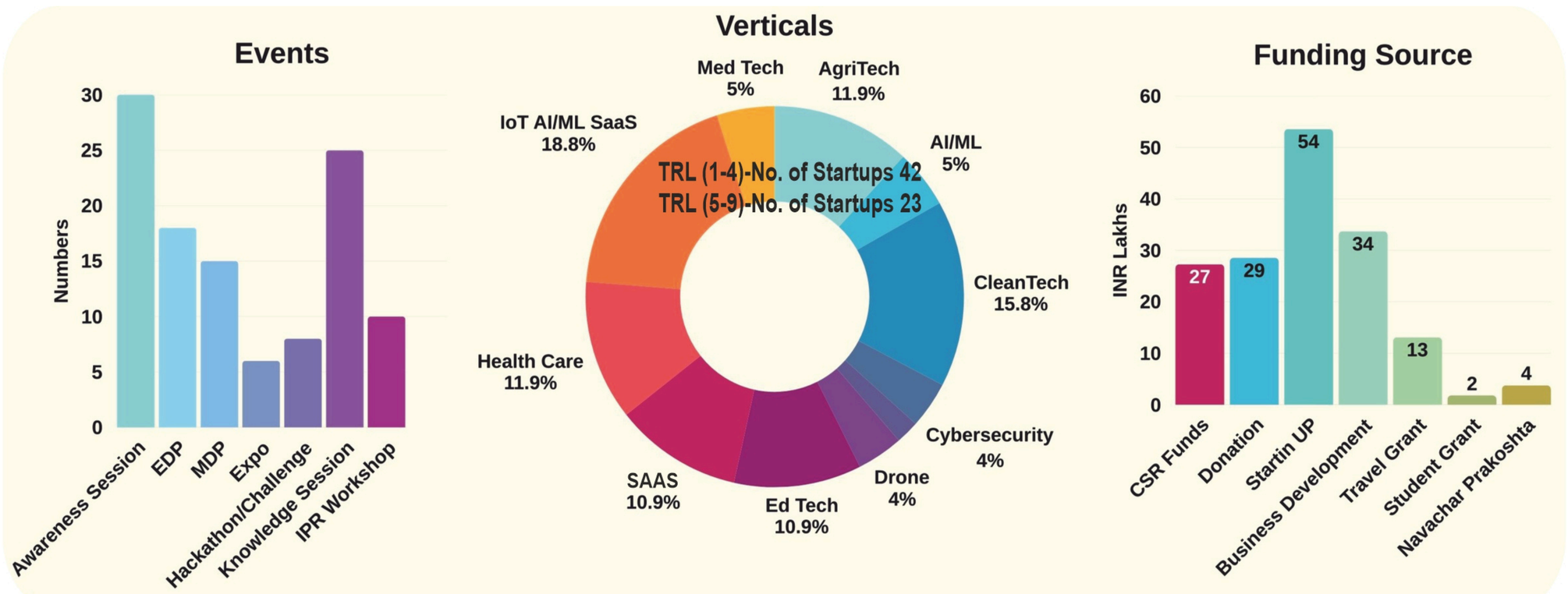

HIGHLIGHTS

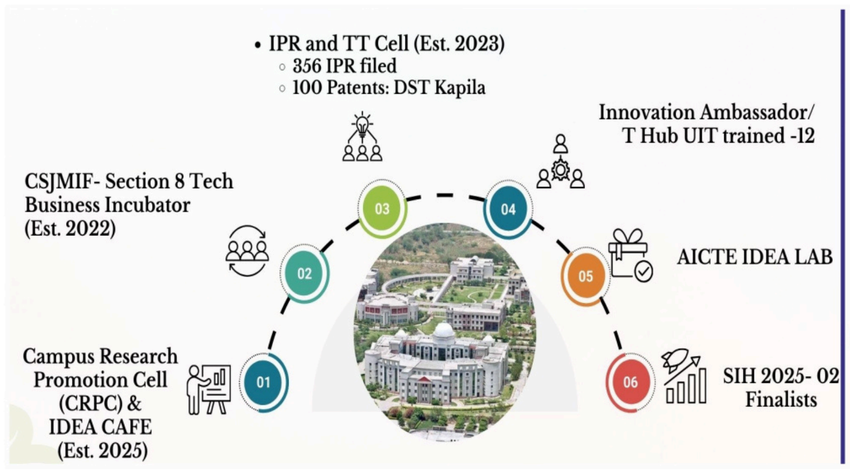

PERFORMANCE OF IIC ACTIVITIES (2024-25)

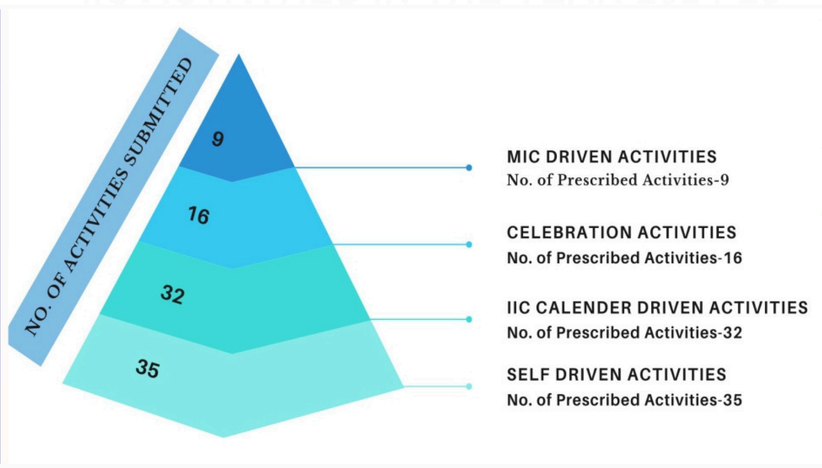

OUR PARTNERS

350 + EVENTS	10 SECTORS	90 CR TURN OVER	150 EMPLOYED
22+ PRE-INCUBATED STARTUPS		65+ INCUBATED STARTUPS	

प्रमुख कार्यक्रम

- 2 सितम्बर 2024: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में संस्कृति, ज्ञान और विवेक पर आधारित एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बौद्धिक चर्चाओं के माध्यम से प्रेरित करना था।
- 17 सितम्बर 2024: नवाचार एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु T-Hub के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।
- 4 एवं 8 अक्टूबर 2024: विद्यार्थियों एवं स्टार्टअप्स ने अपने नवाचारपूर्ण विचारों को इनक्यूबेशन एवं फंडिंग के लिए प्रस्तुत किया, जहाँ विशेषज्ञों द्वारा उन्हें मूल्यवान सुझाव, मूल्यांकन एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- 9 अक्टूबर 2024: IIT खड़गपुर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ सत्रों, स्टार्टअप अनुभवों एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया, जिससे उद्यमिता एवं नवाचार को बढ़ावा मिला।
- 2 नवम्बर 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर, स्टार्टअप इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (SIIC) के तत्वावधान में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 12 नवम्बर 2024: छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा इनोवेशन फाउंडेशन एवं सृजन संचार संस्था के सहयोग से “Industry Academia Meet Udbhav 2024” का आयोजन किया गया।
- 16 जनवरी 2025: राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस के अवसर पर “उद्यमोत्सव 2025” का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं स्टार्टअप उत्साही युवाओं ने भाग लिया।
- 3–4 फरवरी 2025: IIT कानपुर एवं CSJMU में “सतत शहरों के लिए AI समाधान” विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 25 कुलपति, 35 शैक्षणिक विशेषज्ञ, 35 स्टार्टअप्स एवं 15 स्थानीय उद्योगों ने भाग लिया।
- 25 मार्च 2025: रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया। मुख्य अतिथि श्री योगेन्द्र उपाध्याय (उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश) ने कार्यक्रम की सराहना की।
- 26–31 मई 2025: छात्र उद्यमिता प्रशिक्षण बूटकैंप का आयोजन किया गया, जिसमें T-Hub के सहयोग से विशेषज्ञ सत्र एवं दिव्या राजपूत का मुख्य भाषण शामिल था।
- 4 अगस्त 2025: C3iHub, CSJMU एवं CSJMIF के बीच हिंदी में साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु MoU हस्ताक्षरित किया गया, जिसका उद्देश्य 1 लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है।
- 6 सितम्बर 2025: FOSS City Meetup कानपुर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें ओपन-सोर्स, AI एवं साइबर सुरक्षा पर चर्चा हुई।
- 5 अक्टूबर 2025: IIT खड़गपुर के सहयोग से इंजीनियरिंग उद्यमिता पर एक मीट का आयोजन किया गया।
- 8 नवम्बर 2025: IIT बॉम्बे टेकफेस्ट का जोनल राउंड आयोजित किया गया, जिसमें रोबोटिक्स, IoT एवं तकनीकी नवाचार प्रदर्शित किए गए।
- 10 नवम्बर 2025: “स्टार्टअप, सततता एवं विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना” विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।
- 12 जनवरी 2026: राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई।

- 16 जनवरी 2026: राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन कर विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित किया गया।
- 30–31 जनवरी 2026: “HackShodh 2026” हैकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने वास्तविक समस्याओं के तकनीकी समाधान विकसित किए।
- 14 मार्च 2026: “Ideathon 2026” का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए।
- 16–18 मार्च 2026: “Robo Rumble 3.0” तकनीकी महोत्सव आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं परियोजना प्रदर्शनि शामिल रहे।
- 20 मार्च 2026: C3iHub, IIT कानपुर में साइबर सुरक्षा क्षेत्र में योगदानकर्ताओं को सम्मानित करने हेतु जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।
- 20–21 मार्च 2026: “Abhivyakti 2026” में सक्रिय भागीदारी की गई, जो स्टार्टअप्स एवं नवाचार को वैश्विक समाधान में परिवर्तित करने पर केंद्रित था।
- 27 मार्च 2026: Geoscan के साथ MoU हस्ताक्षरित कर ड्रोन, IoT एवं साइबर सुरक्षा लैब्स की स्थापना की गई।

अन्य प्रमुख पहलें-

- नवाचार प्रसार कार्यक्रम:
- विभिन्न महाविद्यालयों में भ्रमण कर स्टार्टअप, नवाचार एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।
- स्टार्टअप एक्सपो सहभागिता:
- इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर नेटवर्किंग एवं निवेश के अवसर प्राप्त किए।
- साइबर सुरक्षा, AI एवं वित्तीय साक्षरता कार्यशालाएँ:
- पिछले दो वर्षों में 12 कार्यशालाएँ आयोजित कर विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों एवं वित्तीय ज्ञान से सशक्त बनाया गया।
- प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDPs):
- विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, डिजिटल मार्केटिंग, व्यवसाय रणनीति एवं संचार कौशल पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Best Student Startup Award 2025

Smart India Hackathon Winners-2024

Startups at UP International Trade Show 2025

Abhivyakti 2025

Hackshodh 2026

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ: प्रगति, परिपक्वता एवं उपलब्धियों की दिशा में पाँच वर्ष

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ विगत पाँच वर्षों में एक सुदृढ़ एवं प्रभावी तंत्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसने शिक्षा और उद्योग के मध्य एक सशक्त सेतु का कार्य किया है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य केवल छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कौशल, दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण बनाना है, जिससे वे बदलते वैश्विक परिदृश्य में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर सकें।

वर्ष 2023–24 में लगभग 88% प्लेसमेंट के साथ एक मजबूत आधार स्थापित हुआ, जहाँ अनेक छात्रों को एक से अधिक अवसर प्राप्त हुए। इसके पश्चात वर्ष 2024–25 में विशेष रूप से तकनीकी पाठ्यक्रमों में 95% तक प्लेसमेंट (SOET) प्राप्त कर विश्वविद्यालय ने अपनी गुणवत्ता को और सुदृढ़ किया।

इन वर्षों में प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, इंटर्नशिप तथा उद्योग सहभागिता के माध्यम से छात्रों की industry readiness को निरंतर सुदृढ़ किया गया। परिणामस्वरूप न केवल प्लेसमेंट प्रतिशत में वृद्धि हुई, बल्कि छात्रों को बेहतर प्रोफाइल एवं प्रतिस्पर्धी पैकेज भी प्राप्त हुए।

वर्तमान सत्र 2025–26 में यह प्रगति और अधिक परिपक्व रूप में सामने आई है। SOET के अंतर्गत ECE (91%), MEE (92%), IT (89%) एवं CSE (88%) जैसे पाठ्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज किया गया, वहीं SBM में BBA (95%) एवं MBA (83%) ने निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखी। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि विश्वविद्यालय अब गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुख प्लेसमेंट की दिशा में अग्रसर है।

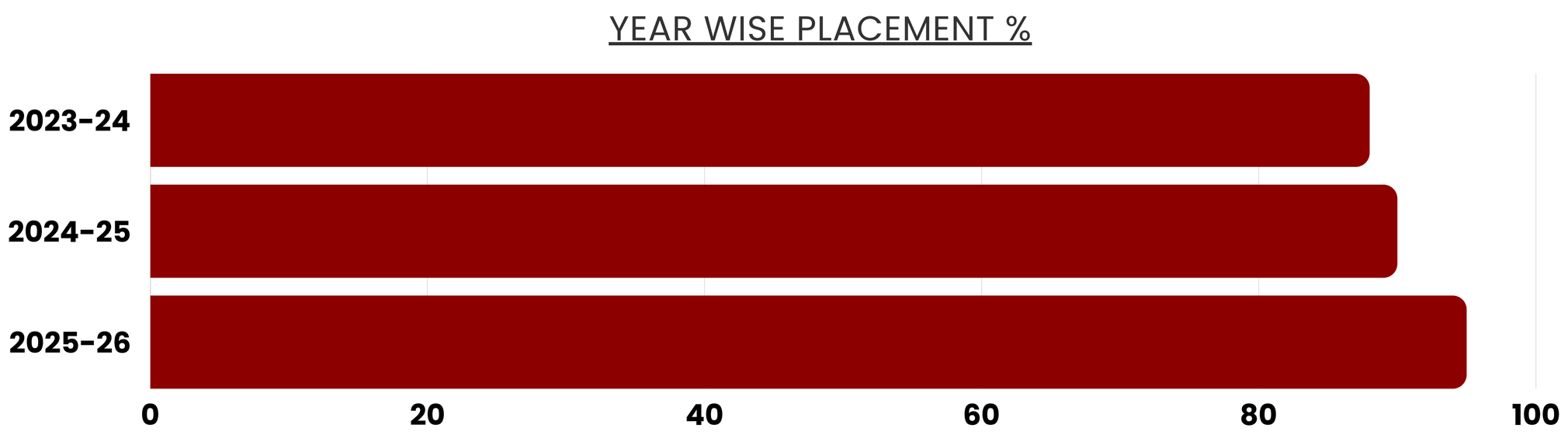

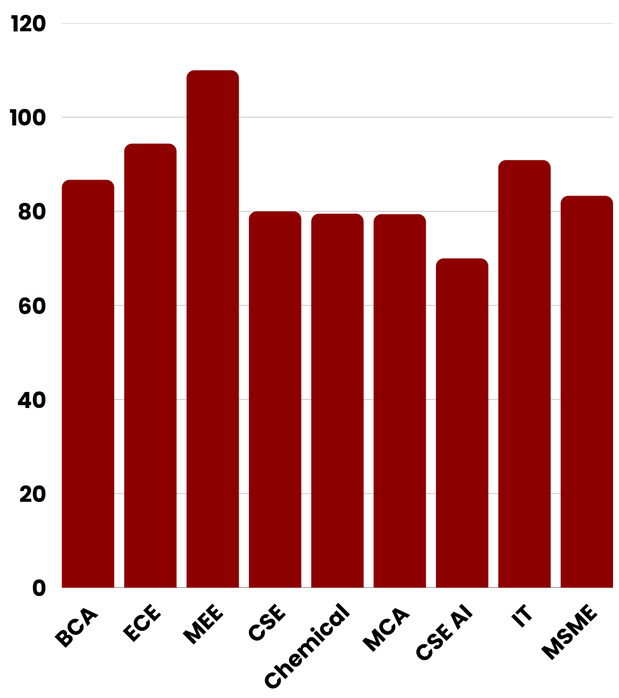

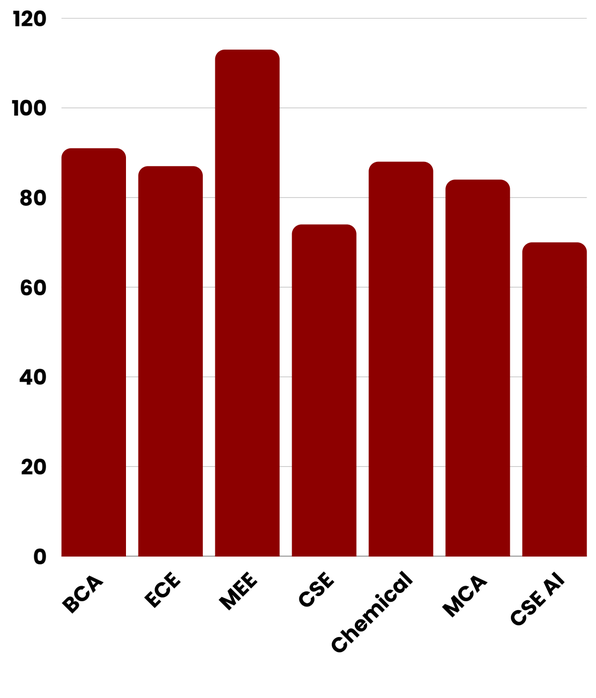

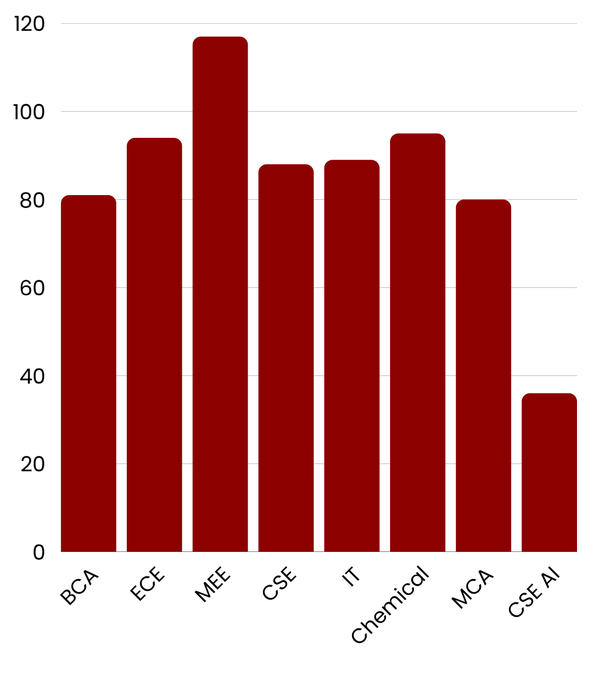

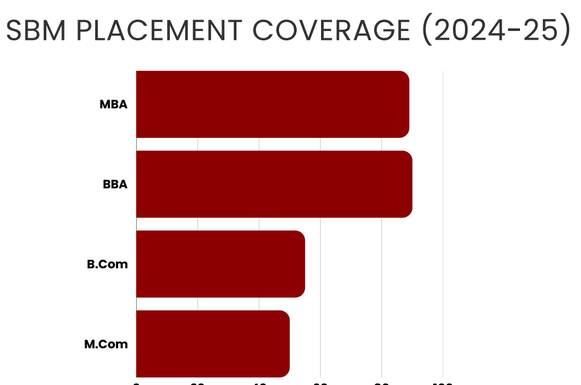

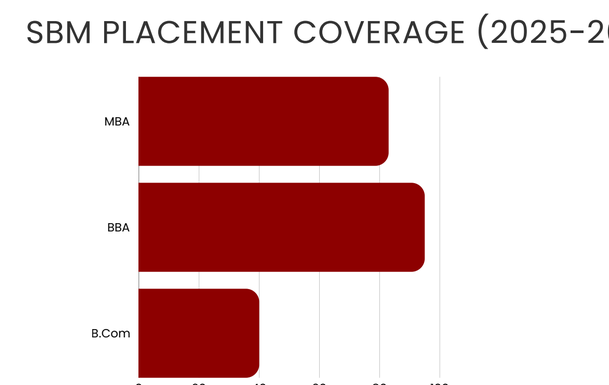

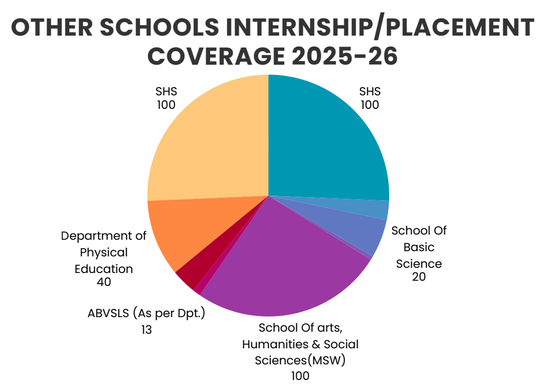

YEAR WISE PLACEMENT %

UIET PLACEMENT COVERAGE (2023-24)

UIET PLACEMENT COVERAGE (2024-25)

UIET PLACEMENT COVERAGE (2025-26)

SBM PLACEMENT COVERAGE (2024-25)

SBM PLACEMENT COVERAGE (2025-26)

OTHER SCHOOLS INTERNSHIP/PLACEMENT COVERAGE 2025-26

डॉ. प्रवीण भाई पटेल
निदेशक का संदेश
(निदेशक)
प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ निरंतर प्रगति करते हुए छात्रों को बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है। वर्ष 2025–26 की उपलब्धियाँ, उच्च प्लेसमेंट एवं उद्योग सहयोग हमारे सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं।
मैं माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के कारण यह सभी उपलब्धियाँ संभव हो सकी हैं। हमारा लक्ष्य छात्रों को कौशल, आत्मविश्वास एवं उचित अवसर प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है।

वर्ष 2025–26: सुदृढ़ पहलें एवं विस्तृत अवसर

वर्ष 2025–26 प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के लिए एक महत्वपूर्ण चरण सिद्ध हुआ है, जिसमें प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रक्रिया को अधिक संगठित एवं प्रभावी बनाया गया। इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से मार्च 2026 से चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए, जिनका उद्देश्य छात्रों को प्रारंभिक स्तर से ही तकनीकी दक्षता, संचार कौशल एवं उभरती तकनीकों के अनुरूप तैयार करना है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छात्रों में न केवल रोजगार प्राप्त करने की क्षमता बढ़ी है, बल्कि वे उद्योग की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने लगे हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय के छात्रों को 16.5 LPA तक के उच्च पैकेज प्राप्त हुए, जो संस्थान की बढ़ती विश्वसनीयता को दर्शाता है।
इंटर्नशिप के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं, जहाँ SHS एवं MSW जैसे विभागों में 100% इंटर्नशिप सुनिश्चित की गई। विश्वविद्यालय के छात्रों को Chetu, JSW, HCL Tech, HDFC Bank, ICICI Bank, Johnson Matthey, Tech Mahindra, SLMG Beverages, TCS BPS, Shree Cement, Reliance Industries, Wipro, Learning Routes, PVH Arvind Fashion एवं Panacea Biotec जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में अवसर प्राप्त हुए, जिससे प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की विश्वसनीयता और सुदृढ़ हुई है।

यद्यपि कुछ क्षेत्रों में छात्रों की सहभागिता को और अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, तथापि समग्र रूप से यह वर्ष संतुलित विकास, बेहतर अवसरों एवं सुदृढ़ औद्योगिक समन्वय का प्रतीक रहा है।प्लेसमेंट प्रकोष्ठ निरंतर इस दिशा में कार्यरत है कि प्रत्येक छात्र को उसकी क्षमता के अनुरूप अवसर प्राप्त हो। विगत पाँच वर्षों की उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि विश्वविद्यालय शिक्षा से रोजगार तक की यात्रा को प्रभावी एवं सशक्त रूप प्रदान कर रहा है, और भविष्य में यह प्रगति और अधिक सुदृढ़ रूप में जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के सतत प्रयासों ने छात्रों को उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं इंडस्ट्री एक्सपोजर प्रदान कर उन्हें जॉब मार्केट की बदलती मांगों के लिए पूरी तरह तैयार किया है। इस वर्ष न केवल प्लेसमेंट प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, बल्कि औसत वेतन पैकेज में सुधार और भर्तीकर्ताओं की अधिक विविधता भी देखने को मिली।

- विश्वविद्यालय में 1,020 से अधिक कैंपस चयन के साथ, मेगा जॉब फेयर के माध्यम से 4,150 से ज्यादा ऑफर प्राप्त हुए, जो रिक्रूटर के बीच बढ़ती पहचान को दर्शाता है।
- वेतन में सुधार देखा गया है, जिसमें औसत वेतन ₹3.75 से बढ़कर ₹4 लाख प्रतिवर्ष और उच्चतम वेतन ₹12.45 लाख तक पहुँच गया है।
- इस वर्ष 140 से अधिक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित हुईं, जो भर्ती प्रक्रिया की नई ऊँचाइयों को दर्शाती है।

प्रमुख रिक्रूटर (2025-26)

विश्वविद्यालय ने सॉफ्टवेयर उद्योगों, कोर इंजीनियरिंग फर्मों, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, कंसल्टिंग, टेलीकॉम और एफएमसीजी सेक्टर से विविध रिक्रूटर को आकर्षित किया। कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं:-

सॉफ्टवेयर एवं टेक: टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, विप्रो, एक्सेंचर, टेक महिंद्रा, ब्रिटिश टेलीकॉम।
कोर एवं मैन्युफैक्चरिंग: जेके सीमेंट, श्री सीमेंट, सीएमआर ग्रीन लिमिटेड, कंसाई नेरोलेक पेंट्स, ओसवाल केमिकल्स।
कंसल्टिंग व बीएफएसआई: डेलॉयट, मोतीलाल ओसवाल, बजाज कैपिटल, टीमलीज, एजियास फेडरल।
कंज्यूमर व रिटेल: पतंजलि, बर्जर पेंट्स, कोहिनूर लिमिटेड।
टेलीकॉम व मीडिया: एयरटेल, वोडाफोन (वीआई), जागरण समूह।
स्टार्टअप्स/न्यू-ऐज कंपनी: पेटीएम, जारो एजुकेशन, इंटेलिपाट, इंडियामार्ट

स्वास्थ्य सेवाएं

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2024–26 के दौरान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध छात्र, प्राध्यापक, प्रशासनिक व तकनीकी कर्मचारी तथा आस-पास के स्थानीय जनसमुदाय को सुलभ, निवारक एवं उत्तरदायी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के अपने उद्देश्य पर निरंतर कार्यरत रहा। इस अवधि में स्वास्थ्य केंद्र द्वारा कुल 13,800 से अधिक रोगियों को चिकित्सा, फिजियोथेरेपी एवं नैदानिक सेवाओं की विविध श्रेणी उपलब्ध कराई गई।

प्रधानमंत्री के "2030 तक क्षय रोग उन्मूलन" के दृष्टिकोण तथा माननीय कुलाधिपति के मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत वंचित एवं कमजोर समुदायों की स्वास्थ्य सहायता हेतु महत्वपूर्ण पहल आरंभ की। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा 100 क्षय रोगियों को गोद लिया गया और उन्हें पोषण सहायता एवं नियमित परामर्श प्रदान किया गया।

- आदरणीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उ प्र श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा एवं मार्ग दर्शन में माननीय कुलपति जी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 दिसम्बर 2025 तक विभिन्न ग्रामों के विद्यालयों की एवं अन्य किशोरियों को वैक्सीन के 761 डोज़ निशुल्क लगाए गए है। दिनांक 17 एवं 18 अप्रैल 26 को वैक्सीन के 352 डोज़ अभी लगाए जाने हैं।

- विश्वविद्यालय परिसर में सी.एस.जे.एम.यू. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना का निर्णय -विश्वविद्यालय परिसर में सी.एस.जे.एम.यू. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना वर्तमान शैक्षणिक, विधायी एवं सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अत्यंत आवश्यक एवं दूरदर्शी प्रयास है। यह परियोजना न केवल पैरामेडिकल/अलाइड हेल्थ एवं नर्सिंग पाठ्यक्रमों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करेगी अपितु विश्वविद्यालय को एक समग्र “एजुकेशन-एंड-हेल्थकेयर हब” के रूप में स्थापित करेगी। इस अस्पताल से कानपुर एवं आस पास के जिलों के नागरिकों को उचित दर पर गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

- विश्वविद्यालय परिसर में उच्च स्तरीय रिहैबिलिटेशन सेंटर की स्थापना -उच्च स्तरीय सेंटर रिहैबिलिटेशन की स्थापना एवं संचालन से मरीजों के पुनर्वास में अत्यधिक सहायता मिलेगी।

- निवारक स्वास्थ्य सेवा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने अनेक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य परीक्षण अभियान भी सफलतापूर्वक आयोजित किए। उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल की प्रेरणा से स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्रों के सहयोग से सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त, आस-पास के सामुदायिक क्षेत्रों की 153 लड़कियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण कर समाज के स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित किया गया।
- इस वर्ष सामुदायिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र द्वारा कई विशेष स्वास्थ्य योजनाएं सफलतापूर्वक संचालित की गईं। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर छात्रों एवं कर्मचारियों को जीवन रक्षक रक्तदान हेतु प्रोत्साहित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 200 से अधिक यूनिट रक्तदान किया गया।
- क्रॉनिक किडनी रोग के जोखिम कारकों की समय पर पहचान, उचित रेफरल और जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन सुनिश्चित करने हेतु विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) स्क्रीनिंग शिविर द्वारा संभावित नींद संबंधी श्वसन विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की गई। एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर के माध्यम से छात्रों और कर्मचारियों में आयरन की कमी और संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों का समय पर पता लगाने एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। इन लक्षित स्वास्थ्य जांचों ने विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण निवारक आयाम जोड़ा तथा संस्थान में सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन की संस्कृति को सुदृढ़ किया। संतुलित पोषण और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किए गए, साथ ही पोषण जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय से जुड़े सभी हितधारकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

- शारीरिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त, स्वास्थ्य केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण को भी बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए।
- वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे पर आसन और एर्गोनॉमिक्स पर विशेष शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ल्ड साइट डे पर आँखों और प्रारंभिक जांच के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई।
- विश्व हृदय दिवस पर व्यायाम, योग और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से हृदय को स्वस्थ रखने के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई।
- शैक्षणिक व व्यक्तिगत तनाव से जूझ रहे छात्रों के लिए प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा परामर्श सेवाएं तथा तनाव प्रबंधन सत्र नियमित रूप से संचालित किए गए।
- स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने हेतु विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण निवेश किया। वर्ष 2024 में एक नई एक्स-रे इकाई स्थापित की गई, जिससे नैदानिक क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।
- इस वर्ष की सबसे परिवर्तनकारी उपलब्धियों में से एक स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की पहल रही। हेल्थ कंपास प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप के माध्यम से विश्वविद्यालय ने स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड्स (ईएमआर) प्लेटफॉर्म विकसित कर इसे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में लागू किया।
- केवल चार महीनों के भीतर, रोगी की यात्रा के प्रत्येक चरण—अपॉइंटमेंट बुकिंग, परामर्श, डायग्नोस्टिक्स, बिलिंग तथा रिपोर्ट डिलीवरी—को ईएमआर प्लेटफॉर्म द्वारा 100% पेपरलेस, कैशलेस एवं पारदर्शी डिजिटल इकोसिस्टम में सुव्यवस्थित रूप से समाहित किया गया।
- यह प्रयास केवल एक तकनीकी उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डेटा-संचालित, सुलभ और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है।
- सीएसजेएमयू की स्वास्थ्य सेवाएं समावेशी और किफायती बनाने हेतु डिजाइन की गई हैं, ताकि आर्थिक रूप से वंचित रोगियों को न्यूनतम लागत पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए ये सेवाएं महत्वपूर्ण नैदानिक अनुभव प्रदान करती हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को ओपीडी और संबद्ध अस्पतालों में क्रमशः प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में, अमृता स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन सहित नई साझेदारियां स्थापित की जाएंगी। ओपीडी अब सभी आयु वर्ग के रोगियों—बाल चिकित्सा से लेकर वृद्धावस्था तक—को सेवा प्रदान करती है, जो विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण "जीवन में वर्ष और वर्षों में जीवन जोड़ना" के अनुरूप है।
- 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 के मध्य, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा मरीजों को ₹13,09,576 (तेरह लाख नौ हजार पांच सौ छिहत्तर रुपये) मूल्य की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। वाणिज्यिक/बाजार दरों पर समान सेवाओं की लागत लगभग ₹41,81,498.40 (इकतालीस लाख इक्यासी हजार चार सौ अट्ठानवे रुपये चालीस पैसे) होती। परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से मरीजों को ₹28,71,922.40 (अट्ठाईस लाख इकहत्तर हजार नौ सौ बाईस रुपये चालीस पैसे) का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।
- फिजियोथेरेपी ओपीडी द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की विश्वविद्यालय दरों और बाजार दरों का तुलनात्मक विश्लेषण।

Service	No. of Patients Treated	Cost to Patients (Rs.)	Market Value (Rs.)	Benefit to Patients (Rs.)
Physiotherapy Services	9382	5,51,400	18,76,400	13,25,000
Health Centre Services	653	13,080	1,30,600	1,17,520
Aarogyam Clinic Services	366	0	73,200	73,200
Pathology Services	2780	6,07,896	17,62,898.40	11,55,002.40
X-Ray Services	664	1,37,200	4,11,600	2,74,400

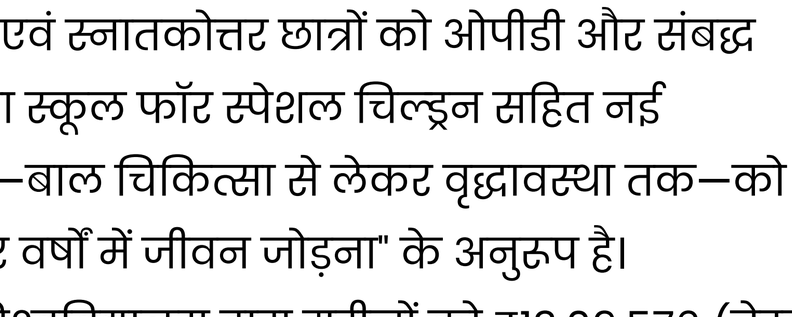

सर्वाइकल कैंसर मुक्त समाज: एक पहल

- (100 बेटियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन निःशुल्क) विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य एवं कल्याण पहल के अंतर्गत छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध निःशुल्क टीकाकरण प्रदान किया गया। इस प्रयास का उद्देश्य युवतियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) से बचाना है, जो सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। कम उम्र में लगाए जाने पर यह टीका अधिक प्रभावी होता है।

- विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा 5 गांवों की 100 बेटियों को निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर का टीका लगाया गया। चयनित गांवों में चौबेपुर विकास खंड के गबड़हा, बरहट बांगर, सुनौढ़ा तथा कल्याणपुर विकास खंड के होरा कछार एवं ईश्वरीगंज शामिल हैं।
- यह वैक्सीन 9 से 15 वर्ष की आयु की बालिकाओं को 2 डोज तथा 15 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को 3 डोज के रूप में दी गई। इस सामाजिक पहल का शुभारंभ 28 सितंबर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल माननीय Anandiben Patel द्वारा किया गया।
- महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती स्थिति को देखते हुए कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में यह पहल की गई। विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की किशोरियों तक यह वैक्सीन पहुंचाई गई।
- इस कार्य हेतु कुल 363 बालिकाओं का चयन किया गया, जिनमें से प्रारंभिक चरण में 100 बालिकाओं का टीकाकरण किया गया।
- विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में माननीय कुलपति जी की प्रेरणा, प्रयासों एवं मार्गदर्शन से कोविड-19 टीकाकरण का कार्य दिनांक 11 अप्रैल 2021 से स्वास्थ्य विभाग, कानपुर नगर के सहयोग से प्रारंभ किया गया।
- 11 अप्रैल 2021 से 19 सितम्बर 2021 तक विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में कुल 22,152 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक तथा कानपुर के आम नागरिकों का टीकाकरण निरंतर स्वास्थ्य केन्द्र पर किया गया।
- कोविड-19 टीकाकरण उत्सव (11–14 अप्रैल) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों ने विभिन्न टीकाकरण केन्द्रों पर जाकर सक्रिय सहयोग प्रदान किया तथा नागरिकों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया।
- टीकाकरण से संबंधित जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर एक विशेष पटल प्रारंभ किया। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निरंतर प्रेरित किया गया कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों का भी टीकाकरण कराएं।
- विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी से जुड़े विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी टीकाकरण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निःशुल्क टेलीफोन चिकित्सकीय परामर्श सेवा

- दिनांक 17 अप्रैल 2021 से विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों के प्रकोष्ठ के माध्यम से टेलीफोन पर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रारंभ की गई।
- इस सुविधा का लाभ विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, उनके परिजन तथा कानपुर के आम नागरिकों ने उठाया। विशेष रूप से कोविड-19 की द्वितीय लहर के दौरान हजारों लोगों ने इस सेवा का लाभ प्राप्त किया।

कोविड-19 द्वितीय लहर के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं

- कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- दिनांक 04 मई 2021 से 31 मई 2021 तक प्रातः 8:00 बजे से सायं 8:00 बजे तक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
- दिनांक 01 जून 2021 से स्वास्थ्य केन्द्र में प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक नियमित रूप से चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की जाती रहीं।
- स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा टेलीफोन के माध्यम से शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य की नियमित जानकारी ली जाती रही तथा आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

विशेष राहत एवं चिकित्सा सहायता

माननीय कुलपति जी के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से विश्वविद्यालय में कोविड पॉजिटिव अथवा कोविड लक्षण वाले मरीजों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं।
इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार मरीजों को चिकित्सा सहायता जैसे:
दवाएं, ऑक्सीजन, प्लाज्मा भी उपलब्ध कराया गया।

समृद्ध पुस्तकालय : ऑफलाइन से ऑनलाइन तक

विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय वर्ष 2025-26 के दौरान महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण से गुज़रा है, जिसने इसे एक स्मार्ट, समावेशी, और शोध-सहायक ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

डिजिटल परिवर्तन – लाइब्रेरी ऑन डिवाइसेस

एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत, "लाइब्रेरी ऑन डिवाइसेस" ई-पुस्तकालय विकसित किया गया है, जो कहीं से भी, कभी भी अध्ययन और शोध सामग्री तक सुगम पहुंच प्रदान करता है। मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उपलब्ध इस प्लेटफ़ॉर्म में 1 मिलियन से अधिक ई-संसाधन शामिल हैं, जिनमें 6,236 जर्नल, 36,569 ई-बुक्स, 135,654 वीडियो व्याख्यान, 640,057 शोध कार्य, 10,211 विश्वविद्यालय शोध प्रबंध, 136,461 विशेषज्ञ वार्ताएं, और 49,160 सामान्य पठन सामग्री शामिल हैं, जिनमें हिंदी संसाधन भी उपलब्ध हैं। प्रमुख प्रकाशकों जैसे Elsevier, Springer, Taylor & Francis, Wiley, और Sage के ऑनलाइन डेटाबेस इस संग्रह को और समृद्ध करते हैं।

ओरिएंटेशन, शोध समर्थन, और प्लेगरिज़्म रोकथाम उपाय

विभिन्न विभागों में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रमों ने ई-लाइब्रेरी संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया है, जिससे सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सभी शोध सामग्री को डिजिटाइज्ड करके ई-पुस्तकालय और शोधगंगा रिपॉजिटरी पर अपलोड किया गया है, और उन्नत प्लेगरिज़्म डिटेक्शन टूल्स से लैस किया गया है, जो स्थानीय और विदेशी भाषाओं दोनों के लिए मानक स्थापित करते हैं। इससे शोध की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और मौलिकता में काफी सुधार हुआ है।

आरएफ आईडी आधारित स्मार्ट सेवाएं

पुस्तकालय ने पूरी तरह से RFID तकनीक लागू की है, जिससे टच स्क्रीन कियोस्क के माध्यम से स्वयं-सेवा पुस्तक जारी करने और वापसी की सुविधा प्राप्त हुई है। इसके अलावा, स्वचालित अलार्म से लैस सुरक्षा द्वार और स्मार्ट कार्ड आधारित सदस्यता प्रणाली ने परिचालन दक्षता, त्रुटि-रहित संग्रहण और रीयल-टाइम ट्रैकिंग में सुधार किया है, साथ ही स्टाफ के कार्यभार को भी कम किया है।

आरएफ आईडी आधारित स्मार्ट सेवाएं

समावेशिता को बढ़ावा देते हुए पुस्तकालय में रैंप, लिफ्ट, व्हीलचेयर, और विशेष शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही, सेमिनार, प्रशिक्षण, और अकादमिक कार्यक्रमों के लिए 60 सीटों वाला नया वातानुकूलित ऑडिटोरियम स्थापित किया गया है। पुस्तकालय ने अपनी सेवा समय को आधी रात तक बढ़ा दिया है, जिससे इसकी पहुंच और भी बेहतर हुई है।

आउटरीच और ज्ञान साझा करना

गणेश शंकर विद्यार्थी केंद्रीय पुस्तकालय ने अपना पहला द्विवार्षिक समाचार-पत्र (खंड 1, अंक 01, 2025) जारी किया, जिसमें शैक्षणिक सेवाओं, शोध उपकरणों, अलुमनी प्लेसमेंट और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रमुखता दी गई है। यह न्यूज़लेटर एक ऐसा माध्यम है, जो विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को अपने विचार और योगदान साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

केंद्रीय पुस्तकालय: एक पहल

- कुलपति प्रो. विनय पाठक के मार्गदर्शन में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण के क्रम में काफी महत्त्वपूर्ण कदम उठाये गये, जिसके क्रम में लाइब्रेरी ऑन डिवाइस नामक ई-लाइब्रेरी विकसित की गयी जिससे प्रत्येक उपयोगकर्ता को घर बैठे ऐप पर समस्त पठन सामग्री सहजता से उपलब्ध हो सकेगी। छात्र अपने मोबाइल द्वारा भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं छात्रों को बेहतर सुविधा मिल सके जिसके लिए ऑनलाइन डेटाबेस इलेक्ट्रॉनिक बुक्स, जर्नल्स एवं सभी शोधग्रंथों को ई -लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया जिसे एकल विंडो एवं सर्च इंजन के अंतर्गत 24X7 कभी भी कहीं से भी उपयोग किया जा सकता है साथ ही पुस्तकालय अपनी सेवाएं मध्यरात्रि 12:00 तक प्रदान कर रहा है।
- सभी विभागों में ई-लाइब्रेरी एप्लीकेशन के प्रयोग को बढ़ाने हेतु ओरियंटेशन प्रोग्राम लगातार किए गए जिससे कि ऑनलाइन ई- बुक्स जर्नल्स डेटाबेस का उपयोग काफी मात्रा में बढोत्तरी हुई माननीय के मार्गदर्शन में साहित्य चोरी को रोकने हेतु सभी शोधग्रंथों को डिजिटल करके ई -लाइब्रेरी एवं शोधगंगा रिपॉजिटरी में उपलब्ध करा दिया गया है। शोध स्तर की गुणवत्ता एवं अनुसन्धान को नए आयामों तक पहुंचाने हेतु अत्याधुनिक डेटाबेस एवं सॉफ्टवेर का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही साहित्य चोरी को रोकने हेतु स्थानीय एवं विदेशी भाषा के सॉफ्टवेर द्वारा सभी शोधग्रंथो को स्कैन किया जाता है जिससे शोध में काफी सुधार आया है | विश्वविद्यालय से संबंधित सभी समाचारों को ई लाइब्रेरी में उपलब्ध कराया जाता है | लाइब्रेरी ऑन डिवाइस (ई- लाइब्रेरी) में 10,00,000 से अधिक e-Resources (जर्नल - 6236, इ–बुक्स- 36438, जर्नल्स - 55,563 (जे-गेट - इ-शोधसिंधू), वीडियो लेक्चर- 131855, शोधग्रन्थ - 639331 (विश्वविद्यालय शोधग्रन्थ – 10211+), एक्सपर्ट टॉक्स -10086, सामान्य रीडिंग – 16026, केस स्टडी) का एक विशाल संग्रह है | लाइब्रेरी ऑन डिवाइस पर सभी ई- संसाधनों को विषयावर एवं प्रकाशकवार को देखा जा सकता है एवं डाउनलोड किया जा सकता है | हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं के लिए भी पर्याप्त मात्रा में संसाधन उपलब्ध हैं |
- पुस्तकालय ने RFID तकनीक को लागू किया है साथ ही आधुनिक अवसंरचना जैसे KIOSK, डिजिटल साइनेंज, और फुटफॉल काउंटर के साथ डायनामिक आंकड़े भी शामिल किए हैं। अनुसंधान गुणवत्ता को बढ़ाने और संस्कृति को मजबूत करने के लिए, पुस्तकालय में Drillbit, Ithenticate, और Check for Plag जैसे उपयोगी संसाधन जोड़े गए हैं जो प्लेगरिज्म जांच सेवाओं के लिए हैं।
- विभिन्न विभागों/स्कूलों और उपयोगकर्ता समुदायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय ने DELNET की सदस्यता ली है जो सभी सदस्य पुस्तकालयों से जोड़ने में मदद करेगी और इंटर लाइब्रेरी लोन सेवाओं के माध्यम से आवश्यकताओं को अधिक कुशलतापूर्वक पूरा करने में सहायता करेगी।
- Press Reader को सब्सक्राइब किया गया है ताकि विषय क्षेत्रों और सामान्य रुचियों के अंतर्गत डिजिटल समाचार पत्र और पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान की जा सके।
- 20 अगस्त 2023 को, केंद्रीय पुस्तकालय में एक ऐतिहासिक दिन था जब महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा पवित्र पुस्तक "श्रीमद्भगवद्गीता" पुस्तकालय में स्थापित की गई। माननीय कुलपति, प्रति कुलपति, कॉलेज विकास परिषद (CDC) और रजिस्ट्रार के साथ स्वामी जी के भक्त, पुस्तकालय टीम और छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- आधुनिकतम तकनीक के साथ–साथ लाखों की संख्या में पुस्तकें, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर में स्थित गणेश शंकर केन्द्रीय पुस्तकालय में माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी पिछले तीन वर्षों में अनेक प्रकार की आधुनिक तकनीक, संसाधन और सभी विषयों की हजारों नयी पुस्तकें मंगवाकर, सीएसजेएमयू ई–लाइब्रेरी मोबाइल एप लांच करवाया, जिसके द्वारा विद्यार्थी कहीं भी रहकर पढ़ाई कर सकता है, साथ ही कैंपस के विद्यार्थियों के लिए 24*7 अध्ययन के सुविधायुक्त बनाया गया है।
- पुस्तकालय की सभी सेवाओं के संचालन के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक की शुरुआत करवायी। दुनिया के तौर–तरीकों के साथ बने रहने के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को नवीनतम प्रौद्योगिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित करवाया।

- विश्वविद्यालय में शोध को मजबूत करने और शोधकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय में साहित्यिक चोरी की जांच सॉफ्टवेयर– आई–थेनटीकेट, चेक फॉर प्लैग एवं ड्रिलबिट द्वारा प्रारम्भ कराई गई। शोध को बढ़ावा देने हेतु स्कोपस डेटाबेस, प्रेसरीडर आदि जैसे गुणवत्तापूर्ण डेटाबेस का समृद्ध संग्रह जुड़वाया गया है।
- छात्र लाइब्रेरी के प्रमुख स्थानों पर रखे गए कियोस्क जैसे स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से सामग्री और संसाधनों का पता लगाने और उन तक पहुंचने में सक्षम हैं। बेहतर अनुभव प्राप्त करने के लिए लाइब्रेरी के सब्सक्राइब्ड डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से सीएसजेएमयू ई–लाइब्रेरी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं और इसे अपने डिवाइस पर इंस्टॉल कर सकते हैं।
- शोधगंगा सॉफ्टवेयर पर पीएचडी थीसिस अपलोडिंग में सीएसजेएमयू ने प्रदेश में प्रथम और देश में पांचवा स्थान माननीय कुलपति जी के कुशल मार्गदर्शन में प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय अपने छात्रों के साथ–साथ अपने शिक्षकों तक बेहतर पहुँच प्रदान करने के लिए परिसर के मध्य में स्थित है।

शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ खेल गतिविधियों में अभूतपूर्व इजाफा

विश्वविद्यालय ने सम्पूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए खेलों और शैक्षणिक उत्कृष्टता के बीच संतुलन कायम रखा है, जिससे खेल संरचना का निरंतर विस्तार हुआ है। इससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ी और विभिन्न खेल क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ मिलीं।

खेल उपलब्धियाँ (शैक्षणिक सत्र 2024–25)

श्री अमन चौहान

वर्ष 2025 में अंडर-19 भारतीय क्रिकेट टीम में चयनित

सुश्री माही सिवाच

एशियन यूथ अंडर-22 बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, कोलंबो 2025 में स्वर्ण पदक

श्री अजय

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक

इप्सिता विक्रम

किक बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक, बॉक्सिंग में रजत पदक, सीनियर नेशनल में कांस्य पदक

सुश्री अंशिका

एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप (16 से 30 अगस्त 2024-25) हेतु चयनित

सुश्री स्वेता कुंडू

नॉर्थ ईस्ट ज़ोन वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2024-25 में कांस्य पदक प्राप्त किया

श्री अमन यादव

सीएसजेएम विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर का चयन बीसीसीआई द्वारा आयोजित विज्जी ट्रॉफी 2024-25 में हुआ

श्री अभिषेक कुमार

सीनियर नेशनल क्वान कीडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक

श्री रतन दीप

दिसंबर 2024 में एलीट पुरुष सीनियर नेशनल चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक

शिवा सिंह

48वीं सीनियर नेशनल क्योरुगी ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2024 में रजत पदक

श्री विवेक यादव

सीनियर स्टेट चैम्पियनशिप में कांस्य पदक

श्री दिग्विजय

पंडित दीनदयाल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, मेरठ में स्वर्ण पदक

सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर की फुटबॉल टीम

सीएसजेएमयू टीम ने सेंट्रल ज़ोन फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसका आयोजन सीएसजेएम विश्वविद्यालय द्वारा Indian Institute of Technology Kanpur में किया गया। टीम ने इस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सीएसजेएम विश्वविद्यालय की खो-खो टीम

CSJMU टीम ने CSJM विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन खो-खो टूर्नामेंट 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। टीम ने टूर्नामेंट में प्रथम स्थान हासिल किया।

ऑल इंडिया फुटबॉल चैंपियनशिप 2024-25

हमारी टीम ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25 के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।

उपलब्धियां 2025-26

- कुल छात्र भागीदारी (नॉर्थ जोन और जोनल प्रतियोगिताएं): 545 छात्र
- खेलो इंडिया प्रतिनिधित्व: 33 खिलाड़ी

मैडल उपलब्धियां:

- स्वर्ण – इस्पिता विक्रम (बॉक्सिंग)
- रजत – चंचल (स्टेपलचेज़)
- कांस्य – श्वेता कुंडू (वेटलिफ्टिंग)
- नॉर्थ जोन खो-खो चैंपियनशिप: ऑल इंडिया के लिए क्वालीफाई
- नॉर्थ जोन शतरंज चैंपियनशिप: रजत पदक एवं ऑल इंडिया के लिए क्वालीफाई

क्रिकेट उपलब्धि:

उत्तरकर्ष यादव ने विजय ट्रॉफी (क्रिकेट) में प्रतिनिधित्व किया

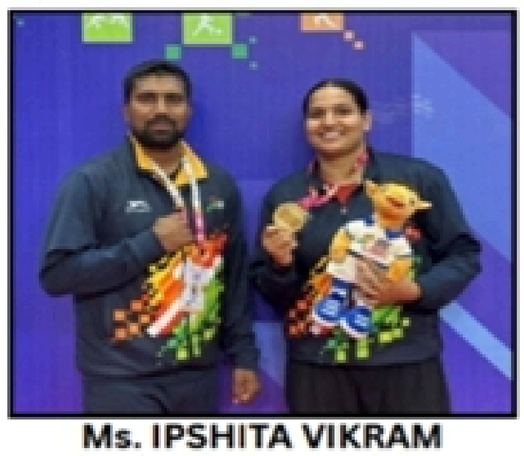

Ms CHANCHAL
Silver medal ,3000m Steeplechase All India Athletics University Games 2025,26

Ms. IPSHITA VIKRAM
-Gold Medal in Kick Boxing
-Silver Medal in Boxing
-Bronze in Senior National

Mr. Ajay
All India University Wrestling Championship
Silver Medal

KAJAL RAJPOOT
-Gold Medal in Junior State
-Silver in Senior State
Weightlifting

Mr. UPENDRA SINGH
Kabaddi
Junior national me silver medal
[B.P.E.S.]

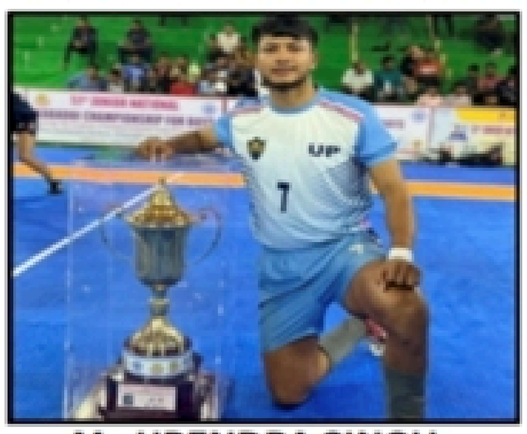

PALAK
National trophy. Get first position in the nunchaku game.

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (CSJMU), कानपुर की बी.एससी. योगा की छात्रा एवं राष्ट्रीय वेटलिफ्टर मानसी चाहुंडा ने राष्ट्रीय, जोनल एवं राज्य स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। वर्तमान में वह SAI सेंटर, लखनऊ में प्रशिक्षणरत है। मानसी ने अस्मिता खेलो इंडिया नेशनल लीग में जूनियर व सीनियर वर्ग में स्वर्ण पदक, अस्मिता नॉर्थ ज़ोन लीग तथा उत्तर प्रदेश राज्य जूनियर व सीनियर चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में उन्होंने 49 किग्रा वर्ग में 163 किग्रा कुल भार उठाकर रजत पदक और स्नैच में यूथ नेशनल रिकॉर्ड स्थापित किया।

CSJM University, Kanpur proudly congratulates Amit Kumar, a student of the BPES program (Sports Quota), for winning the Bronze Medal in the 800 meters event with an excellent timing of 1:49 at the All India Inter-University Athletics Meet held at ALVA's University, Mangalore.

Ms Shweta Kundu
Got Bronze Medal in North East Zone Weight Lifting Championship 2024-25

परियोजनाएं एवं परामर्श

(सीवी रमन योजना – मेजर प्रोजेक्ट)

- शारीरिक शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालय की सीवी रमन योजना के अंतर्गत एक मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है।
- प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड रिसर्च सेल (SERC) की स्थापना करना है, ताकि संस्थागत स्तर पर खेल शिक्षा, एथलीट विकास और अनुप्रयुक्त शोध को एकीकृत किया जा सके।
- यह प्रोजेक्ट रिसर्च और प्रैक्टिस-ओरिएंटेड पहल के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:
- मानकीकृत एथलीट आकलन
- वैज्ञानिक निगरानी
- क्षमता निर्माण
- बहु-संस्थागत सहयोग
- इससे साक्ष्य-आधारित खेल शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

खेलवार उपलब्धियां

- दिनांक 10 से 14 मार्च 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कराटे चैम्पियनशिप 2024 में 1. विशी विजय कुमार 2. आर्यन राज वर्मा 3. मोहम्मद फैजान कुरेशी 4. कमल किशोर ने टीम काटा में कांस्य पदक को जीता।
- दिनांक 20 से 21 अप्रैल 2024 तक आयोजित यू.पी. राज्य कराटे चैम्पियनशिप 2024 सीनियर, यू21, जूनियर, कैडेट में राज्य स्तर पर–
- श्रेया सिंह ने कैडेट -54 किलोग्राम महिला व्यक्तिगत कुमाइट (KUMITE) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- आर्यन राज वर्मा (पुरुष वरिष्ठ व्यक्तिगत काटा), मानसी मौर्य (महिला वरिष्ठ व्यक्तिगत काटा) ने विशी विजय कुमार (वरिष्ठ पुरुष व्यक्तिगत कुमाइट (KUMITE) 84+ किग्रा.), अनुराधा (वरिष्ठ महिला टीम काटा), रशिका (सीनियर महिला टीम काटा) और पूजा (वरिष्ठ महिला टीम काटा) ने कांस्य पदक प्राप्त किया।
- दिनांक 1-4 अगस्त 2024 तक राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में आयोजित 18वीं अखिल भारतीय स्वतंत्रता कप कराटे चैम्पियनशिप, नई दिल्ली यू.पी. राज्य कराटे चैम्पियनशिप 2024 सीनियर, यू21, जूनियर, कैडेट (18th All India Independence Cup Karate Championship, New Delhi U.P State Karate Championship 2024 for Senior, U21, Junior, Cadet) में स्वर्ण पदक: श्रेया सिंह (कैडेट महिला -50 किलोग्राम व्यक्तिगत कुमाइट (KUMITE)
- आर्यन राज वर्मा (वरिष्ठ व्यक्तिगत पुरुष काता)
- प्रांजल बंसल (वरिष्ठ व्यक्तिगत महिला काता)
- आशना यादव (वरिष्ठ व्यक्तिगत महिला कुमाइट (KUMITE) - 50 किलोग्राम)
- पवन राज (वरिष्ठ व्यक्तिगत पुरुष कुमाइट (KUMITE) - 50 किलोग्राम)
- नैतिक सिंह (जूनियर व्यक्तिगत पुरुष कुमाइट (KUMITE) -50 किलोग्राम)
- स्वर्ण पदक: श्रेया सिंह (कैडेट -54 किलोग्राम महिला व्यक्तिगत कुमाइट (KUMITE)
- आर्यन राज वर्मा (पुरुष वरिष्ठ व्यक्तिगत काता)
- मानसी मौर्य (महिला वरिष्ठ व्यक्तिगत काता)
- विशी विजय कुमार (वरिष्ठ पुरुष व्यक्तिगत कुमाइट (KUMITE) +84 किलोग्राम)
- अनुराधा (वरिष्ठ महिला टीम काता)
- रशिका (वरिष्ठ महिला टीम काता)
- पूजा (वरिष्ठ महिला टीम काटा)
- योग शपथ अभियान: 21.06.2024
- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर योग शपथ में सबसे ज्यादा शपथ दिलाने वाला विश्वविद्यालय रहा जिसमें 2.88 लाख लोगों ने शपथ ग्रहण की। समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा 26.22 लाख लोगों ने शपथ ली जोकि विश्व रिकार्ड बना और गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकाड्र्स में नाम दर्ज हुआ।

एआईयू जोनल बेसिस भागीदारी-

- पिछले तीन वर्षों में इंटर-कैंपस एवं इंटर-कॉलेजिएट स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कठिन अभ्यास और अटूट प्रयासों के आधार पर किया गया। कोचों के अथक एवं समर्पित मार्गदर्शन में आयोजित कोचिंग शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद खिलाड़ियों ने टीम में स्थान प्राप्त किया।
- कुल मिलाकर, सीएसजेएम विश्वविद्यालय ने 26 प्रमुख खेल विधाओं में अपनी टीमें भेजीं, जिनमें कुल 45 टीमों ने एआईयू (उत्तर, केंद्र, उत्तर-पूर्व, अंतर-क्षेत्र) तथा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 के विभिन्न स्तरों पर भाग लिया। यह महत्वपूर्ण भागीदारी विश्वविद्यालय की खेल प्रतिभाओं को विकसित करने और खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- जोनल स्तर पर 427 प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें से 105 खिलाड़ियों का चयन इंटर-जोनल स्तर पर प्रतिस्पर्धा हेतु किया गया।

एक्वेटिक्स (पुरुष):

कुल 8 एथलीटों ने जोनल स्तर के लिए तथा 5 एथलीटों ने एआईयू इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।

तीरंदाजी (पुरुष):

5 एथलीटों ने जोनल तथा 4 एथलीटों ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।

तीरंदाजी (महिला):

3 एथलीटों ने जोनल तथा 2 ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।

एथलेटिक्स (महिला):

16 एथलीटों ने सीधे अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया तथा सभी इंटर-जोनल तक पहुँचीं। एथलीट चंचल ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में आठवां स्थान प्राप्त किया और खेलो इंडिया के लिए क्वालीफाई किया।

बॉक्सिंग (पुरुष):

12 एथलीटों ने जोनल तथा 2 ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया। निशांत ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

बॉक्सिंग (महिला):

8 एथलीटों ने जोनल तथा 4 ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया। तनीषा लांबा ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर खेलो इंडिया के लिए क्वालीफाई किया।

क्रिकेट (पुरुष):

टीम ने सेंट्रल जोन इंटर-यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया और अखिल भारतीय स्तर पर पांचवां स्थान हासिल किया।

जूडो (पुरुष एवं महिला):

पुरुष वर्ग में 6 तथा महिला वर्ग में 6 खिलाड़ियों ने जोनल स्तर पर क्वालीफाई किया। सीमा यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया में पांचवां स्थान प्राप्त किया।

कराटे (पुरुष एवं महिला):

पुरुष वर्ग में टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया तथा सभी खिलाड़ियों ने अखिल भारतीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। महिला वर्ग में सभी खिलाड़ियों ने भी क्वालीफाई किया।

ताइक्वांडो (पुरुष एवं महिला):

पुरुष वर्ग में 10 में से 7 तथा महिला वर्ग में सभी 9 खिलाड़ियों ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारोत्तोलन (महिला):

9 एथलीटों ने जोनल स्तर पर क्वालीफाई किया। सना अंसारी ने कांस्य पदक प्राप्त किया और खेलो इंडिया में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कुश्ती (पुरुष एवं महिला):

- पुरुष वर्ग में 14 खिलाड़ियों में से जतिन ने रजत पदक प्राप्त किया। महिला वर्ग में 6 में से 4 खिलाड़ियों ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।
- वुशु (पुरुष एवं महिला):
- पुरुष वर्ग में 6 तथा महिला वर्ग में 4 खिलाड़ियों ने सीधे अखिल भारतीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

योग (पुरुष):

- सभी 6 खिलाड़ियों ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।

तलवारबाजी (पुरुष एवं महिला):

- पुरुष वर्ग में 4 तथा महिला वर्ग में 3 खिलाड़ियों ने इंटर-जोनल के लिए क्वालीफाई किया।
- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023
- कई राज्यों में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में विश्वविद्यालय ने सक्रिय भागीदारी करते हुए खेल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।
- विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 5 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु किया गया। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की खेल नीति, कोचों के मार्गदर्शन तथा प्रबंधन के सहयोग का परिणाम है।
-

व्यक्तिगत उपलब्धियाँ

- **जतिन राणा:** कुश्ती में 8वां स्थान
- **तनीषा लांबा:** महिला मुक्केबाजी में 8वां स्थान
- **चंचल:** एथलेटिक्स (3000 मीटर स्टीपलचेज) में 8वां स्थान
- **सना अंसारी:** भारोत्तोलन में कांस्य पदक
- **सीमा:** जूडो में पांचवां स्थान

टीम उपलब्धियाँ

- कराटे टीम (आर्यन राज, विशी विजय, कमल किशोर, फैजान) ने कांस्य पदक प्राप्त किया
- क्रिकेट टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया

परफॉर्मेंस हाइलाइट्स

- जतिन राणा, तनीषा लांबा एवं चंचल ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में भाग लेकर अपनी निरंतर खेल उत्कृष्टता का परिचय दिया।
- सना अंसारी ने भारोत्तोलन में कांस्य पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।
- सीमा ने जूडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च स्थान प्राप्त किया और विश्वविद्यालय की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

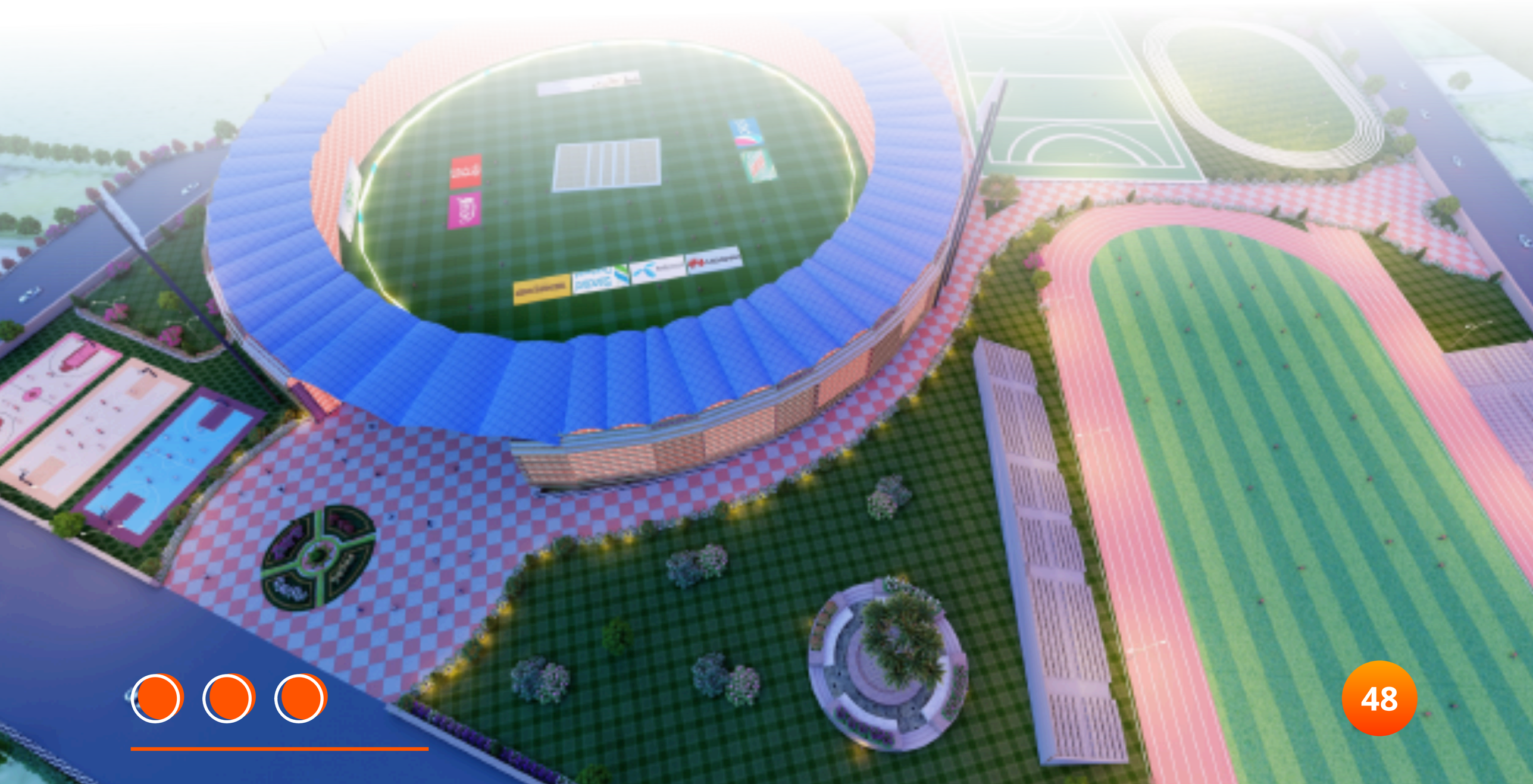

सीएसजेएम विश्वविद्यालय परिसर एलुमनाई

विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र प्रकोष्ठ 5 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय और उसके पूर्व छात्र नेटवर्क के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए कई पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहा। इन गतिविधियों का उद्देश्य सार्थक संबंधों को बढ़ावा देना, छात्रों से संपर्क को बढ़ाना और मार्गदर्शन, प्लेसमेंट और सामुदायिक सेवा की एक मज़बूत संस्कृति का निर्माण करना था।

कुल 18 से ज़्यादा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें आमंत्रित व्याख्यान, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप अभियान, सम्मेलन, पूर्व छात्र वार्ताएँ और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम शामिल थे। कुलपति महोदय के सकारात्मक विजन के अंतर्गत एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा समय-समय पर एलुमनाई मीट,सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है जिसमें पूर्व छात्र एवं विद्यार्थी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। अपने सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत विश्वविद्यालय अपने पूर्व छात्रों के सहयोग से बाल गृह, वृद्ध आश्रम इत्यादि में विभिन्न त्योहारों के अवसर पर वहां रह रहे बच्चों, वृद्ध व्यक्तियों से मिलता है और उन्हें फल मिठाई इत्यादि वितरित करते हुए उनकी खुशियों में सम्मलित होता है। एलुमनाई एसोसिएशन अपने सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत न सिर्फ विश्वविद्यालय का सहयोगी ही रहता है बल्कि अध्यनरत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्तर पर भी उनके उत्थान हेतु सतत प्रयासरत रहता है।

- 7 मार्च 2026 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के एलुमनाई श्री प्रियंक अग्रवाल (एमबीए 2006–2008), असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट, एक्सिस बैंक द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 9 फरवरी 2026 – सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए बैच 1992–1994) के एलुमनाई श्री आदर्श निगम द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 12 नवम्बर 2025 – "मानवीय मूल्यों" पर प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया गया।
- 10 अक्टूबर 2025 – मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।
- 27 सितम्बर 2025 – एमबीए छात्रों के लिए एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया।
- 11 सितम्बर 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई श्री सत्य नारायण द्वारा दीक्षांत समारोह सप्ताह के दौरान "कैपिटल मार्केट में करियर के अवसर" विषय पर एलुमनाई टॉक आयोजित किया गया।
- 1 सितम्बर 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई श्री बलराम नारूला द्वारा "उद्यमिता एवं स्टार्टअप" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 29 अगस्त 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई श्री अनिमेष गुप्ता द्वारा "सामाजिक उद्यमिता एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 28 अगस्त 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई श्री अनिमेष गुप्ता द्वारा "उद्यमिता, नवाचार एवं सतत विकास" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 24 अगस्त 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई डॉ. सुनील शुक्ला द्वारा "इंडस्ट्री–अकादमिक इंटर्नशिप का महत्व" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 23 अगस्त 2025 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एलुमनाई श्री मनोज अग्रवाल द्वारा "वित्तीय साक्षरता" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 1 अगस्त 2025 – माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन एवं दूरदर्शी नेतृत्व में, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर का एलुमनाई मीट आयोजित किया गया।
- अगस्त 2024 (13 अगस्त) – स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट द्वारा "सैलेड मिक्सोलॉजी" विषय पर पूर्व छात्र शेफ बलराम द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई।
- जुलाई 2024 – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में पूर्व छात्र डॉ0 अवध दुबे द्वारा मोटिवेशनल सेशन आयोजित किया गया।
- जून 2024 (07 जून) – स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा "उद्योग के क्षेत्र में नैतिकता" विषय पर पूर्व छात्र श्री मानस मिश्रा द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया।

- फरवरी 2024 – स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस द्वारा "स्पोर्ट्स के क्षेत्र में फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका एवं संभावनाएँ" विषय पर पूर्व छात्र डॉ0 अंशुल बाबू द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया।
- जनवरी 2024 – सीएसजेएम विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा कानपुर प्राणी उद्यान में एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2023 – विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा पूर्व विद्यार्थियों के साथ लैंडमार्क होटल में एलुमनाई मीट एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।
- नवंबर 2023 – नैक विजिट के दौरान सीएसजेएम विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित एलुमनाई एसोसिएशन बिल्डिंग में नैक इंटरेक्शन आयोजित किया गया।
- विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र श्री मानस मिश्रा और श्री पीयूष मिश्रा ने आमंत्रित व्याख्यान देते हुए नैतिकता, नेतृत्व और व्यावसायिक सफलता के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने अनुभव और मूल्यवान अंतर्दृष्टियाँ छात्रों एवं प्रतिभागियों के साथ साझा कीं।
- विश्वविद्यालय द्वारा अपने पूर्व छात्रों को समय-समय पर सम्मान देने की परंपरा भी कुलपति महोदय द्वारा शुरूआत की गई जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस (9 फरवरी) के अवसर पर डिस्टिंग्विश एलुमनाई अवार्ड 2025 एवं डिस्टिंग्विश एलुमनाई अवार्ड 2026 का आयोजन किया गया।

विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार 2025

सीएसजेएमयू के स्थापना दिवस का सतीश महाना ने किया शुभारंभ, पूर्व छात्र हुए सम्मानित

सीएसजेएमयू का छात्र होना कराता गर्व की अनुभूति

विश्वविद्यालय के 61वें स्थापना दिवस पर बोले एनटीए के चेयरमैन एवं पूर्व छात्र डॉ. प्रदीप कुमार जोशी

यूजीसी, एआईसीटीई जैसे संस्थानों को एक छाते के नीचे लाने की तैयारी

SJMU foundation day a blend of academics, cultural heritage & tech innovation

सीएसजेएमयू में मनाया गया 60वां स्थापना दिवस, विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

विश्वविद्यालय के उत्थान को पूर्व छात्र बनाएंगे रणनीति: महाना

पूर्व छात्रों को किया गया सम्मानित

NSS उपलब्धियां

पिछले 5 सालों में NSS की शानदार उपलब्धियां सी.एस.जे.एम. यूनिवर्सिटी में कुल 67 NSS यूनिट हैं।

- NSS की 6 यूनिट यूनिवर्सिटी कैंपस में हैं, जबकि 50 यूनिट यूनिवर्सिटी के अलग-अलग एफिलिएटेड कॉलेजों की हैं।
- इस साल कुल 5700 NSS वॉलंटियर्स रजिस्टर्ड हैं। यूनिट का मुख्य उद्देश्य पूरे कानपुर जिले और आस-पास के इलाकों में कैंप और अवेयरनेस प्रोग्राम बनाना है।
- यूनिवर्सिटी कैंपस में 'यूथ पार्लियामेंट' का आयोजन किया गया और चुने हुए 10 वॉलंटियर्स ने स्टेट रिप्रेजेंटेशन में हिस्सा लिया, जिसमें IInd और IIIrd पोजीशन हासिल की।
- यूनिवर्सिटी की सभी यूनिट्स ने 'दिवाली मे भारत' का आयोजन किया।
- यूनिवर्सिटी की सभी यूनिट्स ने 'मेरी माटी मेरा देश' इवेंट का आयोजन किया।
- यूनिवर्सिटी की सभी यूनिट्स ने 'अमृत कलश यात्रा' का आयोजन किया और माटी को सरकार की मेन स्ट्रीम में सौंपा गया।
- महिला सशक्तिकरण" प्रोग्राम शुरू किया गया और सभी यूनिट इसे सफलतापूर्वक चला रही हैं और इसके साथ ही मिशन शक्ति" सेशन I, II, III ऑर्गनाइज़ किए गए और अभी भी सभी यूनिट इसे फॉलो कर रही हैं।
- MY BHARAT PORTAL" में वॉलंटियर्स का ज़्यादा से ज़्यादा रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है और सभी इवेंट्स रेगुलर और सालाना पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं।
- 75वें अमृत महोत्सव" के लिए सभी सब यूनिट ने तय फॉर्मेट को फॉलो किया और उसे पूरा किया।
- सरकार के "हर घर झंडा" प्रोग्राम को फॉलो किया गया और सभी बस्तियों और गांवों में झंडा बांटा गया और देश के प्रति भावना और समर्पण के साथ झंडा यात्रा की गई। "FIT INDIA MOVEMENT" ऑर्गनाइज़ किया गया और इस मिशन को लेकर लगभग सभी बस्तियों और गांवों में अलग-अलग रैलियां की गईं।
- कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, इटावा आदि सभी यूनिवर्सिटी कैंपस में इंटरनेशनल "YOGA DAY" मनाया गया। साल 2024 में (2100) nss वॉलंटियर्स ने इस इवेंट में हिस्सा लिया और योग दिवस से पहले कई योग इंस्ट्रक्टर द्वारा योग सिखाने के लिए प्रैक्टिस सेशन ऑर्गनाइज़ किया गया।
- यूनिवर्सिटी की सभी यूनिट्स द्वारा समय-समय पर मेडिकल कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, सफ़ाई अभियान रेगुलर ऑर्गनाइज़ किए जा रहे हैं।
- हमारी यूनिवर्सिटी द्वारा 2.10.2023 को "महात्मा गांधी लीग" का उद्घाटन किया गया था जिसमें कई प्रोग्राम और सभी इवेंट्स की रिपोर्ट इस पोर्टल पर दी गई है। सभी प्रोग्राम ऑफिसर के लिए हर साल एक दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम शेड्यूल किया जाता है और इसे वाइस चांसलर द्वारा चलाया जाता है।
- 20 "साड़ी बैंक" बनाए गए हैं जिसमें यूनिवर्सिटी कैंपस और अलग-अलग कॉलेजों ने हिस्सा लिया था।
- हर साल NSS वॉलंटियर प्री रोड परेड में हिस्सा लेते हैं। साल 2023 में- 3 वॉलंटियर ने हिस्सा लिया, 2024 में- 5 वॉलंटियर्स ने हिस्सा लिया, 2025 में- 4 वॉलंटियर्स ने हिस्सा लिया।
- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के अंतर्गत वर्तमान में 67 इकाइयां संचालित है जिसमें छः इकाई विश्वविद्यालय परिसर में तथा 61 इकाइयां विभिन्न जनपदों के संबद्ध महाविद्यालय में संचालित है वर्तमान में कुल 6700 छात्र इस योजना से जुड़े हैं शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक इकाई ने एक चयनित ग्राम बस्ती मे सेवा कार्य करने हेतु चुना है गत वर्ष 46 इकाइयों द्वारा एकदिवसीय एवं सात दिवसीय विशेष शिविरों का आयोजन चयनित ग्राम बस्ती में किया गया जिसमें लगभग 2200 स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम बस्ती से जुड़कर सामुदायिक सेवा कार्य में निरंतर संलग्न है।

- उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के द्वारा निर्देशित विशेष कार्यक्रमों में जैसे मेरी माटी मेरा देश, कलश यात्रा, हर घर तिरंगा, स्वच्छता से सेवा की ओर, साथ-साथ प्रत्येक चयनित बस्ती में कुशल चिकित्सकों के सहयोग से चिकित्सा शिविर लगाए गए जो कि यह निरंतर सतत प्रक्रिया है मंत्रालय द्वारा निर्देशित 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त इकाइयों ने 46 राजकीय चिकित्सालय में प्रतिदिन 5 स्वयंसेवकों के द्वारा जरूरतमंद मरीजों की सहायता कार्य हेतु अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। माननीय कुलपति जी द्वारा निर्देशित समस्त इकाइयों हेतु विशेष अभियान के तहत महात्मा गांधी सेवा लीग की स्थापना 2 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ की गई जो की अनवरत प्रारंभ है इसके अंतर्गत "भिक्षावृत्ति से शिक्षाव्रत की ओर, स्वभाव-स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता जैसे अन्य सामुदायिक कार्यों को स्वयं सेवकों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर महात्मा गांधी सेवा लीग पोर्टल बनाया गया जिसमें प्रत्येक इकाई द्वारा अपनी समस्त गतिविधियों को पोर्टल पर अपलोड करने की व्यवस्था की गई जिसका समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है। इसके अतिरिक्त समस्त इकाइयों द्वारा की जा रही गतिविधियों को भारत सरकार द्वारा निर्देशित माय भारत पोर्टल पर सभी गतिविधियों को अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है।

- 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त इकाइयों द्वारा चयनित ग्राम बस्ती में एक साथ प्रातः 7:00 बजे योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें लगभग 2100 स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्देशित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित बस्ती में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो के माध्यम से लगभग 3250 व्यक्तियों को खुराक उपलब्ध कराई गई। 26 जनवरी 2025 को विश्वविद्यालय द्वारा झाँकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में कानपुर नगर के 21 इकाईयों ने प्रतिभाग किया। झाँकी का मुख्य शीषर्क महाकुंभ 2025 एवं ऑपरेशन सिंदूर 2026 था।

- हर्ष के साथ यह भी अवगत कराना है कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के 6 चयनित स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2024 रांची एवं 1 जनवरी से 26 जनवरी 2025 तक एक स्वयंसेवक का गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभाग करने हेतु चयन किया गया।

- राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर बरेली में 04 स्वयंसेवकों एवं 10 स्वयंसेवक के साथ जयपुर एवं एवं पुनः 05 स्वयंसेवकों के साथ भुवनेश्वर उड़ीसा में स्वयंसेवकों के अतिरिक्त पृथक पृथक शिक्षकों द्वारा क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा निर्देशित उत्तर प्रदेश के दलनायक के रूप में प्रतिभाग किया विश्वविद्यालय द्वारा छात्र युवा संसद का आयोजन किया गया मेरिट वरीयता के आधार पर 10 स्वयंसेवकों का चयन कर राज्य स्तर पर प्रतिभाग कराया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर समय-समय पर इकाई स्तर पर स्वयंसेवकों को उत्साहवर्धन करने हेतु पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते रहे हैं तथा कार्यों का वार्षिक मूल्यांकन के उपरांत प्रतिवर्ष 4 स्वयंसेवकों को कर्मवीर पुरस्कार तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन कार्यक्रम अधिकारियों को गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार तथा श्रेष्ठ इकाइयों सेवा कार्य करने वाले इकाइयों को स्वामी विवेकानंद पुरस्कार निरंतर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान की जाने की सतत प्रक्रिया है।

NCC उपलब्धियां

यह अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएम), कानपुर एवं इसके आस-पास के क्षेत्रों में वर्ष 2022 से 2026 के मध्य विभिन्न सामाजिक, पर्यावरणीय, जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों की सफलता का मुख्य श्रेय माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं निरंतर प्रोत्साहन को जाता है।

निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- हर घर तिरंगा अभियान 2023
- इस अभियान के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स द्वारा गाँव-गाँव जाकर लोगों को देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक किया गया। कैडेट्स ने प्रत्येक गाँव के मुखिया/प्रधान से संपर्क स्थापित कर उन्हें तिरंगा ध्वज सौंपा एवं उनके माध्यम से पूरे गाँव को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।
- इसके अतिरिक्त, घर-घर जाकर लोगों को तिरंगे का महत्व बताया गया तथा उन्हें अपने घरों पर ध्वज लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अभियान के माध्यम से लगभग 75 गाँवों में व्यापक जनजागरूकता फैलायी गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रप्रेम की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई।
- वर्ष 2024 में शैलेन्द्र सिंह दिल्ली की गणतंत्र परेड में शामिल होने वाले विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ कैडेट होने का गौरव प्राप्त किया।
- वर्ष 2026 में जयंती गुप्ता ने दिल्ली की गणतंत्र परेड में शामिल होकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।
- पिछले पाँच वर्षों में विश्वविद्यालय की दोनों इकाइयों के प्रतिभावान कैडेट्स ने AIVSC, TSC, ATC, CATC, NIC आदि कैम्प में सहभाग कर के विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है।
- ट्री प्लांटेशन अभियान (2024–2025)
- विभिन्न तिथियों पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।
- साइकिल रैली 2025 (वुमेंस डे – 08 मार्च 2025)
- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु 150 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली का आयोजन किया गया।
- ब्लड डोनेशन कैंप 2025 (15 अप्रैल 2025, सीएसजेएम, कानपुर)
- एनसीसी के 4 कैडेट्स द्वारा रक्तदान कर समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया।
- वोटिंग अवेयरनेस अभियान 2026 (आयोजन: 24 जनवरी 2026, सीएसजेएम, कानपुर)
- मतदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाई गई।
- नशा मुक्ति अभियान 2025 (24 मार्च 2026, सीएसजेएम, कानपुर)
- इस अभियान का आयोजन 24 मार्च 2026 को सीएसजेएम विश्वविद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें कई वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।
- कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा संबोधन दिया गया तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने रैली, पोस्टर एवं जनसंपर्क के माध्यम से इस संदेश को व्यापक रूप से फैलाया।
- मॉक ड्रिल (ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, 9 तारीख 2025)
- आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए 9 तारीख को “ऑपरेशन सिंदूर” के अंतर्गत एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स एवं आम नागरिकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, एवं सुरक्षित निकासी (Evacuation) की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।
- इस दौरान कैडेट्स ने लोगों को यह बताया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखना, प्रशासन के निर्देशों का पालन करना, तथा प्राथमिक चिकित्सा के मूलभूत उपाय अपनाना कितना आवश्यक है।

आम जनता को जागरूक करने के प्रमुख तरीके:

गाँव-गाँव जाकर जनसंपर्क स्थापित करना, अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के माध्यम से मार्गदर्शन, रैली, पोस्टर एवं स्लोगन के जरिए प्रचार, घर-घर संपर्क अभियान, मॉक ड्रिल के माध्यम से व्यवहारिक प्रशिक्षण

माननीय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। इन गतिविधियों में डॉ. अंकित त्रिवेदी एवं मयूरी सिंह का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन एवं समन्वय से कार्यक्रमों का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया गया।

स्वामी हरिदास संगीत एवं नाट्य अकादमी सृजन, संस्कृति एवं साधना का केंद्र

माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं सांस्कृतिक-शैक्षिक दृष्टिकोण के अंतर्गत स्थापित स्वामी हरिदास संगीत एवं नाट्य अकादमी, जिसका विधिवत उद्घाटन 22 सितम्बर 2025 को हुआ, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की एक महत्त्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल के रूप में स्थापित हुई है। भारतीय शास्त्रीय एवं समकालीन प्रदर्शन कलाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा संस्थागत विकास हेतु स्थापित यह अकादमी विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं शैक्षिक दृष्टि का सशक्त प्रतिरूप है।

- विश्वविद्यालय परिसर में स्थित यह अकादमी संगीत, वाद्य, नृत्य एवं रंगमंच की विविध विधाओं में संरचित प्रशिक्षण प्रदान कर रही है तथा प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से कला शिक्षा को संगठित एवं सुलभ बना रही है। स्थापना के अल्प समय में ही अकादमी में 250 से अधिक विद्यार्थी नामांकित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और आने वाले सत्र में यह संख्या 2000 तक पहुँचने की आशा है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता, गुणवत्ता तथा विश्वविद्यालय समुदाय में इसकी स्वीकार्यता का प्रमाण है। सीमित बैच संरचना एवं प्रदर्शन-आधारित प्रशिक्षण मॉडल के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाता है।
- स्वामी हरिदास संगीत एवं नाट्य अकादमी का मूल दर्शन "स्वर-ताल-नृत्य-नाट्य साधना" पर आधारित है, जो भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को आधुनिक अकादमिक संरचना के साथ समन्वित करता है। अकादमी में अनुशासित प्रशिक्षण, रियाज़ की संस्कृति, नियमित प्रस्तुतियाँ, कार्यशालाएँ, मास्टरक्लास एवं विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र कलात्मक विकास को सुनिश्चित किया जाता है।

- यह अकादमी न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, बल्कि व्यापक समाज के कला-रुचि संपन्न युवाओं के लिए भी अवसरों के नए द्वार खोल रही है। अपनी स्थापना के साथ ही इसने विश्वविद्यालय परिसर में सांस्कृतिक ऊर्जा, सृजनात्मक संवाद एवं कलात्मक अनुशासन का एक नया वातावरण निर्मित किया है। कार्यशालाओं, प्रस्तुतियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से अकादमी विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए उन्हें एक सक्षम कलाकार, प्रशिक्षक एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्यरत है।
- माननीय कुलपति महोदय के पाँच वर्षों के कार्यकाल में यह अकादमी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि किस प्रकार एक दूरदर्शी प्रशासनिक नेतृत्व विश्वविद्यालय को केवल शैक्षणिक संस्थान ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक नवाचार एवं सृजनात्मक उत्कृष्टता के केंद्र में रूपांतरित कर सकता है। स्वामी हरिदास संगीत एवं नाट्य अकादमी विश्वविद्यालय की उस प्रगतिशील यात्रा का प्रतीक है, जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, कला-संस्कार एवं समकालीन शैक्षिक दृष्टिकोण का समन्वित विकास सुनिश्चित किया गया है।
- आज यह अकादमी विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाते हुए कला शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो रही है तथा भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कला प्रशिक्षण के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित होने की पूर्ण क्षमता रखती है।

सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा वर्ष 2024–25 में पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में कुल 2138.55 tCO2e उत्सर्जन दर्ज किया गया, जबकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 0.26 tCO2 रहा। जल प्रबंधन के अंतर्गत 1.1 MLD पानी का पुनर्चक्रण एवं पुन: उपयोग किया जा रहा है तथा स्मार्ट मीटरिंग के माध्यम से लगभग 50 लाख लीटर जल की वार्षिक बचत सुनिश्चित की गई है, साथ ही 1.5 एकड़ क्षेत्र में जलस्रोतों का पुनर्जीवन किया गया।

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा 2 MWp सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है तथा सेंसर आधारित लाइटिंग के माध्यम से प्रतिदिन 109 यूनिट ऊर्जा की बचत की जा रही है। विश्वविद्यालय परिसर में कुल 49,733 वर्ग मीटर का रूफटॉप क्षेत्र विकसित किया गया है।

अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत “वेस्ट टू वेल्थ” की अवधारणा पर कार्य करते हुए लगभग ₹2.23 करोड़ की बचत की गई तथा 4.5 लाख की परामर्श परियोजनाएं संचालित की गईं। जैव विविधता को बढ़ावा देने हेतु 3 ग्रीनहाउस विकसित किए गए तथा 112 एकड़ क्षेत्र में हरित आवरण (Vegetated Space) को संरक्षित किया गया।

सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत 265 आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त किया गया तथा वर्ष 2022 में ‘आरोग्यम क्लिनिक’ की स्थापना की गई। अनुसंधान एवं सहयोग के क्षेत्र में 724 गतिविधियाँ संचालित हुईं तथा 20 प्रायोजित शोध परियोजनाएं पूर्ण की गईं।

विश्वविद्यालय में ओपन जिम, स्विमिंग पूल, लाइब्रेरी, हेलिपैड, फूड कोर्ट, खेल मैदान तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही पर्यावरण, जल, ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता तथा सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित किया गया है।

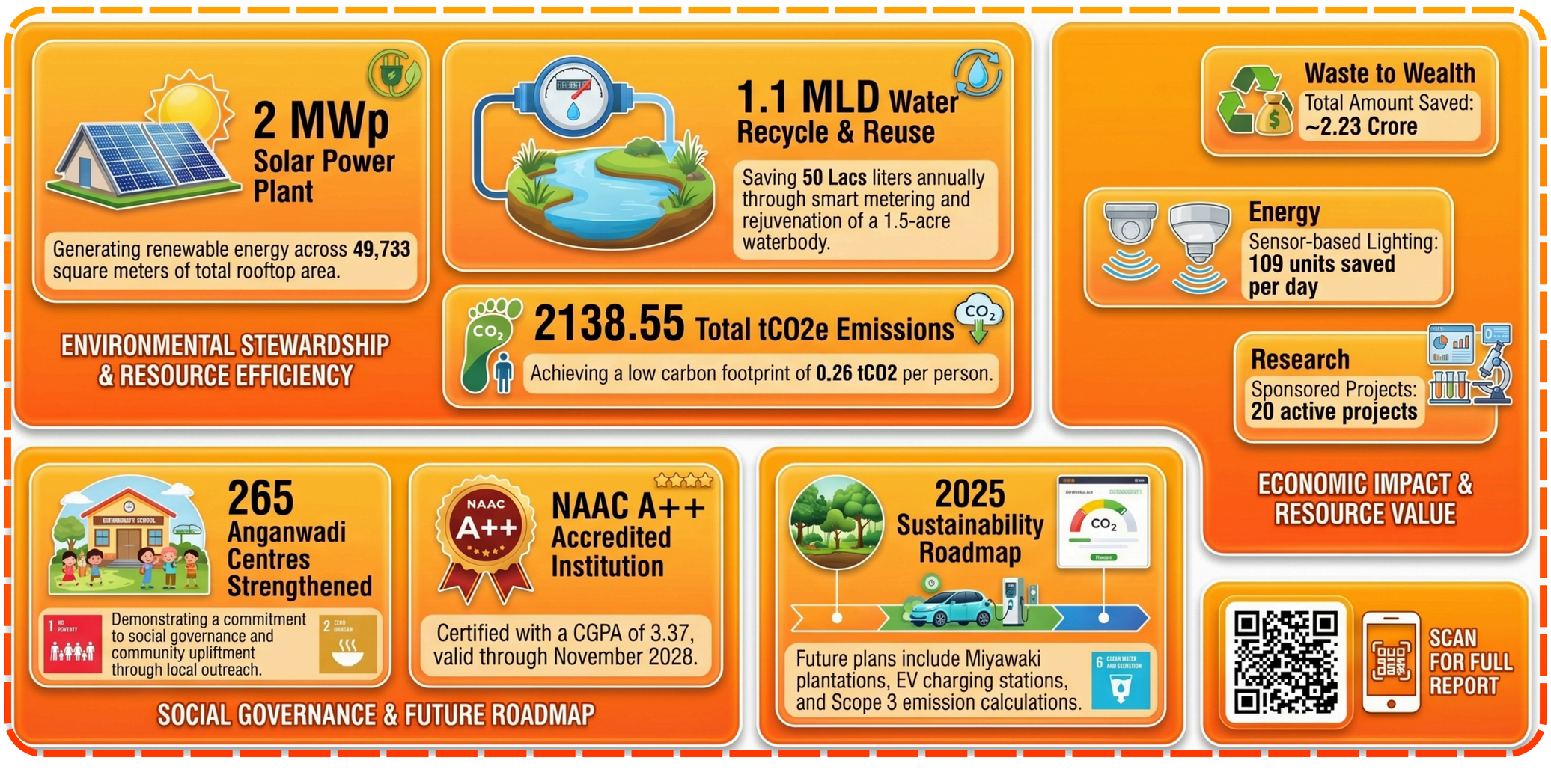

अत्याधुनिक मीडिया सेंटर से मिली ई-लर्निंग को ऊंची उड़ान

अत्याधुनिक मीडिया सेंटर में शिक्षा जगत से जुड़ी बहुउद्देशीय गतिविधियों को संचालित किया जाता है। इससे ई-लर्निंग प्रक्रिया को काफी गति मिली है। न्यूज बुलेटिन, डाक्यूमेंट्री निर्माण, वीडियो लेक्चर, शार्ट फिल्म, परमोशनल वीडियो एवं रील्स, साक्षात्कार एवं सजीव प्रसारण की सुविधा इसी मीडिया सेंटर के माध्यम से संचालित की जाती है।

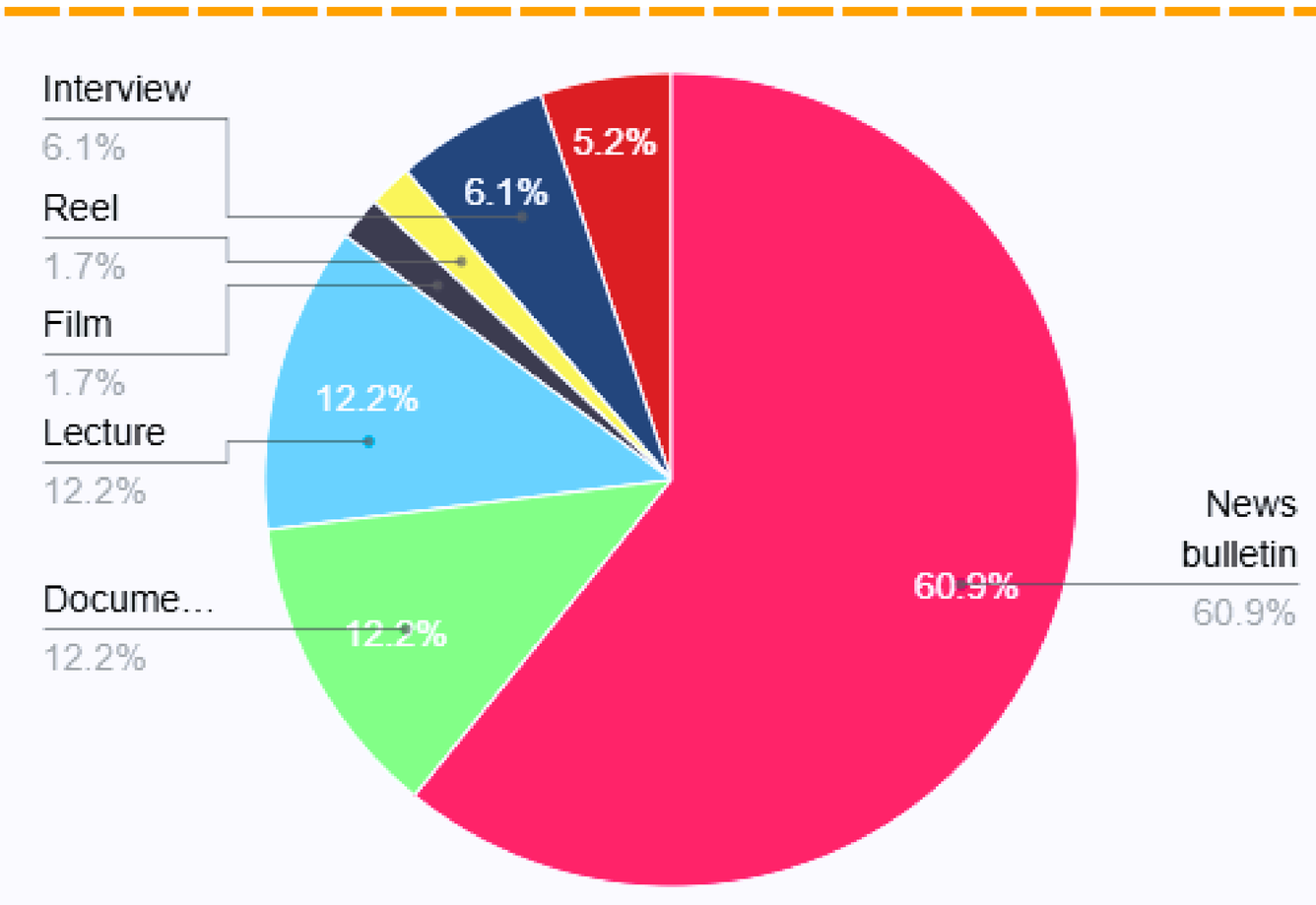

Media center progress March 2022-March 2026

चरैवेति.. चरैवेति । सतत नवीन प्रयत्न और निरंतरता के साथ चलते रहना ही जिंदगी है। इसी प्रेरणा वाक्य के साथ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग में स्थापित अत्याधुनिक मीडिया सेंटर कम स्टूडियो पिछले 05 सालों से लगातार सफलता के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। पत्रकारिता शिक्षण-प्रशिक्षण हो या विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में होने वाली गतिविधियां, विश्वविद्यालय के सफलता के चरणबद्ध आयाम हों या छात्रों की कोई सामूहिक उपलब्धि, प्रेस कांफ्रेंस हो या विशिष्ट अतिथियों का दौरा, हर गतिविधि की पूरी और सुव्यवस्थित कवरेज करता है अत्याधुनिक मीडिया सेंटर। इस सेंटर के कुल तीन विभाग हैं- स्टेट ऑफ आर्ट 3 उप भागों में विभक्त टीवी स्टूडियो 5जी वाई-फाई से सुसज्जित अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब और नवीन मीडिया लैब ।

स्टेट ऑफ आर्ट टीवी स्टूडियो में कुल तीन पार्ट हैं- कूल लाइटिंग, 2 वेब कैमरों और एक टेलीप्राम्प्टर के साथ बहुध्रुवीय स्टूडियो, जिसमें समाचारों के प्रस्तुतीकरण के लिए एक स्टूडियो, साक्षात्कार के लिए एक अन्य स्टूडियो और व्याख्यान रिकार्डिंग के लिए तीसरा स्टूडियो शामिल हैं। इसके साथ सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रोडक्शन कंट्रोल रूम और एक पोस्ट प्रोडक्शन रूम और एक पार्श्व ध्वनि रिकार्डिंग कक्ष भी अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है।

मीडिया सेंटर में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की निरंतर प्रेरणा और उनके सतत मार्गदर्शन में एक ईएनजी (इलेक्ट्रानिक न्यूज गैदरिंग) यूनिट, जिसमें 3 गन माइक 3 कैमरा और अन्य साजो सामान शामिल है, भी विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति के पदचिन्हों को संरक्षित करने का कार्य कर रही है ।

पिछले तीन सालों में इस स्टूडियो से विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न शैक्षिक कार्यकलापों, समितियों की बैठकों, समितियों के भ्रमण और दीक्षांत समारोह, सांस्कृतिक समारोह की कवरेज पर आधारित कुल 290 न्यूज बुलेटिन निर्मित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में हुए विभिन्न समारोहों, आयोजनों, जयंतियों तथा उपलब्धियों को लेकर कुल 50 वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का निर्माण मार्च 2026 तक किया जा चुका है। इन वृत्तचित्रों में 22 ऐसे वृत्तचित्र भी शामिल हैं जो विभिन्न महापुरुषों के जीवन पर शोध आधारित हैं।

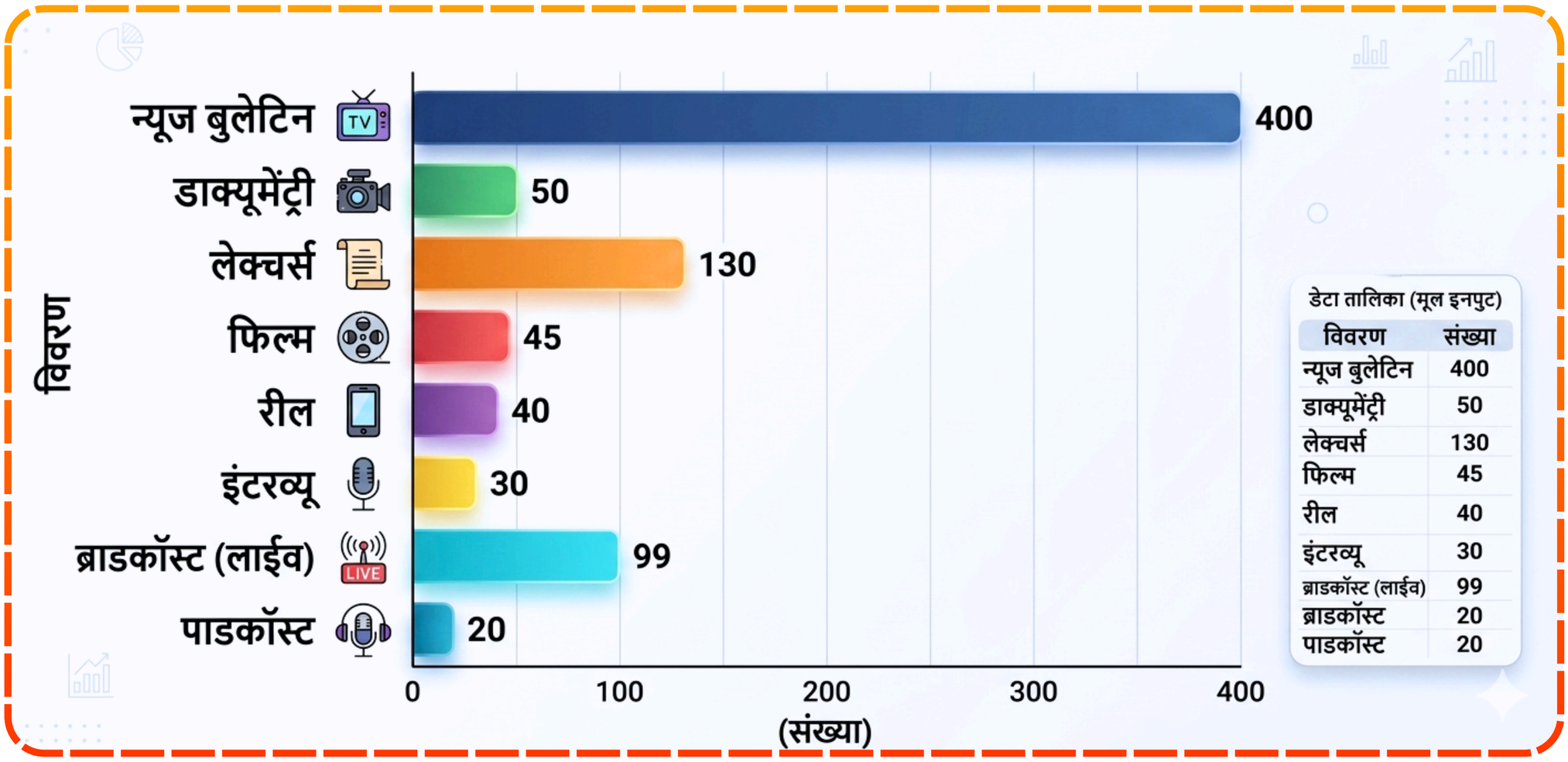

इसके साथ साथ विश्वविद्यालय के ज्ञानसंचय पोर्टल में अपलोड किए जाने और ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रों के लिए स्टडी मैटिरियल उपलब्ध कराने की कुलपति माननीय प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के संकल्प को पूरा करने हेतु विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के मार्च 2026 तक कुल 130 लेक्चर भी रिकार्ड किए जा चुके हैं। मीडिया सेंटर द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए परिसर में चल रही शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद और चिकित्सा, प्रोत्साहन कैंप, मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य और शिक्षा के कार्यों सहित अन्य गतिविधियों से संबंधित कुल 45 शार्ट और फुल लेंग्थ फिल्में मार्च 2026 तक निर्मित किया जा चुका हैं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी छात्रो, आमजन तक पहुंचाने के लिए मार्च 2026 तक कुल 40 रील्स का भी निर्माण इसी अत्याधुनिक मीडिया सेंटर में किया जा चुका है। विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में पधारने वाले देश विदेश के महत्वपूर्ण अतिथियों, शिक्षाविदों, मनीषियों, पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, शासकीय गणमान्य अतिथियों के साक्षात्कार भी अत्याधुनिक मीडिया सेंटर में लिए गए हैं। इस तरह के कुल 30 साक्षात्कार मार्च 2026 तक स्टूडियो में रिकार्ड और संपादित किए गए हैं। ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत मनीषियों के ज्ञान को संचित, संरक्षित किया जा सके। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का आंतरिक अंग होने के कारण अत्याधुनिक मीडिया सेंटर की जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों को टीवी एंकरिंग, वाइस ओवर आर्टिस्टिंग, वीडियो संपादन, प्रोडक्शन कंट्रोल और रेडियो प्रस्तोता के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हे रेडियो, टीवी और नवीन मीडिया के लिए दक्षता प्रदान करे ।

इस क्रम में माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी की निरंतर प्रेरणा और मार्गदर्शन में मार्च 2022 से मार्च 2026 तक 350 से अधिक छात्रों को विभिन्न विधाओं में पारंगत किया गया है। विश्वविद्यालय में होने वाले कुल 99 महत्वपूर्ण आयोजनों, समारोहों, प्रतियोगिताओं का यूट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण भी किया गया है। सबसे विशेष बात यह है कि इस मीडिया सेंटर में पत्रकारों के लिए वो सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जो उन्हें अपने कार्य के दौरान आवश्यक होती है। विश्वविद्यालय के मीडिया सेंटर में लब्धप्रतिष्ठ विद्वान कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की प्रेरणा और उनके मार्गदर्शन में 4 सदस्यों की टीम समर्पण भाव से कार्य करती है, ताकि सीएसजेएमयू की सकारात्मक क्रियाकलापों के बारे में लोगों को बराबर जानकारी मिलती रहे और विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान और भी बेहतर बने ।

/csjmuofficial

WWW.CSJMU.AC.IN

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur
(Formerly Kanpur University, Kanpur)
Kalyanpur, Kanpur-208024